जबलपुर गुरुवार 23 अप्रैल 2026 > शक संवत 1948 वैशाख शुक्ल पक्ष सप्तमी विक्रम संवत 2083 वर्ष 31 अंक 297 > मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96 www.swatantramat.com

45 की उम्र में डेब्यू करेंगी रणबीर कपूर की बहन, » 7

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 930135969 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 41.6°C
न्यूनतम तापमान 25.4°C
सूर्योदय - 5.43 | सूर्यास्त - 6.34

सुभाष ठाकुर को पीएचडी की उपाधि » 2

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता और » 5

वीनस विलियम्स को लगातार 10वीं हार का सामना » 10

जमीन अधिग्रहण पर किसानों को मिलेगा 4 गुना मुआवजा

भोपाल (स्वतंत्र मत)

भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। कैबिनेट ने फैक्टर-2 लागू करने का फैसला लिया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को जमीन अधिग्रहण पर चार गुना तक मुआवजा मिलेगा। इधर, कैबिनेट ने मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पतालों में मरीजों के परिजनों के लिए शेल्टर होम बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। शेल्टर होम में मरीज के परिजनों को रुकने और खाने की व्यवस्था सस्ती दरों पर मिल सकेगी। यह व्यवस्था निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों में भी लागू होगी। बैठक में यह भी तय हुआ है कि अगले 5 सालों में सभी मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब और ऑर्गन ट्रांसप्लांट जैसी सुविधाओं के विकास पर करीब 2 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं, राज्य में अलग-अलग निर्माण कार्यों के लिए करीब 33 हजार करोड़ रुपए के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। मध्य प्रदेश में पहली बार मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए शेल्टर होम बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बड़ी संख्या में मरीजों के परिजन अस्पतालों में आते हैं, लेकिन उन्हें ठहरने के लिए भटकना पड़ता है। ऐसे में उनके लिए शेल्टर होम बनाए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग चरणबद्ध तरीके से वर्तमान में संचालित 20 सरकारी मेडिकल कॉलेजों के लिए सामाजिक संस्थाओं से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। सरकार केवल जमीन उपलब्ध कराएगी, जबकि भवन निर्माण से लेकर बिजली-पानी सहित सभी व्यवस्थाएं संस्थाएं स्वयं करेंगी। मरीजों के परिजनों के ठहरने और भोजन के लिए एक समिति न्यूनतम शुल्क तय करेगी। इस व्यवस्था में सामाजिक संस्थाएं लाभ कमाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि समाजसेवा के भाव से सहभागी बनेंगी। उज्जैन क्षेत्र की 157 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना को मंजूरी मिली है, जिससे 35 गांवों को लाभ मिलेगा। कैबिनेट ने पुनर्वास पैकेज के तहत छिंदवाड़ा जिले के लिए 128 करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। सरकार अगले 5 सालों में कक्षा 6वीं और 9वीं के विद्यार्थियों को साइकिल देने के लिए 990 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

मप्र में मरीजों के परिजनों के लिए बनेंगे शेल्टर होम

7 महीने मंथन के बाद लिया निर्णय : मुख्यमंत्री

भोपाल में मुख्यमंत्री निवास में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जमीन अधिग्रहण के बदले नए मुआवजा प्रावधान की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में आज का निर्णय ऐतिहासिक है। कैबिनेट ने किसानों के हित में भू अर्जन के बदले चार गुना मुआवजा देने का निर्णय किया है। जिसके कारण किसानों की भूमि को ग्रामीण क्षेत्र में गाइडलाइन से चार गुना मुआवजा दिया जाएगा। नगरीय क्षेत्र में गाइडलाईन तो वैसे भी बढ़ती रहती है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी आवश्यकता थी। इस बड़े बदलाव की नींव 7 नवंबर 2025 को मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक में रखी गई थी। इसके बाद 13 जनवरी 2026 को एक मंत्रिमंडलीय समिति का गठन किया गया, जिसने किसान संगठनों, फिक्की, क्रेडाई और सामाजिक संगठनों सहित 400 से अधिक पक्षकारों से विस्तृत चर्चा की। अन्य राज्यों की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के अध्ययन के बाद समिति ने इस बढ़ोतरी की अनुशंसा की थी, जिसे अब अमलीजामा पहना दिया गया है।

मप्र में फिर खुलेंगे आरटीओ चेक पोस्ट

हाईकोर्ट ने सरकार को 30 दिन में खोलने के दिए आदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में आरटीओ चेक पोस्ट फिर से खुलेंगे। हाईकोर्ट जस्टिस विशाल मिश्रा की कोर्ट ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह बड़ा फैसला सुनाया है। राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि 30 दिनों के भीतर सभी चेक पोस्ट शुरू करें। भारी वाहनों की जांच और हादसे रोकने के लिए चेक पोस्ट जरूरी हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा- हाईकोर्ट के आदेश का अध्ययन करने के बाद विधि विशेषज्ञों की राय लेकर न्यायालय के आदेश के मुताबिक आगे की कार्रवाई कराई जाएगी। ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष सीएल मुकाती ने कहा कि अभी 30 दिन का समय है। ऊपरी कोर्ट का रुख करेंगे। इस फैसले को चुनौती देंगे। अपनी बात मजबूती से रखेंगे। एसोसिएशन कोर्ट में सौरभ शर्मा से जुड़े मामले का हवाला देंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के चेक पोस्ट खत्म करने को लिखे गए पत्र को भी आधार बनाएंगे। उन्होंने कहा- पहले ही केंद्र स्तर पर चेक पोस्ट हटाने की दिशा में कदम उठाए जा चुके हैं, ऐसे में इन्हें फिर से शुरू करना तर्कसंगत नहीं है। राज्य सरकार पहले ही आदेश दे चुकी है कि ओवरलोडिंग की जांच टोल प्लाजा पर की जाएगी। ऐसे में अब चेक पोस्ट दोबारा शुरू करने का औचित्य समझ से परे है। दरअसल, राज्य सरकार ने 30 जून 2024 के बाद प्रदेशभर में आरटीओ चेक पोस्ट बंद कर दिए थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव के निर्देश पर 1 जुलाई 2024 से लागू किया गया था। इसके बाद परिवहन विभाग ने जांच व्यवस्था समाप्त कर दी थी, जिससे सड़कों पर निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे थे। इसी फैसले के खिलाफ याचिकाकर्ता रजनीश त्रिपाठी ने 2025 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने परिवहन विभाग के अपर मुख्य सचिव मनीष सिंह सहित अन्य अधिकारियों को पक्षकार बनाया।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

शासन की ओर से अधिवक्ता अंजली मिश्रा ने अदालत में जवाब पेश किया, लेकिन कोर्ट ने इसे संतोषजनक नहीं माना। जस्टिस विशाल मिश्रा ने टिप्पणी की कि विभागीय अधिकारियों का रवैया कोर्ट के आदेशों और दिए गए निर्देशों की अवहेलना के समान है। कोर्ट ने कहा कि आदेश का पालन करना अनिवार्य है। चाहे विभाग अन्य विकल्प क्यों न अपनाए।

आदेश नहीं माना तो अवमानना

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आदेश की प्रमाणित प्रति मिलने के 30 दिनों के भीतर सभी चेक पोस्ट दोबारा शुरू किए जाएं। अगर इस अवधि में आदेश का पालन नहीं किया गया, तो याचिकाकर्ता अवमानना याचिका दायर कर सकता है। मामले को पुनर्जीवित किया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि आदेश की अवहेलना को गंभीरता से लिया जाएगा।

हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री और धार्मिक भेदभाव से जुड़े मामले में सुनवाई हुई। जस्टिस वीबी नागरत्ना ने कहा, हिंदू समाज को एकजुट होना चाहिए। दो संप्रदायों में बंटना नहीं चाहिए। वे हमारे मंदिर नहीं आ सकते, हम उनके मंदिर में नहीं जा सकते। यह सोच सही नहीं है। अगर कोई संप्रदाय अपने मंदिर को दूसरों के लिए नहीं खोलता, तो वह कमजोर हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात ट्रावणकोर देवस्वम बोर्ड के वकील राकेश द्विवेदी की उस बात पर कही, जिसमें कहा गया था कि जहां एक संप्रदाय को दूसरे संप्रदाय के मंदिर में पूजा करने से रोका जा रहा है, जबकि वे वहां जाते भी नहीं। यदि वे जाना चाहें, तो क्या इसे सामाजिक सुधार के तहत सही ठहराया जा सकता है। अगर राज्य चाहे कि अन्य संप्रदायों के लोगों को भी अनुमति दी जाए, तो वह सुधार के रूप में कानून बना सकता है। सुप्रीम कोर्ट में 9 जजों की संवैधानिक बेंच सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। इसके साथ धार्मिक आस्था के 66 मामले और जुड़े हैं। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में मासिक धर्म वाली महिलाओं (10-50 साल) की एंट्री पर रोक लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में बैन हटा दिया। फैसले के खिलाफ कई पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गईं, जिसपर अब सुनवाई हो रही है। मंदिर प्रशासन महिलाओं की एंट्री का विरोध कर रहा है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के चौथे दिन बुधवार सुबह 8 बजे केदारनाथ धाम के कपाट विधिवत खोल दिए गए हैं। परंपरा के अनुसार सबसे पहले मंदिर के पूर्व द्वार को खोला गया और मुख्य पुजारी, रावल व हक-हकूकधारियों ने अंदर प्रवेश कर पूजा-अर्चना शुरू की। कपाट खुलने के मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धाम में पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम की पहली पूजा कराई।

खंडवा सांसद के छोटे भाई ने किया सुसाइड

बुरहानपुर। खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल के छोटे भाई विश्वनाथ उर्फ बाडू पाटिल (58) ने आत्महत्या कर ली है। उन्होंने बुधवार तड़के करीब 4 बजे अपने गृह ग्राम बोहरडा में खेत के कुएं में कूदकर जान दे दी। घटना के बाद प्रशासन ने गोताखोरों की मदद से 3 घंटे की मशक्कत कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

खड़गे को चुनाव आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भाजपा ने आज पीएम मोदी को आतंकी कहने के मामले में चुनाव आयोग से खड़गे की शिकायत की थी। दरअसल खड़गे ने मंगलवार को चेन्नई में चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी को आतंकी कहा था। हालांकि बाद में उन्होंने बयान पर सफाई देते हुए कहा था कि पीएम मोदी लोगों और राजनीतिक पार्टियों को डरा रहे हैं। मैंने कभी नहीं कहा कि वह आतंकवादी हैं।

इंटरनेट कॉलिंग के जरिए हुई 15 करोड़ की बैंक डकैती

नेपाल में बैठा आका दे रहा था निर्देश

सिंगरौली (स्वतंत्र मत)

बैढ़न में 17 अप्रैल को बैंक आफ महाराष्ट्र में हुई 15 करोड़ रुपये की डकैती का नेपाल कनेक्शन सामने आया है। पुलिस जांच में पता चला कि इस वारदात का मास्टरमाइंड नेपाल में बैठकर गिरोह को निर्देश दे रहा था। यह विदेशी हैंडलर इंटरनेट कालिंग के जरिये बदमाशों के संपर्क में था। पुलिस के हत्थे चढ़े आरोपित कमलेश कुमार ने पूछताछ में बताया कि गैंग के सदस्य एक-दूसरे को अच्छी तरह नहीं जानते थे और उन्हें सभी निर्देश नेपाल में बैठे हैंडलर से मिलते थे। डकैती के समय हैंडलर ने ही पांचों को बताया था कि कब क्या करना है। कमलेश ने पुलिस पूछताछ में यह भी बताया कि करीब एक माह पहले मोरवा थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद में तीन आरोपितों ने बदामी देवी का कमरा किराये पर लिया था। वे रोज सुबह से शाम तक रेकी करते और शाम को वापस कमरे पहुंच जाते थे। उन्होंने कई बैंकों की रेकी की लेकिन बैंक आफ महाराष्ट्र में गार्ड न होने के कारण यह डकैती के लिए उपयुक्त लगी, नेपाल में बैठे आका ने इसके लिए 17 अप्रैल का दिन तय किया। उससे पहले घटना में शामिल दो अन्य बदमाश भी सिंगरौली पहुंच गए।

सभी पेशेवर अपराधी

पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सभी सदस्य 18 से 22 वर्ष की उम्र के पेशेवर अपराधी हैं, जो वारदात के बाद लगातार स्थान बदलते रहते हैं। गिरफ्तार आरोपित कमलेश सिंह नालंदा जिले के बाल बिगहा निवासी है, वह हेलमेट पहनकर बैंक में घुसा था। मुख्य आरोपित फंटूश उर्फ ननकी भी बिहार के नालंदा का निवासी है। राजेश कुमार झारखंड के गिरीडीह और पंकज शर्मा पश्चिमी सिंहभूम जिले का रहने वाला है। पांचवें आरोपित छोटू (19) का स्थायी पता अभी नहीं मिला।

बैंक कर्मचारियों पर भी संदेह

पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के अनुसार, फरार आरोपितों की तलाश के लिए 10 विशेष टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। बैंक कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है, ताकि किसी आंतरिक संलिप्तता का पता लगाया जा सके। पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और कॉल रिकॉर्ड्स के जरिए नेपाल में बैठे मुख्य सरगना तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

आतंकवाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : इंद्रेश

नयी दिल्ली (वार्ता) मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने कहा है कि पहलगाम हमले की बरसी इस बार सिर्फ शोक का दिन नहीं रही बल्कि यह दिन एक साफ संदेश बनकर उभरा कि आतंकवाद अब किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इंद्रेश कुमार ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर कोई अस्थायी कदम नहीं, बल्कि आतंकवाद के खात्मे तक चलने वाला मिशन है।

रणनीतिक रक्षा साझेदारी और मजबूत बनायेंगे भारत और जर्मनी

रक्षा सहयोग के रोडमैप पर हस्ताक्षर

नयी दिल्ली (वार्ता)

भारत और जर्मनी ने रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए रक्षा और सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बुधवार को बर्लिन में विस्तार से चर्चा की और रक्षा औद्योगिक सहयोग रोड़मैप पर हस्ताक्षर किये। जर्मनी की तीन दिन की यात्रा पर गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी के अपने समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने रक्षा एवं सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। विशेष रूप से रक्षा उपकरणों के सह-विकास और सह-उत्पादन के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों यानी कि विशेषकर उन्नत एवं विशिष्ट प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके साथ ही, दोनों मंत्रियों ने सैन्य सहयोग को रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पाकिस्तान को मिल रही वैश्विक स्वीकार्यता चिंताजनक : कांग्रेस

नयी दिल्ली (वार्ता) कांग्रेस ने एक साल पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में जान गवांने वाले निर्दोष नागरिकों को याद करते हुए नमन किया है और कहा है कि इस हमले के गुनाहगार आतंकवादियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान को आज वैश्विक स्वीकार्यता मिलना चिंताजनक है और यह स्पष्ट रूप से हमारी सरकार की कूटनीतिक विफलता है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, आज 22 अप्रैल का दिन हर भारतीय के लिए गहरे दुख और पीड़ा का दिन रहेगा। ठीक एक वर्ष पहले, पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवादी हमला हुआ था।

भारत आ रहे जहाज पर होर्मुज में हमला

नई दिल्ली

ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दो जहाजों पर हमला कर उन्हें कब्जे में ले लिया है। इन जहाजों को जब्त कर ईरान ले जाया जा रहा है। इनमें से एक जहाज भारत आ रहा था। ईरान के सरकारी टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, इन जहाजों की पहचान एमएससी फ्रांसिस्का और एपामिनोड्स के रूप में की गई है। एमएससी फ्रांसिस्का पर पनामा का झंडा लगा हुआ है जबकि एपामिनोड्स पर लाइबेरिया का झंडा लगा है। जहाज ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, ईरान की ओर से जब्त किया गया जहाज एपामिनोंडास गुजरात के मुंद्रा पोर्ट जा रहा था। ये जहाज दुबई से अपनी यात्रा शुरू कर भारत की ओर आ रहा था कि तभी आईआरजीसी ने इस पर हमला कर अपने कब्जे में ले लिया। भारतीय बंदरगाह की ओर जा रहे जहाज की इस जब्ती ने समुद्री सुरक्षा और सप्लाई चेन को लेकर भारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ईरान की नौसेना ने जारी बयान में कहा कि दो जहाजों एमएससी फ्रांसिस्का और एपामिनोड्स को बिना जरूरी मंजूरी के ऑपरेट किया जा रहा था। इन्होंने नेविगेशन सिस्टम में हेरफेर किया, जिससे समुद्री सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ। उन्हें आईआरजीसी नौसेना ने जब्त कर लिया और ईरान के तट की ओर ले जाया गया है। ये दोनों जहाज फिलहाल ईरान के क्षेत्रीय जल में हैं, जहां उनके सामान, डॉक्यूमेंट्स और संबंधित रिकॉर्ड की जांच की जा रही है।

जब्त कर ईरान ले गई फोर्स

ईरान ने अमेरिका को दी चेतावनी

आईआरजीसी ने वेस्ट एशिया में अमेरिकी तेल कंपनियों और तेल कुओं को निशाना बनाने की धमकी दी है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उनके बुनियादी ढांचे पर हमले किए गए तो वेस्ट एशिया में अमेरिकी स्वामित्व वाले जितने भी तेल के कुएं हैं, उन्हें तबाह कर दिया जाएगा। ईरान ने साफ कर दिया है कि वो अमेरिकी मालिकाना हक वाली सभी अमेरिकी तेल कंपनियों पर चुन-चुनकर हमला करेगा। इससे पहले होर्मुज में ईरानी जलक्षेत्र के पास तीन मालवाहक जहाजों पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी।

गनबोट ने अचानक चलाई गोलियां

रिपोर्ट के अनुसार, हमला करने से पहले आईआरजीसी से जुड़ी एक गनबोट ने अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। चौंकाने वाली बात ये है कि जहाजों के पास ट्रांजिट परमिशन थी, लेकिन हमलावरों ने फायरिंग से पहले कोई रेडियो संचार या चेतावनी नहीं दी। बता दें कि एक दिन पहले ही अमेरिका ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पाकिस्तान यात्रा को स्थगित कर दिया था। ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के सीजफायर को दो हफ्ते के लिए बढ़ा दिया था। यह घटनाक्रम वेस्ट एशिया में तनाव को दर्शाता है।

जांच में 141 दवाओं के सैंपल फेल

नई दिल्ली

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की जांच में देश में बनी 141 दवाओं के सैंपल फेल हो गए हैं। इनमें 46 दवाएं हिमाचल प्रदेश के बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़, कालाअब, ऊना, सोलन में बनी हैं। जिन दवाओं के सैंपल फेल हुए हैं, उनमें ज्यादातर दवाएं सिर दर्द, पेट दर्द, बीपी, शुगर, अल्सर, विभिन्न संक्रामक बीमारियों में इस्तेमाल होती हैं। साथ ही कैंसर और हार्ट रोग जैसी खतरनाक बीमारियों के दवाओं के सैंपल भी फेल पाए गए। ड्रग कंट्रोलर ने संबंधित कंपनियों को नोटिस जारी कर स्टॉक वापस मंगवाने के आदेश जारी कर दिए हैं।

भाजपा की जन आक्रोश महिला पदयात्रा में कॉलेज छात्राओं की मौजूदगी पर बवाल

कन्या महाविद्यालय शहडोल एवं शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राओं को किसकी अनुमति से बुलाया गया? उठे गंभीर सवाल

शहडोल (स्वतंत्र मत)

भाजपा द्वारा आयोजित जन आक्रोश महिला पदयात्रा अब विवादों में घिरती नजर आ रही है। इस कार्यक्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय और शिवानी पैरामेडिकल कॉलेज की छात्राओं की उपस्थिति ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कॉलेज की छात्राओं को इस राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल करने की अनुमति किसने दी। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में छात्राएं पदयात्रा में शामिल दिखाई दीं, जिससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं उन्हें किसी दबाव या अन्य माध्यम से तो नहीं लाया गया। अभिभावकों और स्थानीय लोगों का कहना है कि कॉलेज के छात्रों को इस तरह के राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल करना न तो शैक्षणिक दृष्टि से उचित है और न ही नियमों के अनुरूप। यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या कॉलेज प्रशासन ने इस कार्यक्रम के लिए कोई आधिकारिक अनुमति दी थी, या फिर बिना जानकारी के ही छात्राओं को इसमें शामिल किया गया। यदि ऐसा हुआ है तो यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि छात्रों के भविष्य और संस्थानों की गरिमा के साथ भी खिलवाड़ है। भाजपा के इस कार्यक्रम में छात्राओं की भागीदारी को लेकर विपक्षी स्वर भी तेज होने लगे हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि राजनीतिक लाभ के लिए छात्रों का इस्तेमाल किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

कॉलेज प्रशासन की भूमिका संदेह के घेरे में

अब निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि बिना अनुमति के छात्राओं को इस कार्यक्रम में शामिल किया गया है, तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।

आर्या पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पुस्तकों का वितरण, अभिभावकों पर कम होगा भार

जयसिंहनगर। शिक्षा जीवन की दिशा को निर्धारित करने में मदद करती है। हाल ही में मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में आर्या पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। जयसिंहनगर स्थित निजी संस्थाओं में आर्या पब्लिक स्कूल अधिकतर लोगों की पसंद है। इसका प्रमुख कारण विद्यालय का बेहतर शैक्षणिक स्टाफ, प्रबंधन और विद्यालयीन क्रियाकलाप हैं। छात्र-छात्राओं की मांग और पालकों की आर्थिक स्थिति पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस वर्ष आर्या पब्लिक स्कूल के चेयरमैन ध्रुव सेन सिंह चौहान ने अभिभावकों के शैक्षणिक बोझ को कम करने के लिए उनके हित में बड़ा फैसला लिया है। विद्यालय में नव प्रवेशित एवं पूर्व अध्ययनरत सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय के चेयरमैन द्वारा नि:शुल्क पुस्तकों का वितरण किया जा रहा है। जिसकी शुरुआत चेयरमैन ध्रुव सेन सिंह चौहान एवं संचालिका मधुलिका सिंह द्वारा की गयी है। इस नई शुरुआत से अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। अभिभावकों का कहना है कि इससे हमें अपने बच्चों को पढ़ाने में सहूलियत होगी, क्योंकि अधिकतर अभिभावकों का मानना है कि निजी संस्थाओं में पढ़ाने के लिए किताबें खरीदना अभिभावकों के लिए टेढ़ी खीर साबित होती है। हालांकि प्राचार्य सूरज अग्निहोत्री के अनुसार नवीन प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या में इज़ाफ़ा हुआ है। अभिभावकों द्वारा विद्यालय के चेयरमैन ध्रुव सेन सिंह चौहान एवं संचालिका मधुलिका सिंह का इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए बेहतर शिक्षा की उम्मीद जताई है।

दर्जनों सीसीटीवी कैमरों की निगरानी, आबकारी विभाग, पुलिस चेकिंग के बावजूद मुख्यालय समेत गांव-गांव पहुंच रही अवैध शराब की खेप

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में आस्था, शांति और विश्वास की नगरी। जहां हर सुबह मां नर्मदा के जयकारों से होती है। जहां दूर-दूर से लोग इस पवित्र धारा के दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन इन दिनों इसी पवित्र नगरी से एक ऐसी तस्वीर सामने आ रही है। जो न सिर्फ हैरान करती है, बल्कि कई बड़े सवाल भी खड़े करती है। बता दें कि कभी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने साफ कहा था कि नर्मदा किनारे से 5 किलोमीटर के दायरे में शराब पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। मकसद साफ था, आस्था की पवित्रता बनी रहे, मां नर्मदा का सम्मान सुरक्षित रहे ।लेकिन आज वो फैसला, वो घोषणा सिर्फ फाइलों और कागजों में सिमट कर रह गई है। जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। दरअसल इन दिनों डिंडौरी जिले शराब कारोबारियों द्वारा घर-घर अवैध शराब परोसने का कार्य किया जा रहा है। इसके लिये उन्होने बकायदा गांव-कस्बों तक मे अपने पता ठिकाने खोल दिए हैं। मामला जिम्मेदारों के संज्ञान में भी है बावजूद इसके शराब विक्रेताओं पर कार्यवाही नहीं की जा रही है। प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं नतीजतन शराब विक्रेता भी बेखौफ हो इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी मुताबिक जिले में शासन द्वारा देशी-विदेशी शराब की पांच दुकाने गाड़ासरई, करंजिया,समनापुर, शहपुरा में स्वीकृत की गईं हैं। लेकिन ठेकेदार

ठेके की लागत की भरपाई के लिये इन स्वीकृत दुकानों से महंगे दामो में शराब बेंचने के आरोप भी आए दिन लगते हो रहते हैं। जबकि शासन के नियमानुसार बोतल में छपी एम आर पी और एम एस पी के मध्य या दर्शाई गई दरों पर विक्रय की जा सकती है। ऐसी स्थिति में ठेकेदार का ठेका तक रद्द किया जा सकता है। लेकिन लगता है जिले में शासन के बनाये नियम कायदे लागू नहीं होते। गौरतलब यह है कि शराब के कारोबार को कारोबारियों द्वारा बड़े ही शातिर तरीके से जिला मुख्यालय में ठेकेदार के गुर्गों के द्वारा बिना नंबर की स्कूटी, मोटरसाइकिल से बैगों भरकर खुलेआम शराब की खेप ठिकानों तक पहुंचाई जा रही है। इसके लिये बाकायदा आदमी लगा रखे हैं, जो मारुति वाहन या बोलेरो वाहन, के माध्यम से गांव कस्बों तक बेहद आसानी से शराब पहुंचाने का कार्य करते हैं। जिले मे शायद ही ऐसे कोई गांव कस्बे होंगे जहां शराब की खेप न पहुंच रही हो। बावजूद जिमेदार और जवाबदार चुप्पी साधे हुए हैं। कागजी खाना पूर्ति में उलझा विभाग यदि संबंधित विभाग की बात की जाये तो वह सिर्फ और सिर्फ कागजी खाना पूर्ति तक ही सीमित है। ऐसे में मजबूर हो अनेकों दफा जानकारी प्राप्त होने पर आबकारी विभाग, और पुलिस द्वारा कागजी खानापूर्ति कर दी जाती है। छोटे मोटे प्रकरण बना दिये जाते हैं। अभी ताजा मामला विगत दिनों की है जहां समनापुर शराब दुकान से शराब की खेप जिला मुख्यालय लाने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें जागरूक ग्रामीणों के द्वारा विगत दिनों अवैध शराब का खेप पकड़ा गया है जिसमें बिना नंबर की स्कूटी वहां पर एक लड़का बैग में शराब की सैकड़ो बोतल रखा हुआ है ग्रामीणों के द्वारा पहुंचने पर अपना नाम बताते हुए अपने सेठ का नाम बता रहा है।

कलेक्टर ने विद्यालयों के संचालन समय में किया परिवर्तन

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले में बढ़ते ग्रीष्म ऋतु के प्रभाव से तापमान में वृद्धि होने के कारण विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आंशका को दृष्टिगत रखते हुये विद्यालयों के सचालन समय मे परिवर्तन संबंधी आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश में छात्र-छात्राओं के हित में शहडोल जिले में संचालित समस्त शासकीय, अशासकीय,केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, सी.बी.एस.ई. आई.सी.एस.ई. प्राथमिक,माध्यमिक विद्यालय हाई स्कूल/हायर सेकेण्ड्री विद्यालयो का संचालन 23 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रात: 7: 30 बजे से 11: 30 बजे तक निर्धारित किया है। शैक्षणिक स्टॉफ 01:30 बजे तक संस्था में उपस्थित रहेगें तथा अपने निर्धारित दायित्वों के अनुसार कार्य संपादित करेगें। परीक्षाओं का संचालन निर्धारित समय सारणी अनुसार होगा। मूल्यांकन एवं परीक्षा संबंधी अन्य कार्य अपने यथावत समय पर संपादित होगें।

एक तरफा प्यार मे युवक ने काटा अपना गला

उमरिया (स्वतंत्र मत)

इंदवार थाना क्षेत्र में मंगलवार 21 अप्रैल की देर शाम एक सनसनीखेज घटना सामने आईएजहाँ एकतरफा प्रेम में पड़े युवक ने खुद पर ही जानलेवा हमला कर लिया।घायल युवक का नाम अनुज बर्मन बताया जा रहा हैएजिसे गंभीर हालत में बरही अस्पताल में भर्ती कराया गया थाएबाद में गम्भीर हालत होने की वजह से कटनी अस्पताल रेफर किया गया है।मां सुख्खी बाई बर्मनएनिवासी ग्राम बडछड़ ने बताया कि घायल पुत्र गांव की एक लड़की से एकतरफा प्रेम करता थाएऔर शादी की जिद पर अड़ा था।इसी बात से व्यथित होकर बेटे ने आत्महत्या का प्रयास किया हैएइससे पहले भी पुत्र अनुज ने आत्महत्या की कोशिश की थी।घटना दिनांक मंगलवार की शाम करीब 7रू30 बजे अनुज ने फिर शादी को लेकर जिद की थी।मां द्वारा डांटने पर वह गुस्से में घर से निकलकर खेत पहुंचा और ब्लेड से अपने ही गले पर वार कर लिया।पहले ये मामला चाकू बाजी से जुड़ा हुआ सामने आया थाएपरन्तु मां के कथन के बाद पूरी घटना की तस्वीर ही बदल गई है।हालांकि इंदवार पुलिस पूरे मामले की सूक्ष्मता से जांच कर रही है।

नियम बदल गए, कहकर जांच से इनकार! डिंडौरी जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी पर रोक

तीन बार जगह अब एक बार होगा सोनोग्राफी, गर्भवती महिलाएं परेशान

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर लापरवाही के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। मरीजों और उनके परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में समय पर डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहते और मरीजों के साथ व्यवहार भी संतोषजनक नहीं है। इसके अलावा साफ-सफाई और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं में भी खामियां लगातार उजागर हो रही हैं। इसी बीच अब गर्भवती महिलाओं की जांच को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पहले जिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं की तीन चरणों में सोनोग्राफी की जाती थी-पहली 3 माह, दूसरी 6 माह और तीसरी 9वें महीने में-ताकि प्रसव से पहले किसी भी प्रकार की जटिलता का समय रहते पता लगाया जा सके।

लेकिन अब अस्पताल में पदस्थ डॉक्टरों द्वारा यह कहकर सोनोग्राफी करने से मना किया जा रहा है कि नियम बदल गए हैं और अब केवल एक बार ही सोनोग्राफी की जाएगी। इतना ही नहीं, कई मामलों में गर्भवती महिलाओं को यह कहकर लौटा दिया जा रहा है कि यदि जरूरी हो तो वे बाहर निजी सेंटर में जाकर सोनोग्राफी करा लें।

चौंकाने वाली बात यह है कि जिन महिलाओं को पहले 9वें महीने में सोनोग्राफी के लिए बुलाया गया था, उन्हें अब यह कहकर मना किया जा रहा है कि उनकी जांच पहले ही हो चुकी है। इस कारण गर्भवती महिलाओं में चिंता का माहौल है, क्योंकि उन्हें यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि उनकी डिलीवरी सामान्य होगी या किसी प्रकार की जटिलता हो सकती है। इससे प्रसव के समय जोखिम बढ़ने की आशंका जताई जा रही है।

मामले को लेकर जब जिला अस्पताल के सीएमएचओ मनोज पांडे से फोन पर चर्चा की गई, तो उन्होंने स्पष्ट जानकारी देने के बजाय आरटीआई लगाने की सलाह दे दी। उनके इस जवाब ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और जिम्मेदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं स्थानीय महिलाओं का कहना है कि महिलाओं जैसे संवेदनशील वर्ग के साथ इस तरह की लापरवाही बेहद चिंताजनक है और प्रशासन को इस पर तत्काल संज्ञान लेकर व्यवस्था में सुधार करना चाहिए।

महिला आरक्षण को लेकर भाजपा महिला मोर्चा की जन आक्रोश पदयात्रा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा के नेतृत्व में बुधवार को जिला मुख्यालय डिण्डोरी में महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर जन आक्रोश पदयात्रा निकाली गई। यह पदयात्रा कॉलेज तिराहा से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग होते हुए भाजपा कार्यालय तक पहुंची। इस दौरान कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया गया। महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष नरवरिया मरकाम ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में हुआ घटनाक्रम केवल संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की आधी आबादी के अधिकारों से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला विरोधी गठबंधन ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को प्रभावी बनाने वाले 131वें संविधान संशोधन विधेयक को रोककर अपनी वास्तविक मानसिकता उजागर कर दी है। पूर्व जिला मंत्री कीर्ति गुप्ता ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसे राजनीतिक स्वार्थों के चलते बाधित किया गया। उन्होंने इसे लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी को टालने का प्रयास बताया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम, जिला महामंत्री सुधीरदत्त तिवारी, जिला उपाध्यक्ष, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष धनेश धनंजय, नगर परिषद अध्यक्ष सुनीता सारस, जिला पंचायत सदस्य हीरा परस्ते, कुंवरिया मरावी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान दीपिका भारद्वाज, नीलू जैन, भागीरथ उरैती, क्रांति धुर्वे, कान्हा शर्मा, मिथिलेश मिश्रा, नेहा मिश्रा, सरोज तिवारी, तारा भवेदी, विनीता ठाकुर, सुमन बनवासी सहित अनेक महिलाओं ने भाग लेकर विरोध जताया।

संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक 25 अप्रैल को

शहडोल। कमिश्नर सुरभि गुप्ता की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय के अमरकंटक सभागार में 25 अप्रैल 2026 को प्रात 11 बजे से आयोजित की जाएगी। बैठक में किसान कल्याण विभाग एवं कृषि विकास विभाग, नगरीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, सुशासन, महिला एवं बाल विकास, पंचायत विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

सुभाष ठाकुर को पीएचडी की उपाधि

डिंडौरी (स्वतंत्र मत) मेकलसुता महाविद्यालय डिंडौरी के सहायक प्राध्यापक सुभाष ठाकुर को पीएचडी की उपाधि प्राप्त हुई है। उन्होंने च्हायर सेकेंडरी के छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभावज्ञ विषय पर अपना शोध कार्य पूर्ण किया। यह शोध कार्य उन्होंने शासकीय पटेल विश्वविद्यालय, बालाघाट के शिक्षा संकाय में डॉ. सुनील कुमार जैन के निर्देशन में संपन्न किया। सुभाष ठाकुर ग्राम पंचायत रामगढ़, विकासखंड अमरपुर के निवासी हैं। वे ताम सिंह ठाकुर एवं श्रीमती नरबदिया ठाकुर के सुपुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि पर बड़े भ्राता पुरूषोत्तम ठाकुर सहित महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। महाविद्यालय के संचालक इंजी. अनुराग बिलैया, रजिस्ट्रार डॉ. प्रदीप द्विवेदी, प्राचार्य डॉ. बी.एल. द्विवेदी, उपप्राचार्य डॉ. बालस्वरूप द्विवेदी, डॉ. निरंजन सिंह पटेल तथा धर्मपत्नी डॉ. वंदना ठाकुर सहित परिजनों, इष्ट मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम जागेश्वर प्रसाद कुशराम, पिता रघुनाथ, जाति भारिया, निवासी पोस्ट/तहसील समनापुर अंकित है, जो कि त्रुटिवश गलत है। जबकि मेरा सही नाम जागेश्वर है। अत: भविष्य में मैं जागेश्वर नाम से ही जाना जाऊँगा तथा मेरे सभी शासकीय एवं अशासकीय अभिलेखों में यही नाम मान्य होगा।

आवेदक
जागेश्वर

कैडर रिव्यू में देरी से ओवरएज हुए पुलिस अधिकारी

नहीं मिला प्रमोशन, कैट ने केंद्र व राज्य सरकार से मांगा जवाब

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) जबलपुर खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए केंद्र और राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। अधिकरण ने 1998 बैच के तीन राज्य पुलिस अधिकारियों द्वारा दायर मूल आवेदन पर सुनवाई करते हुए उन्हें अंतरिम राहत प्रदान की है। दअसल आवेदकों ने याचिका में कहा था कि 56 वर्ष की आयु सीमा पार करने के बावजूद उनके भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएम) में अभ्यर्थित्व पर विचार किया जाए। उनका आरोप है कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा हर पांच वर्ष में किए जाने वाले अनिवार्य कैडर रिव्यू में गंभीर देरी की गई। याचिका के अनुसार कैडर रिव्यू वर्ष 2018 में होना था, लेकिन इसे 2022 में चार साल की देरी से किया गया। इस देरी के

कारण आवेदक निर्धारित आयु सीमा पार कर गए, जिससे उनके वैधानिक अधिकार प्रभावित हुए।

न्यायालय से राहत की मांग

आवेदकों का तर्क है कि वे 26-27 वर्षों की सेवा पूरी कर चुके हैं और नियमानुसार आईपीएस में चयन के पात्र हैं, लेकिन प्रशासनिक देरी के चलते उन्हें अवसर नहीं मिल सका। उनका कहना है कि यदि समय पर कैडर रिव्यू होता, तो वे आयु सीमा के भीतर चयन प्रक्रिया में शामिल हो सकते थे।

मामले में आवेदकों की ओर से अधिवक्ता पंकज दुबे और अक्षय खंडेलवाल ने पक्ष रखते हुए दलील दी कि सरकारी तंत्र की देरी का खामियाजा अधिकारियों को नहीं भुगतना चाहिए। उन्होंने इसे प्रशासनिक विफलता बताते हुए न्यायालय से राहत की मांग की। कैट ने प्रथम दृष्टया मामले को आवेदकों के पक्ष में मानते हुए यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए हैं और केंद्र व राज्य सरकार से जवाब तलब किया है। इस आदेश को आवेदकों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। इधर कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला प्रशासनिक देरी से जुड़े मामलों में एक महत्वपूर्ण मिसाल बन सकता है, जिससे भविष्य में ऐसे मामलों में जवाबदेही तय करना आसान होगा।

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में 93वां वार्षिक उत्सव और स्वर्ण पदक वितरण समारोह आज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में आज 93वां वार्षिक उत्सव एवं स्वर्ण पदक वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस गरिमामय कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राजेश वर्मा (कुलगुरु, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर) उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में सुननेना पटेरिया (सभापति, हितकारिणी सभा) एवं पं नित्य निरंजन खंपरिया की विशिष्ट उपस्थिति रहेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. केके हुंका शामिल रहेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हर्ष जैन (अध्यक्ष, हितकारिणी महिला महाविद्यालय) करेंगे।

मेधावी छात्राएं होंगी सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की मेधावी छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समारोह के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एड. अशोक गुप्ता (उपसभापति, हितकारिणी सभा) उपस्थित रहेंगे। उनके साथ मुकुल खंपरिया (उपसभापति, हितकारिणी सभा) एवं नमन अग्रवाल (संयुक्त सचिव हितकारिणी सभा) की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. नीलेश पाण्डेय एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. सुनीता बजाज ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं छात्राओं से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है।

सड़क किनारे खड़े युवकों को तेज रफ्तार कार ने रौंदा, 2 की मौत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एक तेज रफ्तार कार ने बुधवार रात चौराहे पर खड़े बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 2 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक धनवंतरी चौक पर बुधवार रात करीब 12.30 बजे कुछ युवक अपनी बाइक के पास खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान गढ़ा की ओर से तेज रफ्तार में आई सफेद कार ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। इस घटना की सूचना मिलते ही धनवंतरी नगर और गढ़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। आरोपी चालक को हिरासत में लेकर मेडिकल परीक्षण कराया गया, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई है।

नशे में धुत था चालक

घटना के प्रत्यक्षदर्शी भानू दीक्षित के अनुसार, कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि लोगों को संभलने का मौका ही नहीं मिला। कुछ युवक भागकर बच गए, लेकिन चार युवक कार की चपेट में आ गए।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर के बाद भी कार नहीं रुकी और करीब 50 मीटर तक आगे बढ़ती रही। इसके बाद वह एक दीवार से टकराकर रुकी। इस दौरान चौराहे पर खड़े चार युवक और उनकी बाइक कार की चपेट में आ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने चालक को पकड़ लिया। लोगों के अनुसार वह शराब के नशे में इतना धुत था कि ठीक से बात भी नहीं कर पा रहा था। पूछताछ में उसने बताया कि कार कठुंदा निवासी अरविंद चौधरी की है और वह बुकिंग में गाड़ी चलाता है। घटना के समय वह शराब पीकर घर लौट रहा था।

शादी में शामिल होने गए थे युवक

पुलिस के मुताबिक मृतक गणेश प्रसाद कुमार निवासी अधारताल महाराजपुर अपने बेटे शुभम के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने धनवंतरी नगर आया था। खुशियों के माहौल के बीच वे प्यास लगने पर सड़क किनारे पानी लेने के लिए रुके थे। जैसे ही वे खड़े हुए सामने से आ रही एक तेज रफ्तार सफेद रंग की कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। वहीं घटना की चश्मदीद शमा खान ने बताया कि वह अपने बच्चों के साथ पास ही खड़ी थीं। उन्होंने बताया कि एक तेज रफ्तार कार आई और देखते ही देखते तीन बार पलटी खा गई। 2 गाड़ियां कार के नीचे पूरी तरह दब गई थीं। इस मामले में पुलिस का कहना है कि लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए एक चार पहिया वाहन ने तीन गाड़ियों को टक्कर मारी है।

हादसे में दो की मौत हुई है और एक घायल है। आरोपी चालक किशन चौधरी निवासी कठोन्दा को हिरासत में लेकर उसका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। कार अरविंद चौधरी के नाम पर पंजीकृत है। जिसे क्रेन की मदद से थाने पहुंचाया गया है और आगे जांच की जा रही है। वहीं घायल हुए शुभम कुमार को तुरंत एंबुलेंस की मदद से मेडिकल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

रेल फाटक बंद होने से सिहोरवासियों में आक्रोश

सिहोरा (स्वतंत्र मत)।

सिहोरा मंझगवा खितौला रोड़ में बने समपार पाटक 336 किमी 1029/22-24 को सडक यातायात के लिए 23 अप्रैल गुरुवार से स्थाई रूप से बंद करने के आदेश ने क्षेत्रीय जनों के लिए एक नई समस्या खड़ी कर दी यह समस्या अब खितौला बस्ती की न होकर सम्पूर्ण सिहोरा खितौला वासियों की समस्या बन गई है तथा इसी ने सभी को एक जुट भी कर दिया।

शहपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मनाया गया वर्ल्ड अर्थ डे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा में एसडीएम एम एम रघुवंशी के मार्गदर्शन में वर्ल्ड अर्थ डे का आयोजन किया गया। जिसका थीम हमारी शक्ति हमारा ग्रह था। जिसके अंतर्गत वर्ल्ड अर्थ डे में सभी कर्मचारियों ने शपथ ली। जिसमें कार्बन फुटप्रिंट यानी हमारी गतिविधियों से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करना ग्लोबल वार्मिंग को कम करने के लिए में जागरूक रहना, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कार्य नहीं करना। पानी की बचत के लिए मैं घर में टपकती नल को ठीक करने, पानी की बचत के लिए बाल्टी से

नहाना, सावर का कम से कम उपयोग करने, सेविंग एवं सौंदर्य प्रसाधन के लिए के लिए एक मग पानी का उपयोग करने, आरो के बेस्ट वाटर को रीसायकल कर उपयोग में आदि। कार्यक्रम साल में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने, ऐसे पौधे जो ज्यादा शुद्ध हवा देते हैं उनके प्रति लोगों को जागरूक करने, ज्यादा ऑक्सीजन देने वाले पौधे जैसे स्नेक प्लांट, पीस लिली, एरिका पाम, एलोवेरा , स्पाइडर प्लांट, नीम, पीपल आदि को प्रमोट करने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने, इको फ्रेंडली प्रोडक्ट का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने, रीसाइकिलेबल प्रोडक्ट का उपयोग करके कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की सभी कमचारियों द्वारा शपथ ली गई।

कार्यक्रम में डॉ जितेंद्र सिंह, डॉ अमित जैन, संतोष डहरिया, दिलराज झरिया, बीईई बी एस चौहान, प्रिंस शुक्ला, ममता सिस्टर, राकेश देवगढ़े, आकांक्षा साहू, देवेंद्र चादर, प्रीति लोधी, राकेश वर्मा, दिनेश गोस्वामी, समाजसेवी राजेंद्र बंधु जैन आदि उपस्थित रहे।

चंचलबाई कॉलेज में नारी शक्तियां हुई सम्मानित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सीपी गर्ल्स कॉलेज (चंचल बाई महिला महाविद्यालय) में गत दिवस महिला सशक्तिकरण एवं नारी शक्ति वंदन पखवाडा के अंतर्गत विशेष समारोह आयोजित किया गया। जिसमें व्याख्यान के साथ- साथ महाविद्यालय क़ी पूर्व छात्रा डॉ.रेणु तिवारी पांडेय प्रशिक्षक, बाल भवन जबलपुर संभाग, सीमा ढल भसीन, वरिष्ठ व्याख्याता एमएलबी स्कूल एवं निवेदिता यादव, खेल प्रशिक्षक का महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. वंदना पाण्डेय ने मोती माला, महाविद्यालय की स्मारिका प्रेरणाएवं स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मान किया। वक्ताओं ने अपने उदबोधन में कहा कि आज महिलाओं का जीवन अपेक्षाकृत अधिक सुगम है। अनुशासन, आत्मविश्वास और कर्तव्यनिष्ठा ही सफलता का मूलमंत्र है तथा व्यक्ति का व्यक्तित्व एवं उसके श्रेष्ठ कार्य ही उसे विशेष बनाते हैं अत: हम श्रेष्ठता की दिशा में ही प्रयास करें। इस अवसर पर छात्रा कु.अर्चना उपाध्याय, शालिनी यादव, प्रीति पटेल ने स्वागत गीत एवं नारी में है एक चिंगारी गान की सुंदर प्रस्तुति दी। शिवानी रजक ने स्वलिखित कविता का वाचन किया तथा मुस्कान नेखर ने महिला सशक्तिकरण विषय पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन पूर्णिमा सोनी ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुनीता खरे, कु. दुर्गेश, श्री चमन का विशेष सहयोग रहा।

बिना अनुमति के चल रहा था पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर प्लांट

खाद्य सुरक्षा की टीम ने कार्यवाही कर निरस्त किया लाइसेंस

जबलपुर।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार विजयनगर स्थित एक पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर प्लांट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बिना उचित अनुमति के पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का उत्पादन करने वाले इस प्लांट का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आज बुधवार को एसबीआई कॉलोनी, उखरी रोड, विजयनगर स्थित एक्वा ब्लू वाटर सप्लाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रतिष्ठान में पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर का उत्पादन बिना अनुमति के किया जा रहा था। प्रतिष्ठान के पास खाद्य पंजीयन तो है, लेकिन यह खाद्य पदार्थों के विक्रय प्रतिष्ठान के प्रकार का है। इस पंजीयन से खाद्य या पेय पदार्थों के निर्माण की अनुमति नहीं है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी के मुताबिक भारत सरकार के 17 सितम्बर 2025 के आदेश के तहत पैकेटबंद पेयजल और मिनरल वाटर का निर्धारित प्रक्रिया से परीक्षण कराना अनिवार्य है, जिसका अनुपालन भी प्लांट संचालक द्वारा नहीं किया गया था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी एवं पंजीयन प्राधिकारी देवेंद्र कुमार दुबे ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 की धारा 31 के अंतर्गत उपयुक्त अनुमति के अभाव तथा निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन नहीं किये जाने पर एक्वा ब्लू वाटर सप्लाई प्लांट का खाद्य पंजीयन तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान प्रतिष्ठान से खाद्य कारोबार का संचालन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

समाज का मार्गदर्शन करता है साहित्य : संगीतमय प्रस्तुति के साथ हुआ कृति विमोचन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। प्रसंग अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था द्वारा अपने सफल 33 वर्षों की श्रृंखला में 509 वां आयोजन अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण को शहीद स्मारक रंगमंच, में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में साहित्यकारों, कलाकारों एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। अवसर था स्मृतिशेष राजकुमारी रांधेलिया की कृति ओस की बूंद तथा अर्चना मलैया की कृति बस, इतनी सी बात !! के विमोचन समारोह का जिसके मुख्य अतिथि डॉ.अखिलेश गुमास्ता, अध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे एवं विशिष्ट अतिथि डॉ बैजनाथ गौतम के करकमलों द्वारा किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. अखिलेश गुमास्ता ने कहा साहित्य समाज का मार्गदर्शन करता है। अध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे ने कृतिकारों की सृजनशीलता की सराहना की। समारोह में समालोचक डॉ. इला घोष एवं डॉ.अनामिका तिवारी ने कृतियों की समीक्षा की। इसके साथ ही डॉ. बैजनाथ गौतम एवं डॉ. विमला चौधरी ने

भी अपने विचार रखे। तथा मंगल भाव अशोक मनोध्याय संयोजक श्री रामलीला समिति गढ़ा द्वारा प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना डॉ. रानू रूही एवं गणेश वंदना नृत्य स्वाति परेश मोदी तिवारी के निर्देशन में श्रींम कथक पीठ के कला साधकों द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का स्वागत डॉ मकबूल अली, डॉ विनोद बाजपेई द्वारा किया गया द्वितीय चरण में संगीतमय प्रस्तुति के अंतर्गत श्रीमती नित्या मलैया जैन (गाजियाबाद) ने कृष्ण लीला नृत्य की प्रस्तुति दी तथा स्व. श्रीमती राजकुमारी रांधेलिया के गीतों की संगीतमय प्रस्तुति डॉ. शिप्रा सुल्हेरे एवं सहयोगी कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

समारोह में हिंदी लेखिका संघ म.प्र, समरसता सेवा संगठन, श्री रामलीला समिति गढ़ा, बिजन जबलपुर, शब्दरथ, साहित्य संसार, काव्य कलश, सजल इकाई जबलपुर, दिगंबर जैन महिला परिषद, लोकधारा, गुंजन कला सदन, अंतस, त्रिवेणी परिषद, विविधा साहित्य कला अकादमी संस्था व्यंगम, हम सब, साइन सेवा समिति सिविल लाइन, मिलन के प्रतिनिधियों में, हास्य सम्राट के के नायकर, डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी आदि की सहभागिता रही। समारोह का संचालन प्रसंग अंतरराष्ट्रीय मंच के संस्थापक वरिष्ठ साहित्यकार इंजीनियर विनोद नयन ने किया। समन्वय डॉ.विनीता पांडेय विनीत का रहा और अंत में आभार प्रदर्शन सुश्री सौम्या रांधेलिया द्वारा किया गया।

गौशाला प्रांगण में निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

अक्षय तृतीया के अवसर पर उड़ान वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा कटंगी स्थित गौशाला परिसर में 12 जरूरतमंद कन्याओं का सामूहिक विवाह अत्यंत भव्य एवं वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न कराया गया। संस्था की अध्यक्ष प्रीति गुप्ता के नेतृत्व में हुआ यह आयोजन केवल एक विवाह समारोह नहीं, बल्कि बेटियों को सम्मान, सुरक्षा और उज्जवल भविष्य देने की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम साबित हुआ। संस्था अध्यक्ष प्रीति गुप्ता ने बताया कि उनका सपना है कि हर बेटी को शिक्षा, संस्कार और सम्मान के साथ जीवन में आगे बढ़ने का अवसर मिले तथा उनके विवाह में किसी भी प्रकार की बाधा न आए। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए इस सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। सभी रस्में वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुईं। गायत्री परिवार से आए विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार किया गया। मोहन धाम से पधारे त्रिलोकी बाबा एवं अन्य संतों ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया। संस्था द्वारा सभी 12 नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन की शुरुआत हेतु आवश्यक सामग्री प्रदान की गई, जिसमें अलमारी, कलर टीवी, पलंग, गद्दा-तकियाआदि शामिल रहे। कार्यक्रम में पाटन विधायक एवं पूर्व मंत्री अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ललित कुमार गालों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रवि पटेल, संजय बजाज, अनुराग जैन गढ़वाल, इंद्रभान गुप्ता आदि का योगदान रहा।

अपार्टमेंट के सामने से हटा अतिक्रमण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सुगम यातायात सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा अवैध निर्माणों के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जा रही है। इसी क्रम में आज संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला के वार्ड नं. 66 के अंतर्गत कजरवारा रोड पर एक प्रभावी कार्रवाई की गई। कजरवारा रोड, सविता एवेन्यू ग्रीन अपार्टमेंट के सामने, बिल्डर अनिल मिश्रा द्वारा मुख्य मार्ग के 'फ्रंट मॉस' पर बिना अनुमति निर्मित 2 दुकानों को ध्वस्त किया गया। सविता एवेन्यू ग्रीन अपार्टमेंट के सामने फ्रंट मार्जिन की जगह पर बिल्डर द्वारा व्यावसायिक दुकानों का निर्माण कर लिया गया था, जो नगर निगम के मानचित्र और भवन अनुज्ञा नियमों के विरुद्ध था। विभाग द्वारा नोटिस दिए जाने के उपरांत, टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए इन अवैध संरचनाओं को हटा दिया।

आग उगल रहे सूर्य देव बाजारों में पसरा सन्नाटा

जिले में भीषण गर्मी से बढ़ी डिहाइड्रेशन की शिकायतें

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

संस्कारधानी इन दिनों भीषण गर्मी और लू चपेट में है। सुबह से ही सूर्यदेव के कड़े तेवर देखने को मिल रहे है , जिसने शहरवासियों को पसीने से तर-बतर कर दिया। दोपहर होते-होते सड़कें सूनी नजर आने लगीं और गर्म हवाओं के थपेड़ों ने लोगों का घर से निकलना मुहाल कर दिया। शहर का अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वंही न्यूनतम तापमान भी 25.4 रहा। भीषण गर्मी का सबसे ज्यादा असर दैनिक मजदूरों, राहगीरों और स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। लोग खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए गन्ने का रस, नींबू पानी और मटके के पानी का सहारा ले रहे हैं।

अस्पतालों में बढ़ रहे मरीज

इधर गर्मी को देखते हुए बाजारों में सन्नाटा पसरा है और व्यापारिक गतिविधियों पर भी इसका सीधा असर देखा जा रहा है। अस्पतालों में भी डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मौसम विभाग की मानें तो राहत के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे हैं। कल भी जबलपुर का मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में 1 से 2 डिग्री की और बढ़ोतरी होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी गर्म हवाओं के चलते लू का प्रभाव और गहरा सकता है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलें।

बालाघाट की 23 पंचायतें आज भी 'उधार की बिजली' पर निर्भर

बिजली की समस्या से गढ़ी क्षेत्र की सवा लाख की आबादी 38 वर्षों से हो रही परेशान

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट मुख्यालय से 100 किलोमीटर दूर गढ़ी उप-तहसील की दूरी केवल सड़क की नहीं, बल्कि विकास और अभाव के बीच की गहरी खाई बन चुकी है। 23 पंचायतों और 70 गांवों में बसने वाली सवा लाख आबादी आज भी अपनी रातें रोशन करने के लिए मंडला जिले पर निर्भर है। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के कोर और बफर जोन में बसे इस आदिवासी क्षेत्र में प्राकृतिक सुंदरता तो है, लेकिन बुनियादी सुविधाओं का अभाव साफ नजर आता है। शासन की योजनाएं जैसे-तैसे यहां तक पहुंचती हैं, मगर बिजली व्यवस्था आज भी अधूरी कहानी बनी हुई है। दिन में बिजली का आना-जाना 'आंख-मिचौली' जैसा है। हालात ऐसे हैं कि तार मंडला से जुड़े हैं और जिम्मेदारी बालाघाट की बीच में पिस रही है आम जनता। आधुनिक दौर में भी गढ़ी के लोग 'उधार की रोशनी' में जिंदगी जीने को मजबूर हैं।

जानकारी अनुसार, गढ़ी क्षेत्र के रहवासियों को यदि विद्युत व्यवस्था के लिए कनेक्शन की आवश्यकता होती है, तो करीब 33 किलोमीटर बैहर तहसील आने के बाद विद्युत कार्यालय से कनेक्शन तो मिल जाता है, पर जब भी कोई विद्युत संबंधी समस्या या फिर विद्युत कटौती होती है, इसके लिए मंडला जिले के बिछिया विद्युत केंद्र से उन्हें संपर्क करना पड़ता है या फिर 40 किलोमीटर की दूरी तय करना मजबूरी बन जाती है। ऐसी स्थिति बिजली का कभी आना और कभी चले जाना दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है, जो ग्रामीणों के साथ ही क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के लिए भी सिरदर्द बना हुआ है, वे लगातार गढ़ी क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को बालाघाट जिले से सीधे दिए जाने की मांग कर रहे है, लेकिन जिले के जिम्मेदार सांसद, बैहर के विधायक के अलावा बड़े नेता जिनकी पहुंच भोपाल से दिल्ली तक है, इस समस्या को हल करना उचित नहीं समझ रहे है।

यह है समस्या

गढ़ी तक पहुंचने के लिए पहले बैहर व फिर बैहर मार्ग से कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के मुक्की से जंगल के अंदर मार्ग से भैंसानघाट होते हुए पहुंचना पड़ता है और यही एरिया कान्हा का कोर एरिया भी है। ऐसे में कभी मुक्की गेट से लेकर भैंसानघाट होते हुए गढ़ी तक बिजली पहुंचाने के लिए विद्युत खंभे भी लगे थे जो कि सालों पहले निकाल लिए गए थे। अब ऐसा वन्यप्राणियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया है या फिर ये कोई राजनीतिक कारण है, ये बता पाना संभव नहीं है, लेकिन इसी स्थिति के चलते गढ़ी क्षेत्र में मंडला जिले से विद्युत व्यवस्था की पूर्ति वर्तमान समय में भी की जा रही हैं।

शिक्षा और फसल पर असर

वन्यप्राणियों का खौफ और खेती पर मार

गढ़ी ग्राम पंचायत के पंच व इको विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. अमित पाटिल के अनुसार, यह क्षेत्र कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के कोर और बफर जोन से जुड़ा है। हिंसक वन्यप्राणियों की मौजूदगी के बावजूद किसानों को रात 12:30 से 3:00 बजे के बीच बिजली दी जा रही है। रात के अंधेरे में खेतों में जाना जान जोखिम में डालने जैसा है। शकरकंद और गन्ने की खेती पहले ही वन्यप्राणियों के कारण बर्बाद हो रही है, ऊपर से बिजली की आंख मिचौली ने शिक्षा और घरेलू कामकाज को ठप कर दिया है।

बिल यहां, बिजली वहां

गढ़ी क्षेत्र के ग्रामीणों को यदि नया कनेक्शन चाहिए, तो उन्हें 33 किलोमीटर दूर बैहर तहसील के चक्कर लगाने पड़ते हैं, लेकिन जब बिजली गुल होती है या तकनीकी खराबी आती है, तो गुहार लगाने के लिए 40 किलोमीटर दूर मंडला जिले के बिछिया जाना पड़ता है। बैहर से गढ़ी में 1975-76 में बिजली आई थी। बैहर से 1997 तक सप्लाई चालू रही। 1988 में गढ़ी में सब-स्टेशन बनने के बाद से ही कुडेला-बिछिया से सप्लाई दी जा रही है, जो अब स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के लिए बड़ा सिरदर्द बन चुकी है।

इनका कहना है

गढ़ी उप-तहसील क्षेत्र में बिजली आपूर्ति मंडला जिले के बिछिया सब स्टेशन से की जा रही है। बैहर (बालाघाट) से सीधी सप्लाई देना दूरी और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण संभव नहीं है। यह क्षेत्र कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के वन क्षेत्र में आता है, जिससे यहां नई लाइन बिछाना चुनौतीपूर्ण है। फिलहाल कृषि के लिए मंडला से तय समयानुसार ही बिजली दी जा रही है। यदि किसानों और ग्रामीणों को किसी प्रकार की समस्या है, तो वे आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

लक्ष्मण सिंह, कार्यपालन अभियंता, बैहर

गढ़ी क्षेत्र बालाघाट जिले में होने के बावजूद यहां के लोग जिले की मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। हालत यह है कि यहां तक जिले के बिजली के खंभे भी नहीं पहुंचे हैं। घरेलू और कृषि बिजली के लिए मंडला पर निर्भर रहना ग्रामीणों की मजबूरी बन गई है। व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अपेक्षित ध्यान नहीं मिलने से समस्या जस की तस बनी हुई है।

रंजीत सिंह बैस, उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत बैहर

जमीनों की खरीदी-ब्रिकी के नाम पर ठगी, दो भाई गए जेल

नौकरीपेशा लोगों के साथ मोहित और दीपक करते थे धोखाधड़ी

कटंगी(स्वतंत्र मत)

जमीन खरीदी-ब्रिकी के नाम पर लंबे समय से सीधे-साधे और नौकरीपेशा लोगों के साथ धोखाधड़ी करने वाले दो सगे भाई मोहित और दीपक श्रीवास को आखिरकार माननीय न्यायालय ने जेल भेज दिया है। दो दिनों की रिमांड खत्म होने के बाद पुलिस ने बुधवार को आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया। न्यायालय ने प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सख्त रुख अपनाया और वार्ड क्रमांक 09 कटंगी निवासी दोनों सगे भाईयों को जेल भेज दिया है। दरअसल, जमीन के नाम पर धोखाधड़ी का यह मामला न केवल स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना था बल्कि समूचे बालाघाट जिले में इस पर सतत चर्चा हो रही है। इन आरोपियों को जेल की सजा होने के बाद प्लॉटिग के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने वाले अन्य लोगों में भी हड़कंप मचा हुआ है। मोहित और दीपक को पुलिस ने रविवार-सोमवार की दरम्यिनी रात्रि करीब डेढ़ बजे उनके घर से गिरफ्तार किया था। सोमवार को पुलिस ने दोनों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया और पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 318 (4), 336 (3), 338, 3 (5) की कार्रवाई की है। 48 घंटे तक चली पूछताछ के बाद पुलिस ने आरोपियों को फिर न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी धमेन्द्र कुसराम के अनुसार अभी पूछताछ पूरी नहीं हुई है इसलिए पुनः आरोपियों की रिमांड मांगी जाएगी। खैर, कटंगी न्यायालय ने गंभीर आर्थिक मानते हुए आरोपियों को जेल भेज दिया है किंतु आरोपियों के पास जमानत के रास्ते बचे हुए है। पुलिस ने जिन धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्धङ्ग किया है। वह गैर-जमानती और संज्ञेय अपराध है किंतु आरोपियों को जमानत देना न्यायालय के विवेक और मामले की परिस्थितियों पर निर्भर है। मोहित और दीपक ने दर्जन भर से अधिक लोगों के साथ धोखाधड़ी की है। पुलिस ने संदीप बोपचे निवासी कालीमाठी, रहीम कुरैशी, आयशा खान और परवेज खान तीनों निवासी कटंगी की शिकायत पर आरोपी भाईयों पर अपराध दर्ज किया। आरोपियों ने प.ह.न. 27 खसरा नंबर 179/6/1 की जमीन दिखाकर खरीदी-ब्रिकी का सौदा किया। जबकि यह जमीन आरोपियों के नाम नहीं थी। इसी प्रकार आरोपियों ने और भी कई लोगों के साथ धोखाधड़ी की है जिसकी लिखित शिकायत पुलिस को मिली है। पुलिस इन शिकायतों पर भी जांच कर रही है। मोहित और दीपक के खिलाफ करीब दो वर्षो से लगातार पुलिस के पास ठगी की शिकायत हो रही थी। पुलिस जांच में काफी सुस्ती बरत रही थी ऐसे में पीड़ितों ने सीए हेल्पलाइन में एक के बाद एक लगातार शिकायतें की आखिरकार पुलिस की जांच में तेजी आई और पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

शराब दुकान के ठेकेदार द्वारा मानपुर क्षेत्र में खुलेआम कराई जा रही पैकारी!

मानपुर (स्वतंत्र मत)

मानपुर स्थित शराब दुकान ठेकेदार द्वारा बेखौफ तरीके से समूचे क्षेत्र में पैकारी कर अवैध शराब बेंचवाई जा रही है जिसका जीता जागता सबूत के तौर पर देखा जाए तो आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी द्वारा अभी हाल ही में मानपुर के कई अलग अलग क्षेत्र में कई अवैध ठीहों पर दबिश देकर अवैध तरीके से शराब बेचने वालों पर कार्यवाही किया गया है। शराब दुकान ठेकेदार के गुर्गों द्वारा गांव गांव बनाए गए ठीहों तक पहुंचाई गई शराब को भी बकायदे जप्त किया गया हैए जहां गांव में शराब बेचने वाले अवैध ठीहों से जप्त की गई शराब किस दुकान की थी और यहां तक कैसे पहुंची इस घिनौनी हरकत को अंजाम देने वाले इस गिरोह का आखिर क्यों खुलासा नहीं किया गया और यह बताना जिम्मेदारों ने मुनासिब नहीं समझा जिससे प्रश्न चिन्ह लगता है कि कहीं न कहीं ठेकेदार को क्षेत्र में अवैध शराब बेंचवाने में सहयोग प्रदान करने में जिम्मेदारों के भी हाथ तो नहीं हैं अगर ऐसा नहीं है तो जप्त की गई शराब किस दुकान की थी यह क्यों नहीं बताया गयाण! मिली जानकारी अनुसार वृत्त मानपुर अंतर्गत क्षेत्र में अवैध मदिरा की बिक्री किए जाने की लगातार मिल रही शिकायत के बाद जिम्मेदारों द्वारा की गई कार्यवाही के दौरान भरौली ढाबा के संचालक आकाश जायसवाल के कब्जे से 12 बोतल बीयर एवं 10 पाव प्लेनए धर्मेन्द्र सिंह ग्राम देवगवां के किराना दुकान से 09 पाव देशी मदिरा प्लेनए राजाराम गुप्ता ग्राम मुगवानी के कब्जे से 25 पाव देशी मदिरा प्लेनए ग्राम कठार में उमेश पटेल के कब्जे से 19 पाव देशी मदिरा प्लेन इसी प्रकार ग्राम बिजौरी स्थित ढाबे में कार्यवाही करते हुये सावित्री साहू के कब्जे से 14 पाव देशी मदिरा प्लेन जब्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 ;1द्ध क के तहत् कुल 06 न्यायालयीन प्रकरण पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया है। गौरतलब हो कि इससे पहले जब क्षेत्र में ठेकेदार द्वारा अवैध तरीके से गांव गांव में गुर्गों के माध्यम से शराब बेंचवाने की बात पर जिला आबकारी अधिकारी को अवगत कराया गया था जिसे अधिकारी द्वारा सीधे तौर पर निराधार बताया गया था तभी ऐसा प्रतीत हो रहा था कि कहीं न कहीं अवैध मदिरा ब्यापारियों से मिली भगत कर शराब कारोबारी क्षेत्र के माहौल को बर्बाद करने में जुट न गये होंए जिन्हे शासन प्रशासन का बिलकुन भी भय नहीं है और वह बेहिचक अवैध कार्यों में संलिप्त होकर शराब तस्करी जैसी वारदात को अंजाम देने में तुले हुए हैंण! शाम ढलते ही गाँवो की स्थिति बड़ी खराब हो जाती है और किराना दुकान अहातों में तब्दील हो जाते हैं जिससे ग्रामीण महिलाओं और बच्चो पर बुरा प्रभाव पड़ता है और वे घर से बाहर निकलने से डरते हैं। शराब पीकर गाली गलौज होना आम बात है जो कि बच्चो की पढ़ाई में भी असर पड़ता है और आने वाली भावी पीढ़ी शराब में ही अपनी जिंदगी तलाशने लग जाते हैं जिसका जिम्मेदार ठेकेदार के साथ साथ प्रशासन भी हैण्ण! जिले के नवागत कलेक्टर श्री मती राखी सहायं एवं पुलिस अधीक्षक विजय भगवानी जी से जनापेक्षा है कि संबंधित मामले को गंभीरता से लेते हुए शराब दुकान ठेकेदार के प्रति कानूनी शिकंजा कसा जाए ताकि ठेकेदार अपने गुर्गों के माध्यम से क्षेत्र में शराब पहुंचवाने में परहेज कर सकेए वहीं गांव गांव अवैध शराब बेचने के लिए बनाए गए अवैध ठीहों को भी ध्वस्त किया जाय ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था कायम रखी जा सके।

मुकुंदपुर टाइगर सफारी भेजे गए छः माह के बाघ शावक की उपचार के दौरान मौत

उमरिया (स्वतंत्र मत)

जिले के विश्वाप्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व से उपचार के लिए मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी भेजे गए छः माह के बाघ शावक की मंगलवार 21 अप्रैल को उपचार के दौरान मौत हो गई। पार्क प्रबंधन ने बताया है की 19 अप्रैल को बाघ शावक बांधवगढ़ के ताला परिक्षेत्र अंतर्गत भद्रशिला के समीप घायल मिला था जिसे गहन उपचार के लिए मुकुंदपुर भेजा गया था जहाँ उसकी मौत हो गई है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बाघों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है टाइगर रिज़र्व एवं समीपी सामान्य वन मण्डल को मिलाकर बाघ प्रजाति की यह आठवीं असमय मौत हुई है।

अवैध उत्खनन-परिवहन एवं भंडारण पर लगातार कार्यवाही जारी, 2 वाहन जब्त

उमरिया (स्वतंत्र मत)

कलेक्टर उमरिया श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में प्रभारी अधिकारी डॉण् विद्याकांत तिवारीए सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदीए खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एनण्एसण् आर्मो की टीम द्वारा खनिज रेत के अवैध उत्खननए परिवहन तथा भंडारण की रोकथाम हेतु सतत् भ्रमण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में खनिज अमले की वाहन जॉच में जिला मुख्यालय से लगे ग्राम बडेरी में 01 ट्रेक्टर जिसका वाहन क्रमांक एमपी.54.ए ए.0574 मय ट्राली वाहन स्वामी समीप सिंह पिता श्री शिवहरेन्द्र सिंह को खनिज रेत के परिवहन करते पाए जाने से रोका गया जिसमें ई.टीपी नहीं पाए जाने से वाहन को जप्त किया गया। इसी प्रकार ग्राम छादा तहसील नौरोजाबाद के पास 01 ट्रेक्टर वाहन क्रमांक एमपी.54.जेडए.0736 मय ट्राली खनिज रेत का अवैध परिवहन करते जप्त किया गया है जिसके वाहन स्वामी सावित्री पति रसिया यादव हैं। उक्त दोनों वाहनो पर पर मण्प्रण् खनिज अवैध ;खननए परिवहन तथा भंडारण का निवारणद्ध नियम 2022 में निहित प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जा रही है तथा संयुक्त अमले द्वारा श्रीमान कलेक्टर महोदया के निर्देशन में लगातार सघन जॉच की जा रही है।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण के संबंध में बैठक 24 अप्रैल को

उमरिया ;स्वतंत्रमतद्ध। खेल और युवा कल्याण विभाग मप्र के नेतृत्व मे खेल एवं युवा कल्याण विभाग व्दारा इस वर्ष ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन नवीन स्वरूप मे आयोजित करने के निर्देश संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग मप्र के व्दारा दिए गए है। प्रशिक्षण शिविर की रूपरेखा अवधिएतिथि व स्थानएसमय खेल तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ व दायित्व निर्धारण के संबंध मेंएसुझाव आदि के लिए कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय कि अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक विजय कुमार भागवानी कि उपस्थिति में बैठक का आयोजन 24 अप्रैल को सायं 3 बजे से किया गया है। बैठक में सर्व संबंधितों से उपस्थिति की अपेक्षा की गई है।

लोक अदालत में विद्युत प्रकरणों के निराकरण में विशेष छूट

उमरिया (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ;एमपीपी के वीवीसीएलद्ध उमरिया वृत्त अंतर्गत विद्युत उपभोक्ताओं के लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण हेतु नेशनल लोक अदालत 9 मई 2026 को आयोजित की गई है । मध्यप्रदेश शासनए ऊर्जा विभाग द्वारा 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के अवसर पर विद्युत प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष छूट योजना लागू की गई है।प्राप्त निर्देशों के अनुसारए लोक अदालत में विद्युत चोरीध्अनाधिकृत उपयोग से संबंधित प्रकरणों में उपभोक्ताओं को निर्धारित शर्तों के अंतर्गत आंकलित सिविल दायित्य राशि पर छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट केवल प्रथम बार प्रकरण वाले उपभोक्ताओं को ही दी जाएगी। योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि ये अपने नाम लंबित समस्त विद्युत देयकों का भुगतान करें। साथ हीए जिन उपभोक्ताओं के नाम पर विधिवत कनेक्शन नहीं हैए उन्हें पहले वैध कनेक्शन प्राप्त करना अनिवार्य होगा। यह छूट अधिकतम 10ए00ए000 ;दस लाख रुपयेद्ध तक के प्रकरणों के लिए लागू रहेगी तथा केवल लोक अदालत में समझौते के आधार पर ही इसका लाभ प्राप्त किया जा सकेगा। उपभोक्ता इस अवसर का लाभ उठाकर अपने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण से भविष्य में किसी प्रकार की विधिक कार्यवाही से बच सकते है।

कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने राहुल भैया पहुंचे उमरिया

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के कार्यालय का किया उदघाटन

उमरिया (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल भैया ने मंगलवार 21 अप्रैल को उमरिया प्रवास के दौरान वार्ड क्रमांक 03ए लालपुर स्थित ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिथलेश राय के आवास पहुंचे जहाँ उन्होंने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी उमरिया के नवनिर्मित कार्यालय का भव्य उद्घाटन फीता काटकर किया। राहुल भैया ने अपने उद्बोधन में पार्टी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को संगठन मजबूती और एकजुट होकर कार्य करने का संदेश दिया और उन्होंने 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को मद्देनजर पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए निकले हैं और उन्होंने कहा कि सोते को जगाने और अंदर घुसे नेताओं को बाहर निकालने के लिए आया हूँ। उन्होंने संगठन की मजबूती पर विशेष जोर देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी की असली ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता हैंए और हमें बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करते हुए आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर कार्य करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह कार्यालय केवल एक भवन नहींए बल्कि कांग्रेस की विचारधाराए जनसेवा और आमजन की आवाज को बुलंद करने का सशक्त केंद्र बनेगा। यहां से क्षेत्र की जनता की समस्याओं के निराकरण एवं जनहित के कार्यों को नई गति मिलेगी। सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे व्यक्तिगत अपेक्षाओं से ऊपर उठकर पार्टी हित में कार्य करेंए ताकि आगामी समय में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाई जा सके। इसके लिए सभी को मिलजुलकर संगठन को मजबूत करना होगा। कार्यक्रम में मिथलेश राय और पूर्व जनपद सदस्य मोनू राय द्वारा राहुल भैया को बांधवगढ़ की फोटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष विजय कोल और मिथलेश राय ने भी सम्बोधित किया। प्रवास के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ बैंड बाजा फटाखो के साथ स्वागत किया।इस गरिमामय अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोलए मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह चौहानए बांधवगढ़ विधानसभा प्रभारी राकेश जैनए पूर्व विधानसभा प्रत्याशी श्रीमती सावित्री सिंहए महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीमती अंजू सिंहए वरिष्ठ कांग्रेस नेता उदय प्रताप सिंहए संगठन महासचिव एडवोकेट पुष्पराज सिंहए निर्वाचन प्रभारी शिशुपाल यादवए ध्रुव सिंहए वीरेंद्र सिंह सेंगरए प्रेमलाल रायए कमलेश रायए विकास रायए राजकुमार चौहानए मंडलम अध्यक्ष तामन्नारा राजाराम रायए राजेश तिवारीए श्रीमती बेटी बाई रजकए मोहम्मद नईमए एनण्एसण्यूण्आईण् अध्यक्ष असलम शेरए हेमनाथ बैगाए शेख शाहरुखए मकसूद खानए गौरीशंकर प्रजापतिए करन सिंह सहित अनेक गणमान्य जनप्रतिनिधिए पदाधिकारीए कार्यकर्ताए पत्रकार साथी एवं कांग्रेसजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण रहा और सभी कार्यकर्ताओं में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का जोश देखने को मिला।

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रगति जनकल्याण समिति द्वारा विकासखंड नारायणगंज के सेक्टर चिरईडोंगरी स्थित पीपल आश्रम में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों के साथ चौपाल आयोजित कर जल संरक्षण एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न कार्यों की जानकारी साझा की गई। साथ ही समितियों, परामर्शदाताओं एवं छात्रों द्वारा किए गए कार्यों की समीक्षा भी की गई।

ग्रामवासियों ने ली जल शपथ

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे एवं सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना के मार्गदर्शन में जिले में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत केहरपुर में जल स्रोत सेवा समागम कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी के नेतृत्व में नवांकुर संस्थाओं एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से ग्राम के तालाब में ग्रामीणों ने सामूहिक श्रमदान कर साफ-सफाई की और जल संरक्षण का संदेश दिया।

डाक विभाग ने होगा साक्षात्कार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। इंडिया पोस्ट के अंतर्गत डाकघर मंडला संभाग द्वारा डाक जीवन बीमा (पीएलआई) एवं ग्रामीण डाक जीवन बीम आरपीएलआई के व्यवसाय विस्तार के लिए डायरेक्ट सेल्स एजेंट डीएसए के चयन के लिए साक्षात्कार आयोजित किया जा रहा है। कार्यालय अधीक्षक डाकघर मंडला संभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह साक्षात्कार 27 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे आयोजित होगा। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों को अपने बायोडाटा एवं मूल दस्तावेजों के साथ निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होना होगा। न्यूनतम 10वीं उत्तीर्ण (राज्य/केंद्रीय बोर्ड से आयु सीमा 18 से 50 वर्ष, कम्प्यूटर का सामान्य ज्ञान एवं स्थानीय क्षेत्र की जानकारी अनिवार्य है। डाक विभाग ने इच्छुक अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे आवेदन एवं अन्य जानकारी के लिए अपने नजदीकी डाकघर से संपर्क करें।

नाट्य कार्यशाला का समापन आज

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश ड्रामा स्कूल एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पदमी में आयोजित 17 दिवसीय बाल नाट्य कार्यशाला का समापन होगा। विद्यालय प्रांगण में शाम 6 बजे आयोजित समापन समारोह के दौरान कार्यशाला में प्रशिक्षण परैत छात्र छात्राएं अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगी। इस दौरान बंबुलियां गायन आकर्षण का केंद्र होगा। इसके साथ ही वीरांगना रानी दुर्गावती की महिमा को प्रदर्शित करता कर्मा गायन व नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति होगी। पंचतंत्र की कहानियों से प्रेरित होकर एक नाटक भी प्रस्तुत किया जायेगा। थिएटर इन एजुकेशन की अवधारणा पर आधारित इस कार्यशाला में बच्चों को शिक्षा और जीवन में रंगमंच की महत्ता से अवगत कराया जा रहा है। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को पर्सनालिटी डेवलपमेंट के साथ-साथ रंगमंच के विभिन्न आयामों जैसे लेखन, डिज़ाइन, अभिनय और निर्देशन से व्यावहारिक रूप से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे अपनी अभिव्यक्ति को विस्तृत कर सकें और थिएटर को अपने जीवन का एक सशक्त हिस्सा बना सकें।

तीन मामलों में रोका गया विवाह

मण्डला(स्वतंत्रमत)। परियोजना मण्डला के ग्राम पंचायत अहमदपुर एवं परियोजना घुघरी के ग्राम ककनू में 2 बाल विवाह की सूचना प्राप्त होते ही महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित विवाह स्थलों पर पहुंचकर कार्रवाई की टीम द्वारा बालक बालिका के माता-पिता एवं परिजनों को बाल विवाह न करने के लिए समझाइश दी गई तथा इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि 18 वर्ष से कम आयु की लड़की एवं 21 वर्ष से कम आयु के लड़के का विवाह बाल विवाह की श्रेणी में आता है जो कानूनन अपराध है अधिकारियों ने जानकारी दी कि बाल विवाह कराने करवाने या इसमें शामिल होने वाले व्यक्तियों के खिलाफ1 लाख रुपये तक का जुर्माना एवं 2 वर्ष तक का कारावास या दोनों का प्रावधान है। विवाह समारोह में उपस्थित लोगों को भी बाल विवाह में शामिल न होने की सख्त हिदायत दी गई।

कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम 24 को

मण्डला(स्वतंत्रमत)। प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल द्वारा कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में 24 अप्रैल को दोपहर 3 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा लोक सेवाओं में लोक केंद्रित प्रशासन को बढ़ावा देने तथा सेवाभाव की संस्कृति विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर कर्मयोगी कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के लोकसेवकों के प्रशिक्षण के लिए कर्मयोगी कर्तव्य कार्यक्रम लागू किया जा रहा है जिसमें आईजीओटी पोर्टल के माध्यम से डिजिटल लर्निंग एवं व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

घाटों की दुर्दशा को लेकर पनपा आक्रोश

जनसुनवाई में नर्मदा प्रेमी बोले- नर्मदा घाटों का हो नवनिर्माण

मण्डला(स्वतंत्र मत)

नगर मुख्यालय के नर्मदा तट से लगे वार्डो के रहवासी काफी समय से नर्मदा घाटों की दुर्दशा को लेकर आक्रोशित दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है नगर के अधिकांश नर्मदा घाट जीर्णशीर्ण हो चुकें हैं इनके नवनिर्माण किए जाने मांग की जा रही है लेकिन जबावदार विभाग इस पर जरा भी ध्यान नही दे रहा है। नवनिर्माण तो छोड़ मरम्मत भी नही कराई जा रही है। जिसके चलते दिनों दिन घाट नर्मदा नदी में समाहित हो रहे हैं और रोजाना कोई न कोई चोटिल भी हो रहा है। इन घाटों में नर्मदा प्रेमी पूजन पाठ के साथ स्नान ध्यान के लिए रोजाना आया करते हैं। वहीं अब यह मुद्दा जनसुनवाई में भी पहुंच चुका हैं जहां पर जबावदार अधिकारी से स्थानीय नागरिको ने घाटों की सुधार किए जाने मांग की थी। नागरिकों ने देवदरा स्थित चक्रतीर्थ नर्मदा घाट के जीर्णोद्वार को लेकर श्रृद्धालुओं ने कलेक्टर को आवेदन पत्र सौंपकर मांग की है। सौंपे गए आवेदन पत्र में बताया गया कि देवदरा स्थित चक्रतीर्थ घाट में स्थानीय रहवासियों के साथ पूजा पाठ के लिए धर्मप्रेमियों का रोजाना आना होता है। यह घाट जो कि लगभग शताब्दी वर्ष पूर्व से निर्मित है। यह घाट निचली सीढ़ियों कमजोर होने के कारण गिरकर पानी में समा गई हैं। पहले यह घाट बहुत सुंदर घाट रहा है इस घाट में कार्तिक स्नान के लिए महिलाओं का विशेष तौर पर आना होता है घाट निर्माण मांग की गई। श्रृद्धालुओं द्वारा इस घाट में पूजा-अर्चना की जाती रही है। यह घाट वर्तमान में जीर्णशीर्ण होने से श्रृद्धालुगणों की पूजा अर्चन के समय दुर्घटना होती रहती है तथा भविष्य में और भी दुर्घटनाओं की समस्या बनी रहेगी। शहर के मुन्नी बाई धर्मशाला रंगरेज घाट वैध घाट किले घाट नर्मदा जी घाट मण्डला का जीर्णोद्धार मरम्मत कार्य कराये जाने मांग है। जिले के नर्मदा घाट लगातार दुर्दशा के शिकार हो रहे हैं। जागरूक नागरिकों द्वारा घाटों के जीर्णोद्धार को लेकर विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारों को अवगत कराने के बाद भी घाट की दुर्दशा दूर नहीं हो रही है। जिस कारण श्रद्धालुओं को घाटों पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले के कुछ प्राचीन घाट भी है जहां की स्थिति काफी दयनीय हो गई है। आमजन की मांग पर जीर्णोद्धार के लिए प्रयास तो किए लेकिन अब भी कार्रवाई फाइलों में अटकी है। बारिश के सीजन में नर्मदा के उफान में होने पर घाट की मिट्टी का कटाव हो रहा है। जिसको देखते हुए तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2014-15 में मंडला प्रवास के दौरान घाट के जीर्णोद्धार के लिए पांच करोड़ रुपए की घोषणा की थी। लेकिन नगर पालिका द्वारा अब तक घोषणा के अनुसार डीपीआर तैयार नहीं किया जा सका है। बताया गया कि सीएम द्वारा घोषणा के बाद स्वीकृति में ही एक साल से अधिक समय निकल गया था। पहले बनाए गए डीपीआर में घोषणा से अधिक की लागत आ रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि घाट काफी प्राचीन व धार्मिक मन्यता रखने वाला है। कजली तीज, डोलग्यारस आदि अवसर पर यहां मेले का आयोजन किया जाता है। विशेष मुर्हूत में स्नान के लिए भी घाटों में सैंकड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। लेकिन निचले हिस्से की दुर्दशा देखकर घाट पर स्नान करना जोखिमभरा लग रहा हैं। यह प्राचीन घाट देखरेख के अभाव में लगातार क्षतिग्रस्त हो रहा है। क्षतिग्रस्त व टूटकर घाट से अलग हुए हिस्से नदी के पानी में साफ नजर आ रहे हैं। निचले हिस्से में मिट्टी कट गई है और चीप मात्र बची है। चीप के टूटने के साथ ही गेफ में पैर फंसने से घायल होने का अंदेशा रहता है। इस घाट में महाशिवरात्रि पर्व, अमावस्या, सावन सोमवार, नर्मदा जयंती आदि प्रमुख पर्व व तिथियों पर हजारों श्रद्धालु नर्मदा में स्नान के लिए आते हैं। विडम्बना है कि नगर से सटे नर्मदा किनारे स्थित रपटा घाट, खरहर घाट का जीर्णोद्धार तो हो गया लेकिन इन घाटों के जीर्णोद्धार के लिए लेटलतिफी की जा रही है। नगर के सबसे प्राचीन मुन्नी बाई धर्मशाला घाट व रंगरेज घाट दुर्दशा के शिकार है।

सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता और सादगी का महोत्सव : सांसद

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)

जिले के विकासखंड निवास स्थित राजा शंकर शाह, कुँवर रघुनाथ शाह स्टेडियम में मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह निकाह योजना के अंतर्गत एक विशाल एवं भव्य समारोह का आयोजन किया गया जिसमें 200 जोड़ों ने विधिवत वैदिक रीति-रिवाज, मंत्रोच्चारण और पारंपरिक विधानों के साथ सात फेरे लेकर अपने दांपत्य जीवन की शुरुआत की पूरे परिसर में उल्लास, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का अद्वितीय वातावरण देखने को मिला यह आयोजन न केवल विवाह संस्कार का उत्सव था बल्कि सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने अपने विस्तृत और प्रेरक उद्बोधन में कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन भारतीय समाज की आत्मा को सशक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में जब विवाह समारोहों में अत्यधिक खर्च और दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, ऐसे में सामूहिक विवाह सादगी, समानता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश देते हैं उन्होंने कहा कि यह योजना केवल आर्थिक सहायता प्रदान करने का माध्यम नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग को समान अवसर देने का सशक्त प्रयास है। यह आयोजन समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर, सभी वर्गों को एक मंच पर लाकर सामाजिक एकता को मजबूत करता है सांसद श्री कुलस्ते ने नवदंपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं बल्कि दो परिवारों, संस्कृतियों और परंपराओं का संगम है। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से अपील की कि वे आपसी विश्वास, सम्मान और सहयोग के साथ अपने जीवन को आगे बढ़ाएं और समाज के लिए आदर्श स्थापित करें। सरकार की मंशा है कि कोई भी पात्र बेटी इस योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने समाज से भी आह्वान किया कि वे ऐसे आयोजनों को प्रोत्साहित करें और सादगीपूर्ण विवाह की परंपरा को अपनाएं समारोह में योजना के अंतर्गत सभी नवविवाहित जोड़ों को उनके नए जीवन की सुखद शुरुआत के लिए 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता के प्रतीक स्वरूप चेक प्रदान किए गए। निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े ने भी नवदंपतियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह योजना समाज के कमजोर वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है इस अवसर पर पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती पुष्पा मरकाम एवं पुष्पेंद्र वरकड़े, जनपद पंचायत निवास अध्यक्ष मंजुरानी कुलस्ते, जनपद पंचायत नारायगंज अध्यक्ष आशाराम भारतीय, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता परते, एसडीएम सीएल वर्मा, सीईओ जनपद पंचायत निवास सहित अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने लिया संकल्प

मण्डला(स्वतंत्रमत)

पृथ्वी दिवस के अवसर पर भारत ज्योति विद्यालय में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को वृक्षारोपण ऊर्जा संरक्षण तथा जल की प्रत्येक बूंद को बचाने के लिए प्रेरित किया गया। शिक्षकों द्वारा बच्चों को बताया गया कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि आज से ही हम छोटे-छोटे प्रयास शुरू करें तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने प्रकृति को बचाने का सामूहिक संकल्प लिया। इसमें आम जनता के साथ-साथ विद्यालय के बच्चों की सक्रिय भागीदारी को अनिवार्य बताया गया। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है, और यदि समाज का हर वर्ग इसमें योगदान दे तो निश्चित ही सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता संपन्न

मण्डला(स्वतंत्रमत)

डिस्ट्रिक एमेच्योर कराते एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला स्तरीय कराते प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के मंडला, नैनपुर, बिछिया, मवई, घुघरी विकासखंड से कुल 135 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष सोनू भलावी उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्राचार्य एवं समाजसेवी किरण भारद्वाज, द आर्किड फन विद्यालय के डायरेक्टर सौरभ तिवारी, क्रीड़ा भारती जिलाध्यक्ष योगेश कछवाहा, मध्यप्रदेश एमेच्योर कुश्ती संघ उपाध्यक्ष संदीप कछवाहा, युवा नेता आशीष पटेल, प्रकाश प्रजापति, ईश्वरी केवट, बैडमिंटन कोच अफसर खान, आर्चरी कोच जसवंत अहिरवार एवं फुटबॉल कोच पंकज सराठे की गरिमामयी उपस्थिति रही कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया इसके पश्चात खिलाड़ियों ने कराते का आकर्षक प्रदर्शन प्रस्तुत किया जिसने दर्शकों का मन मोह लिया प्रतियोगिता संपन्न कराने में आयोजन के निदेशक डिस्ट्रिक्ट एमेच्योर कराटे एसोसिएशन की उपाध्यक्ष प्रतिमा उपाध्याय और सचिव त्रिलोक डोंगरे एवं सहनिर्देशक कोषाध्यक्ष विद्या की विशेष भूमिका में रेफरी-जज अकल सिंह, आदित्य धुर्वे, रिखिराम मार्को, अमन रजक, दिशा यादव, संतोष, रोहित, पूजा, रितेश, अर्पित, सिद्धि, तेजस एवं कोच में सूर्यप्रकाश, शनि, सोनिया, लक्ष्मी के द्वारा सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन संपन्न हुआ जनपद पंचायत अध्यक्ष ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए उद्बोधन में जिला एमेच्योर कराटे एसोसिएशन को इस आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की एवं इस तरह के आयोजनों से न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है।

गेहूं उपार्जन एवं खाद वितरण प्रणाली की समस्या को लेकर किसानों ने सौंपा तहसीलदार को ज्ञापन

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नैनपुर क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान एकत्रित हो कर एसडीएम कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्या जताते हुए एक ज्ञापन सोपकर प्रशासन को चेतावनी दिया है। किसानों का कहना है कि समस्या का त्वरित हल न हो पाने की दशा में सभी किसान आज 23 अप्रेल को सड़कों पर उतरकर आनदौल करेंगे। जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन में लेख किया गया है कि शासन के निर्देशानुसार 15 अप्रेल से गेंहू उपार्जन कार्य प्रारंभ होना था किंतु क्वालिटी खराबी का हवाला देकर संबंधित अधिकारियों के द्वारा आज दिनांक तक खरीदी प्रारंभ नहीं की गई है एवं अंतिम तिथि 19 मई निर्धारित की गई है। इस तरह आने वाले समय में क्षेत्र के किसी भी किसान की गेहूँ उपार्जित होने की संभावना है। इसके अलावा ई टोकन प्रणाली से खाद वितरण में भारी अनियमितताएं होने से खाद की समस्या भी होगी जिससे किसानों की खरीफ की फसल भी बोनी करना संभव नहीं दिखाई देता रहा है। उपरोक दोनों समस्याओं का तत्काल समाधान करने की मांग किया है। आज 23 अप्रैल को निवारी चौराहे पर 10 बजे से उग्र प्रदर्शन किसानों के द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। इस आशय की जानकारी एसडीओपी पुलिस को भी किसानों ने ज्ञापन सोपकर अवगत कराया है।

नैनपुर रेलवे स्टेशन का जन औषधि केंद्र हुआ बंद

नैनपुर(स्वतंत्र मत)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं जब प्रशासनिक उदासीनता और स्थानीय नेतृत्व की अनदेखी का शिकार होती आ रही हैं जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। कुछ ऐसा ही हाल दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर डिवीजन के अंतर्गत आने वाले नैनपुर रेलवे स्टेशन पर बने प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को बाजार से बेहद कम दामों पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना था। नैनपुर में यह केंद्र बनकर तैयार हुआ और कुछ समय तक ही इसका संचालन किया गया और बन्द कर दिया गया। लेकर न तो रेलवे प्रबंधन ने कोई सुध ली है और न ही स्थानीय भाजपा नेताओं ने इसे पुनः शुरू करवाने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाए हैं। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की इस उदासीनता के कारण क्षेत्र के लोगों को सस्ती दवाइयों का लाभ नहीं मिल पा रहा है, जिससे जनता में गहरा रोष सभव्याप्त है।

कान्हा रिजर्व में बाघ शावक की मौत

मण्डला (स्वतंत्रमत)

कान्हा टाइगर रिजर्व के अंतर्गत सरही वन परिक्षेत्र में एक नर बाघ शावक की मृत्यु का मामला सामने आया है। यह घटना 21 अप्रैल को बड़े अमाही नाला बीट सरहीनाका कक्ष क्रमांक 668(69) क्षेत्र में प्रकाश में आया घटना की जानकारी मिलते ही एनटीसीए नई दिल्ली एवं मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार तत्काल कार्रवाई करते हुए क्षेत्र को सुरक्षित किया गया। डॉग स्क्वॉड की मदद से घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र की गहन जांच की गई। मौके पर एक मादा बाघ अपने अन्य शावकों के साथ भी देखी गई मृत शावक के शव परीक्षण के लिए विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया, जिसमें जबलपुर से वन्यजीव फॉरेंसिक विशेषज्ञ डॉ. सोमेश सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील गोयल मोतीनाला एवं डॉ. विशाल उड्डे बिछिया शामिल रहे। टीम द्वारा किए गए परीक्षण में शावक के सभी अंग सुरक्षित पाए गए हैं प्रारंभिक जांच में शावक की मृत्यु प्राकृतिक कारणों से होना प्रतीत हो रहा है। निर्धारित एसओपी के तहत समस्त प्रक्रिया का पालन करते हुए शव दाह की कार्रवाई की गई।

कार्यालय नगर परिषद निवास, जिला-मंडला (म.प्र.)

E-Mail : comniwas@mpurban.gov.in

पत्र. क्र. 55/ई-टेण्डर/2026-27 | निवास, दिनांक 21.04.2026

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

स. क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	2026_UAD_501934_1 22/04/2026	वार्ड क्र. 01 से 13 तक पेयजल पाईप लाईन सुधार एवं बदलने का कार्य।	06 माह 1777090.00	2000 13330.00	25/05/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद, निवास, जिला मंडला (म.प्र)

संपादकीय

स्वास्थ्य की बीमार सेवाएं

भारत में स्वास्थ्य सेवाएं गहरे विरोधाभास से जूझ रही हैं। हमारी सरकारी चिकित्सा व्यवस्था खुद बीमार है। देश में कम स्वास्थ्य बजट, राजनीतिक हस्तक्षेप और भ्रष्टाचार के चलते सरकारी अस्पतालों में सब कुछ होते हुए भी गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को गुणवत्ता का उपचार नहीं मिल पाता है। हाल ही में सामने आए सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के एक नये सर्वेक्षण में बताया गया है कि देश की लगभग आधी आबादी के पास किसी न किसी प्रकार का स्वास्थ्य बीमा कवर है। लेकिन विडंबना यह है कि स्वास्थ्य बीमा कवर होने के बावजूद उनकी जेब से खर्च होने वाला चिकित्सा व्यय अधिक बना हुआ है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सरकार द्वारा समर्थित योजनाओं ने बीमा कवरेज के विस्तार को गति दी है। उल्लेखनीय है कि देश के ग्रामीण इलाकों में अब शहरी क्षेत्रों के मुकाबले बीमा कवरेज अधिक है। इसके बावजूद दुखद स्थिति यह है कि देश के करोड़ों परिवारों के लिए आज भी बीमार पड़ना गंभीर आर्थिक संकट पैदा कर देता है। वहीं दूसरी ओर, इस सर्वेक्षण ने एक स्पष्ट खामी को भी उजागर किया है कि आज भी अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक मामले के लिए मरीज के जेब से होने वाले खर्च के औसत बिल 34,000 रुपये से अधिक हैं। यह हकीकत है कि बीमा कवरेज के बाद भी मरीजों के उपचार पर होने वाला खर्च भारत के अधिकांश आम परिवारों की वहन क्षमता से कहीं अधिक है। आखिर देश में बीमा दायरा बढ़ने के बावजूद, मरीजों पर चिकित्सा उपचार का आर्थिक बोझ लगातार क्यों बढ़ रहा है? क्या बीमा कवरेज कारोबार के लिए उत्साहित रहने वाली बीमा कंपनियों और बड़े अस्पतालों की कमाई का ही जरिया बनकर रह गया?

हाल के वर्षों में इस अपवित्र गठबंधन के कई मामलों का खुलासा भी हुआ है। लेकिन नियामक तंत्र की सख्ती के अभाव में मरीजों के दोहन का यह खेल बदस्तूर जारी है। जानकार बताते हैं कि चिकित्सा उपचार की बढ़ती दर अक्सर मुद्रास्फीति से भी अधिक होती है। नि:संदेह, यह अपवित्र कारोबार मरीजों से मुनाफा कमाने वालों के मानवीय सरोकारों पर सवालिया निशान लगाता है। हाल के वर्षों में सरकारी अस्पतालों की बदहाली के चलते ज्यादातर भारतीय निजी अस्पतालों की ओर ही रुख कर रहे हैं। लेकिन वहां सरकारी अस्पतालों से कई गुना अधिक उपचार लागत होती है। कोरोना संकट में हमने देखा कि महंगे उपचार के चलते तमाम लोग गरीबी के दलदल में चले गए। दरअसल, आज हालातवश सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं वाले अस्पतालों में भर्ती होने की हिस्सेदारी घटने के साथ ही मरीजों को अनिवार्य रूप से अधिक महंगे विकल्पों की ओर धकेला जा रहा है, जिससे बीमा सुरक्षा के लाभ कम हो रहे हैं। आयुष्मान भारत जैसी प्रमुख योजनाओं का त्रुटिपूर्ण कार्यान्वयन भी एक और बाधा बनी है। वहीं देर से मिलने वाली सरकारी चिकित्सा बीमा राशि भी मरीजों के लिए किफायती सेवाओं को बाधित कर रही है। यदि इन सरकारी योजनाओं में सूचीबद्ध अस्पताल मरीजों के उपचार से पीछे हट जाते हैं तो सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित बीमा की अवधारणा खतरे में पड़ जाती है, जिससे वंचित होने से नागरिकों का उपचार अधर में लटक जाएगा।

अब नहीं चलेगा स्त्रियों से राजनीतिक छल

भारत में महिला आरक्षण को लेकर एक साथ कई सवाल हैं। पहला है कि संसद में संविधान संशोधन विधेयक पास नहीं हो पाया, या उसे पास कराने में किसी की दिलचस्पी नहीं थी? साफ है कि बीजेपी का इरादा इस मसले को उठाना, विरोधियों को उत्तेजित करना था, ताकि वे शोर मचाएं। भारतीय राजनीति विश्वसनीय नहीं है।

प्रमोद जोशी
वरिष्ठ पत्रकार

सरकार जानती थी कि उसके साथ दो-तिहाई सदस्य नहीं हैं और आज के राजनीतिक हालात में उसे कतई आशा नहीं करनी चाहिए थी कि विरोधी राजनीति का कोई धड़ा उसके समर्थन में आता। तब फिर क्यों बिल पेश किया? फौरी तौर पर यह राजनीतिक तीर था, जो 'नारी-शक्ति' का लाभ उठाने के लिए चलाया गया था। संसद में जब बातें होती हैं, तब उन्हें गांव-गांव में सुना जाता है। विरोध में जितना शोर होगा, फायदा उतना ज्यादा होगा। उद्देश्य माहौल बनाना, नैरेटिव रचना या इसे जो भी कहें, उतना ही था। विरोधियों की दिलचस्पी भी कम से कम महिला आरक्षण में नहीं थी। परिसीमन को लेकर भी उनके तर्क विचित्र थे। इससे ज्यादा उनका इरादा भी कुछ नहीं था। बहरहाल, इसका विपरीत-प्रभाव भी होगा, जो समूची राजनीति को अपनी चपेट में लेगा। क्या महिलाओं को समझ में नहीं आ रहा है कि उन्हें छला जा रहा है? यह दीगर सवाल है कि इस विधेयक के परास्त होने का लाभ बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव में मिलेगा या नहीं। असल बात यह है कि देश की राजनीति ने पिछले तीन

दशक से 'नारी-शक्ति' को छला है। उसे बहुत ज्यादा छला नहीं जा सकेगा। स्त्रियों की राजनीतिक अभिलाषाएं आज उस सुप्तावस्था में नहीं हैं, जो नब्बे के दशक में थीं। साफ है कि यह विधेयक राजनीतिक-गतिविधि मात्र थी। जिस तरह से बिल के गिरते ही पोस्टर छपकर आ गए, और राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की योजना बन गई, वह बताता है कि बीजेपी इसकी तैयारी के साथ आई थी। सबसे पहले एचडी देवेगौड़ा सरकार ने 81वें संविधान संशोधन विधेयक, 1996 के रूप में 12 सितंबर, 1996 को महिला आरक्षण विधेयक, पेश किया था। विधेयक पेश तो हुआ, लेकिन राजनीतिक आम सहमति न बनने और गठबंधन सरकार के भीतर विरोध के कारण इसे संयुक्त संसदीय समिति को भेजना पड़ा और 11वीं लोकसभा भंग होने के साथ ही लैप्स हो गया। देश की राजनीति चाहती, तो देवेगौड़ा का बिल ही पास हो जाता। सरकार ने इसबार जो विधेयक पेश किया था, वह संसदीय सीटों के परिसीमन पर केंद्रित था। उसके विरोधियों का कहना है कि परिसीमन देश को तोड़ देगा। वे कहते हैं कि 2023 के बिल को लागू करो। वर्ष 2023 के महिला आरक्षण कानून (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) के वर्तमान प्रावधानों के अनुसार, इसे परिसीमन के बगैर लागू नहीं किया जा सकता। यह कानून विशेष रूप से जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होने की शर्त से बंधा हुआ है। परिसीमन रुकेगा तो आरक्षण भी रुकेगा। सरकार ने 2023 के बिल की अधिसूचना जारी कर दी है, ताकि वह लैप्स न हो। उसकी प्रक्रिया ठीक से चली भी तो 2034 के चुनाव के पहले आरक्षण लागू नहीं हो सकेगा। संभव है कि 2039 में लागू हो। क्या महिलाएं इतना लंबा इंतज़ार करेंगी? दरअसल, देश की पुरुष-संचालित राजनीति देख नहीं पा रही है कि महिलाएं धीरे-धीरे बड़ी राजनीतिक ताकत के रूप में उभर कर आ रही हैं। यह ताकत अभी तक वोटर के रूप में है, पर जल्द ही नेतृत्व के लेवल पर भी दिखाई पड़ेगी। जब 2023 का वह बिल पास हो रहा था, तब उसे लेकर जबर्दस्त सर्वानुमति थी। वह सर्वानुमति भी राजनीतिक-लाभ लेने तक की थी। उस वक्त भी सवाल था कि इसे फौरन लागू करने से रोका किसने है? कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्यसभा में कहा था, जब सरकार नोटबंदी जैसा फैसला तुरत लागू करा सकती है, तब इतने महत्वपूर्ण विधेयक की याद साढ़े नौ साल बाद क्यों आई? बात तो बहुत मार्के की कही थी, पर दस साल तक कांग्रेस की सरकार रही, वह भी तो उसे लागू नहीं करा पाई। यूपीए के सहयोगी दल ही इसके लिए तैयार नहीं थे। 'इंडिया' ब्लॉक के नेता आज कह रहे हैं कि हम उस विधेयक का समर्थन करेंगे जो 543 सीटों की वर्तमान संसद में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तुरंत लागू कराए। उन्होंने क्या सरकार के साथ बैठकर इस विषय पर बात की? जब वे जानते हैं कि जनगणना और परिसीमन के बिना यह फिलहाल कानूनी रूप से संभव नहीं है, तो उन्हें ऐसी पेशकश करनी चाहिए, जिसके पीछे ईमानदारी हो और व्यावहारिकता भी। व्यावहारिक बात है कि सांसदों की वर्तमान संख्या को देखते हुए, किसी पार्टी का सदस्य इस प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा। लोकसभा में मोटे तौर पर 86 प्रतिशत पुरुष हैं और देश की विधानसभाओं में करीब 90 प्रतिशत। इसी संख्या पर आरक्षण लागू हुआ, तो बड़ी संख्या में पुरुषों का पत्ता साफ हो जाएगा। कोई नहीं चाहेगा कि उसका चुनाव-क्षेत्र आरक्षण के दायरे में चला जाए। भले ही एक-तिहाई सीटें महिलाओं के कोटे में जाएंगी, पर किसका क्षेत्र छिनेगा, पता नहीं। एक-एक चुनाव क्षेत्र को तैयार करने में बरसों की मेहनत और लाखों की रकम खर्च होती है। यह सब उन्हें मंजूर होता, तो 1996 से अब तक यह सब रुका हुआ क्यों है? बहरहाल, पुरुषों की इस राजनीति को महिलाओं की बढ़ती ताकत ही ठिकाने लगाएगी। अभी तक माना जाता था कि महिलाओं की राजनीतिक आवाज़ नहीं होती है। वोटर के रूप में उनकी आवाज़ को मान्यता मिल चुकी है। कौन-सा राज्य है, जहां पार्टियां महिलाओं को लिए लुभावने कार्यक्रम लेकर नहीं आ रही हैं। ये कार्यक्रम वोटर के रूप में हैं। दूसरी तरफ राजनीतिक कार्यकर्ताओं के रूप में भी महिलाओं के बीच खामोश क्रांति हो रही है। इसकी शुरुआत स्थानीय निकायों, यानी पंचायतों और नगरपालिकाओं में, महिलाओं को न्यूनतम 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने से हुई है, जो 1993 के 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के तहत उन्हें प्राप्त हुआ है। इस आरक्षण को बिहार, उत्तराखंड, महाराष्ट्र सहित 20 से अधिक राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया है। जमीनी स्तर पर अब करीब साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएं जन-प्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं, जो इन निकायों के कुल सदस्यों का करीब 46 प्रतिशत है। इनमें से कुछ अपने पतियों, भाइयों और बेटों के लिए आड़ का काम कर रही हैं, पर ज्यादा बड़ी संख्या उन महिलाओं की है, जो न केवल सक्रिय हैं, बल्कि अपनी कुशलता साबित कर रही हैं।

इनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं भी जन्म ले रही हैं। ग्राम सभा की सदस्य, जिला स्तर पर जाना चाहती हैं, नगरपालिका की पार्षद विधायक और उससे ऊपर के स्तर पर। उनकी संख्या बढ़ रही है, क्योंकि एक पीढ़ी के बाद दूसरी पीढ़ी भी सामने आ रही है। स्थानीय निकायों के कुल सदस्यों में 46 प्रतिशत महिलाएं हैं, वहीं लोकसभा और विधानसभाओं में यह प्रतिशत काफी कम है। 18वीं लोकसभा में 543 में से 75 महिला सांसद (लगभग 14 प्रतिशत) हैं, जो 2024 में चुनाव लड़कर आई हैं। राज्यसभा में लगभग 39 (17 प्रतिशत) महिला सदस्य हैं। वहीं एडीआर की एक रिपोर्ट के अनुसार, 4,666 सांसदों/विधायकों में से केवल 464 यानी 10 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह असंतुलन है, जिसे अब महिलाएं ही आगे बढ़कर दूर करेंगी।

किसानों और कृषि के सामने मानसून का जोखिम

हाल ही में विश्व बैंक ने कहा है कि वर्ष 2026 में कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने और विकास दर में कमी की चुनौती होगी। भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। स्काईमेट की रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन में 5 प्रतिशत कम-ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाने वाली दलहन-तिलहन फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बढ़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल कृषि, वरन अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। पेयजल समस्या बढ़ सकती है।

डॉ. जयंतीलाल भंडारी
लेखक अर्थशास्त्री हैं

नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मॉनसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और

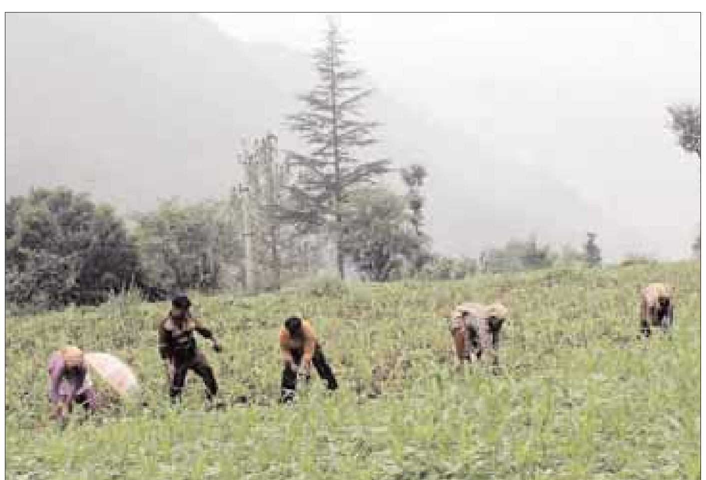

औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मॉनसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी है। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मॉनसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। केंद्रीय जल आयोग देश में कुल 183.565 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) क्षमता वाले 166 प्रमुख जलाशयों के भंडारण पर नजर रखता है। इस समय इन जलाशयों में कुल क्षमता का 44.71 प्रतिशत है। हाल में इसमें तेजी से कमी आई है। वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी पिछले वर्ष के 328.04 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है। ये एक और अच्छी फसल की संभावना का संकेत देता है। एफसीआई के पास केंद्रीय पूल में एक अप्रैल 2026 को लगभग गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का उपलब्ध स्टॉक खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की मजबूती है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रकाशित निर्यात आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 55 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कृषि निर्यात के लिए देश के कृषि निर्यात परिदृश्य पर यह उभकर दिखाई दे रहा है कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात चार गुना, फलों और दालों का निर्यात तीन गुना, खाद्यान्न का निर्यात दो गुना और चावल के निर्यात में करीब 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। भारत सरकार ने घरेलू बाजारों को स्थिर करने और उत्पादकों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक और किसान-केंद्रित कदम उठाते हुए 50 लाख मीट्रिक टन गेहूं और अतिरिक्त 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दे दी है। लेकिन कमजोर मानसून के चलते आगामी निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए सजगता रखी जाए। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। निस्संदेह, कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। इस समय जो खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत है, उसके बढ़ने की आशंका होगी। अतएव मूल्यों की रोकथाम की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा। सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा।

गिरावट के दौर में बिल का गिरना

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल गिर गया। बिल तो गिरा, लेकिन असली गिरावट तो घर-घर में दिख रही है। आज की भागती-दौड़ती जिंदगी में सुबह दफ्तर की कॉल, दोपहर बच्चों के स्कूल प्रोजेक्ट, शाम कुत्ते की भौं-भौं और रात सास की पूछताछ- यह मल्टीटास्किंग इतना भारी पड़ता है कि कोई भी शेरनी आखिरकार माउस में बदल जाती है। असली संघर्ष तो हर महिला को अपने घर के अखाड़े में लड़ना पड़ रहा है।

बिल गिरने पर बाबू भैया ने कहा- 'चिंता मत करो, सीक्वेल आएगा।' जैसे हेराफेरी के बाद फिर हेराफेरी आई थी। अजय देवगन गोलमाल में मुस्कुराते रहे, सनी देओल ने गदर-2 में दिखा दिया कि सीक्वल कभी-कभी ओरिजिनल से भी ज्यादा धमाका कर देते हैं। राजनीति की बात करते-करते गदर और हेराफेरी का जिक्र आते ही ट्रंप और होर्मुज स्ट्रेट की फिल्मी कहानी शुरू हो जाती है। होर्मुज का मामला अब पूरी तरह फिल्मी हो गया है। ईरान जहाजों से कह रहा है- 'टोल चुकाओ और जी लो।' वहीं ट्रंप मुगले-आजम स्टाइल में नाकाबंदी का ऐलान कर रहे हैं- 'ईरान तुम्हें रुकने नहीं देगा और हम तुम्हें निकलने नहीं देंगे।' अगर यह खेल जल्दी नहीं थमा तो भारत में जल्द ही नई फिल्म रिलीज होगी- 'महंगाई के शोले।' तेल की कीमतें आसमान छूएंगी और आम आदमी लोकल सरकार को कोसेगा।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने ट्रंप से पूछा- 'दुश्मनों से लड़ते-लड़ते अब दोस्तों से भी लड़ाई? हम तो दोस्त थे।' ट्रंप का जवाब था- 'हमारी डिक्शनरी में कोई परमानेंट दोस्त नहीं है। हर देश टेम्परेरी डील है। या तो सुपरहिट डील, या फिर फ्लॉप डील।' ट्रंप को हमेशा सबसे खास बनने का शौक रहा है। उन्होंने एक बार गालिब से पूछा- 'मेरे बारे में आपकी राय?' गालिब ने जवाब दिया, 'नहीं मालूम अगर सांप का मंत्र है तो न फंसो, हाथ उस सांप की बांबी में न डालो, अच्छा है। और तो कुछ नहीं हजरत-ए-माचिस, लेकिन आप में आग लगाने का कमाल तो बेहद अच्छा है।' इसके बाद गालिब ने असली कमाल दिखाया- तेजी से भागने में। फिल्मी दुनिया में 'भूत बंगला' जैसी फिल्में बताती हैं कि भारत में भूत भी अब इलीट क्लास के हो गए हैं। वे सिर्फ बंगलों और हवेलियों में ही सताते हैं, झुग्गी या वन रूम सेट में उनकी एंट्री नहीं होती। हॉरर फिल्में अब कॉमेडी लगने लगी हैं और कॉमेडी फिल्में हॉरर शो। भूतों को भी अब आम आदमी के बीच आकर थोड़ा रियलिटी चेक करना चाहिए।

- आलोक पुराणिक

मजबूत तूफान ले रहे भारत का इम्तिहान

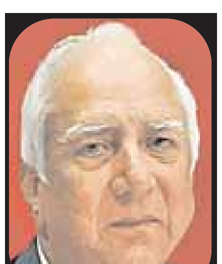
गुरबचन जगत
लेखक मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर में पुलिस महानिदेशक रहे हैं

भारत एक और चुनावी दौर से गुजर रहा है। राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं और मुद्दे राज्य और राष्ट्रीय, दोनों स्तरों के हैं। चुनावों के बीच ही, केंद्र सरकार ने जल्दबाजी में संसद में महिलाओं के लिए कोटा और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन पर विवादित बिल पास करवाने की कोशिश की। इन कोशिशों का नतीजा जो भी हो, लेकिन इनसे राष्ट्रीय मुद्दों से ध्यान भटक जाता है। आज अंतर्राष्ट्रीय संकटों से हमारी अर्थव्यवस्था को खतरा बन रहा है। हमें गैस की कमी होने की आहट मिल रही है, जिससे रसायन, खाद, सिरेमिक, शीशा और वस्त्र उद्योग से लेकर आम रेस्तरां जैसे कामधंधे गहरे तक प्रभावित हो सकते हैं। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी का असर हवाई किराये और इंडस्ट्रियल डीज़ल पर साफ़ दिखा है। देश सांस रोके हुए है कि चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें कहां जाएंगी। महंगाई अधिकांश घरेलू वस्तुओं को प्रभावित कर रही है, और आपूर्ति श्रृंखला में पड़े व्यवधान से प्रभावित हुई व्यवस्था में दुकानदार कीमतें बढ़ा रहे हैं। मध्य-पूर्व से बड़े पैमाने पर कारोबार करने वाले व्यापारिक घराने सरकार से राहत की गुहार लगा रहे हैं। खाद उत्पादन और आयात में बड़े पैमाने पर रुकावट बनने से खाद्य आत्मनिर्भरता खतरे में पड़ गई है।

खाड़ी देश अब वैश्विक खाद्य आर्थिकी का एक अभिन्न अंग हैं। जिन रास्तों से होकर मध्य पूर्व, केंद्रीय और पूर्वी एशिया के अधिकांश हिस्से की जरूरत का खाद्य एवं कृषि उत्पादन गुजरता है, उस पर उनका नियंत्रण है... खाड़ी क्षेत्र में युद्ध का आसन्न परिणाम अकाल और खाद्य असुरक्षा है। इस सच्चाई का वजन उस दुनिया पर भारी पड़ने वाला है जो लड़ाई के असर को तेल की कीमतों में अस्थिरता के संकीर्ण चश्मे से देख रही है।' यह सब ऐसे वक्त में हो रहा है जब उद्योग-धंधे पहले से ही अमेरिका द्वारा लगाए भारी टैरिफ के प्रभावों से उबरने में जूझ रहे हैं। मार्च माह में भारत को मिले कच्चे तेल की औसत खरीद कीमत 125 डॉलर थी, जो मध्य-पूर्व में लड़ाई की वजह से बीच-बीच में 150 डॉलर तक पहुंची थी। यदि युद्धविराम जारी रहे, तब भी कीमतें ऊंची बनी रहेंगी क्योंकि खाड़ी देशों के तेल उत्पादन-वितरण ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। इस परिदृश्य में महंगाई बढ़ना तय है, जब तक कि नई आपूर्ति लाइनें विकसित करने और कुछ पुरानी (रूसी) सप्लाई लाइनों को बहाल करने

के वास्ते बड़े कदम नहीं उठाए जाते। जरूरत है युद्धस्तर पर राजनयिक संवाद पुन: स्थापित करने की, असफलता नुकसानदायक होगी। निस्संदेह, ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी से ज़्यादातर दूसरी चीज़ों और सेवाओं की कीमतों में क्रमवार उछाल आना स्वाभाविक है, क्योंकि उत्पादन एवं परिवहन लागत पर काफी असर पड़ेगा। युद्ध के व्यवधानों से इकाइयां बंद हो रही हैं, जिससे बेरोज़गारी बढ़ रही है। इसका असर नोएडा में हाल ही में दिखा। जहां निराश कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे थे और हिंसक भी हो रहे हैं। इस स्थिति का इस्तेमाल दुश्मन ताकतें कर सकती हैं। इससे अर्थव्यवस्था को खतरा है; वहीं कूटनीतिक रूप से हम खुद को दलदल में फंसे पा रहे हैं।

वर्ष 1999 का कारगिल युद्ध भारत ने निर्णायक तौर पर जीता और विदेशी घुसपैठिए सैनिकों को खदेड़ा था। उस वक्त भारत को सशक्त राजनयिक समर्थन हासिल हुआ। विदेशी नीति एवं कूटनीतिक संबंधों में एक साथ सफलता मिली। रेखांकित करना चाहूंगा-उस साल जून में कोलोन शिखर वार्ता के दौरान, जी-8 ने पाक द्वारा एलओसी उल्लंघन करने की आलोचना कर भारत का समर्थन किया। यूरोपियन यूनियन ने भी पाक की ताड़ना की और क्षेत्र में भाईचारा बनाए रखने की भारतीय कोशिशों को सराहा। चीन ने तटस्थता बनाए रख दोनों पक्षों से एलओसी का सम्मान करने को आग्रह किया। तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पाक के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया और कहा कि तुरंत बिना शर्त अपने सैनिकों को नियंत्रण रेखा से अपने इलाके में वापस बुलाए। पुराने सहयोगी रूस ने, कूटनीतिक रूप से और सैन्य साजो-सामान से हमारा साथ निभाया। भारत को व्यापक समर्थन मिला और पाक अलग-थलग पड़ गया। प्रतिबंधों से आतंकवाद का प्रायोजक बनने तक सिमट गया। आज, वही दुनिया अलग है। जब अमेरिका ने ईरान के साथ वार्ता करनी चाही, तो उसने पाकिस्तान और उसके फील्ड मार्शल की मदद ली। ईरान भी पाकिस्तान की भूमिका पर सहमत हुआ और मध्यस्थता स्वीकारी। पाक ने अक्तूबर, 2024 में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना के तहत बीआरआई के माध्यम से एक महत्वपूर्ण रणनीतिक धुरी बना हुआ है। वहीं इस्लामाबाद-तेहरान-इस्ताम्बुल रेललाइन को पुन: चालू किया जा रहा है। इससे पाकिस्तान के संबंध चीन, तुर्की और केंद्रीय एशिया के साथ और प्रगाढ़ होंगे। दूसरी तरफ, चाबहार बंदरगाह हमारे हाथ से जाता रहा, जो ईरान और मध्य एशिया तक पहुंच बनाने में हमारे लिए एक अहम कड़ी था। पाक बांग्लादेश के साथ राजनयिक संबंध पुन: स्थापित कर आर्थिक-रणनीतिक मोर्चे पर तेजी से बढ़ रहा है। पाक को सुरक्षा परिषद में भी अस्थाई सदस्यता मिली है। आज, पश्चिमी मोर्चे पर हमारा सामना पाक से है, उत्तर और पूर्वी सीमा पर चीन से और पूर्व में ही बांग्लादेश से है। मई, 2025 के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, चीन ने पाक को महत्वपूर्ण मदद पहुंचाई। क्या ऐसा इसलिए कि बदनाम-दिवालिया होने के बाद, पाकिस्तानियों ने विनम्रता अपनाई जबकि हमने अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था के गुमान में सौदबाजी करना चुना। हाल के सभी युद्धों और झगड़ों के दौरान, हमने चुप्पी साधे रखी (और इसे रणनीतिक चुप्पी बताया जा रहा है)। कहीं न कहीं हमारी नीति भटक गई है। बड़े टकरावों में शांति वार्ता स्थापना प्रक्रिया का हम हिस्सा नहीं हैं, लेकिन सनद रहे कि हमारे राजनीतिक दल पूरी तरह से विधानसभा चुनावों में व्यस्त हैं और उनके पास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के लिए कोई समय नहीं है। उम्मीद है यह तूफ़ान गुज़र जाएगा और हमें अपने अकेलेपन से जूझता छोड़कर।

हर चीज का सही वक्त होता है

भविष्य में भारत की भूमिका संभव, ईरान-यूएस मध्यस्थता पर बोले राजनाथ

नई दिल्ली

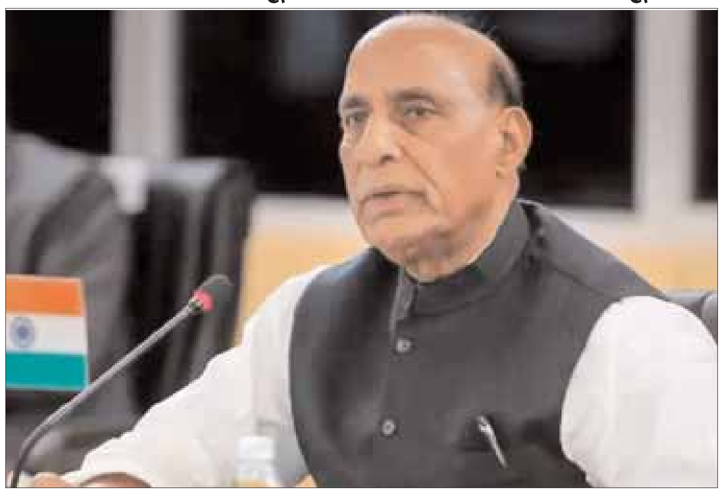

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत की भूमिका को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। जर्मनी में मौजूद भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने साफ कहा कि अभी हालात जैसे हैं, उसमें भारत सीधे मध्यस्थता नहीं कर रहा, लेकिन भविष्य में इसकी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। राजनाथ सिंह ने कहा, भारत ने अपनी तरफ से कोशिश भी की है। प्रधानमंत्री ने दोनों पक्षों से युद्ध समाप्त करने की अपील की है। लेकिन आप जानते हैं कि हर चीज का एक सही समय होता है। हो सकता है कि आगे चलकर वो समय आए, जब भारत अपनी भूमिका निभाए और उसमें सफलता भी मिले। राजनाथ सिंह का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की कोशिशें खास कामयाब नहीं हो पाईं। ऐसे में अब नजरें इस बात पर हैं कि क्या कोई तीसरा देश बीच में आकर हालात संभाल सकता है। राजनाथ सिंह ने यह भी साफ किया कि कूटनीतिक मामलों में भारत का रुख संतुलित रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का नजरिया हमेशा संतुलन और बातचीत पर आधारित रहा है, और भारत लगातार यही चाहता है कि जंग खत्म हो और शांति कायम हो। इससे पहले भी राजनाथ सिंह ने जर्मनी में अपने संबोधन में कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट में हो रही रुकावटें भारत के लिए सीधे असर डालने वाली हैं। उन्होंने कहा, हमारी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा वेस्ट एशिया से आता है, ऐसे में वहां का कोई भी संकट हमारे लिए अहम हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के दौर में किसी भी क्षेत्रीय संकट को सिर्फ एक इलाके तक सीमित नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा, इसके असर पूरी दुनिया पर पड़ते हैं। चाहे वह ऊर्जा सुरक्षा हो, खाद्य सुरक्षा हो या आर्थिक स्थिरता। भारत और जर्मनी के रिश्तों पर बात करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि दोनों देश रक्षा और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज के समय में भरोसेमंद साझेदारी और मिलकर काम करना बेहद जरूरी है।

पाकिस्तान और अन्य देशों की स्थिति क्या?

शांति की कोशिशों के बीच पाकिस्तान के अधिकारी अभी भी ईरान की तरफ से किसी सकारात्मक जवाब का इंतजार कर रहे हैं। इस्लामाबाद अगले दौर की वार्ता की मेजबानी करना चाहता है, लेकिन ईरान ने अब तक अपने प्रतिनिधिमंडल को भेजने की पुष्टि नहीं की है। मिस्र में मौजूद ईरानी राजनयिक मुजतबा फिरदौसी पोर ने साफ कर दिया है कि जब तक अमेरिका अपनी घेराबंदी खत्म नहीं करता, तब तक कोई भी ईरानी दल पाकिस्तान नहीं जाएगा। इससे साफ है कि कूटनीति इस वक्त पूरी तरह ठप पड़ी है और हथियारों की होड़ बढ़ती जा रही है। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों से शुरू हुए इस युद्ध ने अब तक हजारों लोगों की बलि ले ली है। आंकड़ों के मुताबिक, ईरान में अब तक कम से कम 3,375 लोग मारे जा चुके हैं। लेबनान में भी स्थिति भयावह है, जहां 2,290 से ज्यादा लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। इस्राइल में 23 नागरिक और लेबनान में लड़ रहे 15 सैनिक मारे गए हैं। वहीं, खाड़ी देशों में भी एक दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। क्षेत्र में तैनात 13 अमेरिकी सैनिकों ने भी इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई है। ईरान के तेवर फिलहाल नरम पड़ते नहीं दिख रहे हैं। रिवोल्यूशनरी गार्ड ने धमकी दी है कि वे दुश्मन की कल्पना से परे जाकर करारा प्रहार करेंगे। ईरान में कट्टरपंथी समर्थक रैलियां निकाल रहे हैं और अपनी मिसाइल ताकत का प्रदर्शन कर रहे हैं। वहीं लेबनान में इस्राइल और हिजबुल्लाह के बीच भी संघर्ष जारी है। हालांकि वहां 10 दिनों का सीजफायर लागू है, लेकिन दोनों तरफ से दावों और जवाबी हमलों ने इसे कमजोर कर दिया है। जब तक कोई ठोस कूटनीतिक समझौता नहीं होता, तब तक समुद्र से लेकर जमीन तक मौत का यह खेल जारी रहने की आशंका है।

मेरे लिए पद से अधिक नैतिकता का महत्व

विवादों के बीच नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने दिया इस्तीफा

काठमांडू। नेपाल के गृह मंत्री सुदन गुरुंग ने बुधवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने यह फैसला नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए और अपने वित्तीय निवेशों (शेयरों) की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए किया है। फेसबुक पर अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए गुरुंग ने कहा कि वह सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी और नैतिक मानकों को बनाए रखना चाहते हैं। नेपाली भाषा में किए गए फेसबुक पोस्ट में उन्होंने लिखा, मैं सुदान गुरुंग 2082 चैत्र 13 से गृहमंत्री की जिम्मेदारी पर ईमानदारी से काम कर रहा हूं। पिछले कुछ समय से उनके शेयरों और संपत्ति को लेकर जनता के बीच कई सवाल उठ रहे थे। गुरुंग ने कहा कि उन्होंने नागरिकों की चिंताओं और टिप्पणियों को बहुत गंभीरता से लिया है। उनके अनुसार, किसी भी पद की तुलना में नैतिकता का वजन यादा होता है और जनता का भरोसा ही सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आज के जेन जेड आंदोलन का भी जिक्र किया। गुरुंग ने कहा कि आज के युवा सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं। उनके मुताबिक, नेतृत्व को हमेशा जवाबदेह होना चाहिए। उन्होंने उन 46 लोगों के बलिदान को याद किया जिनके संघर्ष से यह सरकार बनी है। गुरुंग ने कहा कि जब सरकार पर सवाल उठते हैं, तो नैतिकता ही एकमात्र सही जवाब होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पद पर रहते हुए हितों का टकराव हो सकता था, इसलिए जांच को पारदर्शी बनाने के लिए उन्होंने पद छोड़ना ही बेहतर समझा। पूर्व गृह मंत्री ने मीडिया, युवाओं और आम नागरिकों से ईमानदारी के रास्ते पर चलने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम बदलाव चाहते हैं, तो हमें आत्म-शुद्धि करनी होगी। उन्होंने मीडिया पर भी निशाना साधा और कहा कि कुछ मीडियाकर्मियों के पसंदीदा शेयरों की जानकारी भी समय आने पर सामने आएगी।

प्रदूषण के खिलाफ रेखा सरकार का सख्त एक्शन अब बिना पीयूसी नहीं मिलेगा दिल्ली में ईंधन

दिल्ली

राजधानी दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सख्त निर्णय लिया है। दिल्ली में अब बिना वैध पीयूसी प्रमाणपत्र वाले वाहनों को ईंधन नहीं मिलेगा। सभी पेट्रोल पंपों और एजेंसियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने एक्स अकाउंट पर बुधवार को लिखा, अब बिना वैध 'पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल' प्रमाणपत्र वाले किसी भी वाहन को दिल्ली के फ्यूल स्टेशंस पर पेट्रोल, डीजल, सीएनजी या एलपीजी जैसे ईंधन उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे। वायु प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए कड़े और प्रभावी कदम उठाना समय की आवश्यकता है और हमारी सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता, दृढ़ इच्छाशक्ति और जनहित के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है।

अफ्रीकी देशों पर चीन की धौंस: ताइवान के राष्ट्रपति को टालना पड़ा दौरा, तीन देशों पर अनुमति न देने का दबाव?

बीजिंग

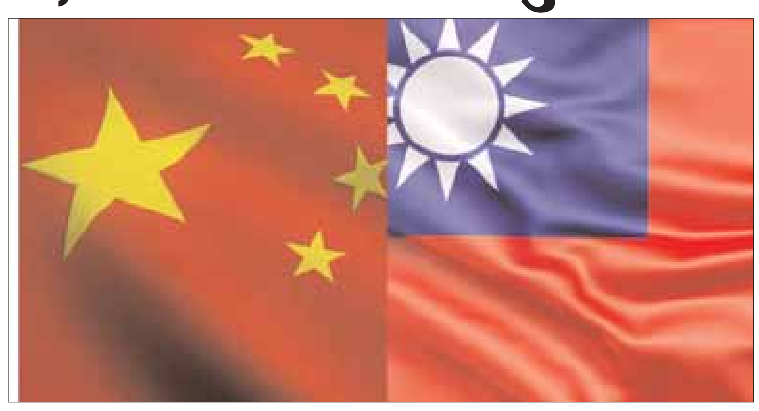

ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते का इस सप्ताह प्रस्तावित अफ्रीका दौरा अचानक स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय ने दावा किया है कि चीन के दबाव के चलते तीन देशों ने उनके विमान को अपने हवाई क्षेत्र से गुजरने की अनुमति वापस ले ली। राष्ट्रपति लाई चिंग-ते को 22 अप्रैल से 26 अप्रैल के बीच इस्वातिनी की यात्रा करनी थी। यह देश अफ्रीका में ताइवान का अंतिम कूटनीतिक सहयोगी माना जाता है। राष्ट्रपति के सचिव पैन मेंग-एन ने बताया कि सेशेल्स, मॉरीशस और मेडागास्कर ने बिना किसी पूर्व सूचना के फ्लाइट परमिट रद्द कर दिए। उन्होंने आरोप लगाया यह फैसला चीन के अधिकारियों के भारी दबाव और आर्थिक प्रभाव के कारण लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि चीन का कथित दबाव अन्य देशों के आंतरिक मामलों में खुला हस्तक्षेप है, यह क्षेत्रीय यथास्थिति को बाधित करता है और ताइवानी लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि वह इन कार्रवाइयों के लिए उच्च प्रशंसा व्यक्त करना चाहता है। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित देशों का एक-चीन सिद्धांत का पालन अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह से अनुपालन है, जो ताइवान पर बीजिंग के दावों के संदर्भ में है। मॉरीशस, सेशेल्स और मेडागास्कर सरकारों ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

लगातार घटते ताइवान के कूटनीतिक संबंध

पिछले कुछ वर्षों में बीजिंग ने ताइवान के राजनयिक सहयोगियों की संख्या कम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसके लिए वह अक्सर कम विकसित देशों में बुनियादी ढांचा और अन्य परियोजनाओं में निवेश करता है। वर्तमान में ताइवान के केवल 12 देशों के साथ ही औपचारिक संबंध बचे हैं, जिनमें अधिकतर लैटिन अमेरिका, कैरिबियन और प्रशांत क्षेत्र के छोटे देश शामिल हैं। हाल ही में जनवरी 2024 में नाउरू ने ताइवान के बजाय चीन को मान्यता दी। इससे पहले 2023 में होंडुरास और 2021 में निकारागुआ भी ऐसा ही कदम उठा चुके हैं।

गहरी साजिश थी नोएडा का उपद्रव, 10 हजार में छह राउंड गोली, पुलिस को मिले इनपुट

नोएडा

10 हजार में छह राउंड गोली चलानी है, कहां भेजना है, आदि के ऑडियो और चौंकाने वाले मैसेज पुलिस को मिले हैं। इससे पता चलता है कि वेतन वृद्धि आंदोलन की आड़ में 13 अप्रैल को नोएडा में हिंसा फैलाकर यहां औद्योगिक उत्पादन ठप करने की गहरी साजिश थी। दरअसल, जिस तरह से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यीडा में कुछ समय से बड़े पैमाने पर औद्योगिक पूंजी निवेश हुआ है। बहुराष्ट्रीय इकाइयां स्थापित हुई हैं, उससे गौतमबुद्ध नगर ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश विकास के मॉडल के रूप में अंतरराष्ट्रीय पटल पर उभरा है। सूत्रों का दावा है कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा में विरोध प्रदर्शन के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश को बदनाम करने की साजिश थी, ताकि यहां पूंजी निवेश को प्रभावित कर सकें। इसलिए उपद्रव की साजिश रची गई। जांच में यह भी बात सामने आई है कि एक अप्रैल को एक अन्य संगठन सीटू ने भी काला दिवस मानकर चेतावनी दी थी कि 15 दिन में नोएडा में बड़ा आंदोलन होगा। इससे लगता है कि उपद्रव की पटकथा नियोजित तरीके से पूर्व में लिखी जा चुकी थी। इसमें शामिल लोगों को पुलिस चिह्नित करने और पकड़ने में जुटी है। उधर, पुलिस रूपेश राय, सृष्टि, मनीषा और आकृति को रिमांड पर लेकर हिंसा के बारे में जानकारी कर रही। कुछ अहम सुराग पुलिस को हाथ लगे हैं। यह भी पता चला है कि मजदूर बिगुल संगठन श्रमिकों को भड़काने के लिए अपने ऑनलाइन पोर्टल व वेबसाइट का भी दुरुपयोग करता था। इसके जरिए श्रमिकों को भड़काने का काम किया जाता था।

1996 में शुरू किया था मजदूर बिगल अखबार- संगठन ने 1996 में मजदूर बिगल अखबार भी शुरू किया था। कई ऐसे लोगों के आलेख भी ऑनलाइन पोस्ट कर रखे हैं, जिनमें मजदूरों के दमन की बात लिखी है। तीन हजार रुपये में संगठन की आजीवन सदस्यता देते थे। इसका संचालन लखनऊ से होता है, लेकिन पूरे देश में इसके नेटवर्क की जड़े फैली हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र व हरियाणा में नेटवर्क है।

शादी से पहले मामी ले भागा दूल्हा

फंस गया 14 साल का छोटा भाई, 26 की दुल्हन से कराई जा रही थी शादी, पढ़ें मामला

एटा

एटा के थाना पिलुआ क्षेत्र के एक गांव में चाइल्ड हेल्पलाइन टीम ने एक नाबालिग की शादी रुकवाई। यहां पर उसकी शादी एक 26 वर्षीय युवती के साथ कराई जा रही थी, लेकिन नाबालिग के भाई का प्रेम संबंध उसकी मामी से चल रहा था। वह मामी को लेकर चला गया। इसके बाद शादी की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए छोटे बेटे से शादी कराई जा रही थी। जिले के पिलुआ थाना क्षेत्र के गांव में एक नाबालिग किशोर का बाल विवाह रुकवाया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम को सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर 14 वर्षीय किशोर का बाल विवाह होने से बचाया। चाइल्ड हेल्पलाइन प्रभारी ज्योति शर्मा ने बताया कि गांव के युवक की बरात मंगलवार को फिरोजाबाद जानी थी। घर में बरात जाने की तैयारी चल रही थी। इसी दौरान दोपहर में युवक घरवालों को पार्लर पर जाने की कहकर गाड़ी लेकर चला गया और अपनी मामी को भी साथ ले गया। जब वह शाम तक नहीं लौटा तो पता चला कि वह अपनी मामी को लेकर चला गया है। इसके बाद घर वालों ने छोटे लड़के की शादी कराने की तैयारी की लेकिन सूचना मिलते ही मौके पर चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम पहुंच गई।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

45 की उम्र में डेब्यू करेंगी रणबीर कपूर की बहन, फैंस देखकर बोले- ये तो खानदानी एक्टर

नई दिल्ली। कामेडियन-एक्टर कपिल शर्मा बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। कॉमेडियन इस बार एक फैमिली ड्रामा लेकर आ रहे हैं, जो पहले से ही ऑनलाइन धूम मचा रही है। कपिल की नई फिल्म का नाम दादी की शादी है जिसका हाल ही में ट्रेलर रिलीज हुआ। कपिल शर्मा के अलावा फिल्म में नीतू कपूर, रिद्धिमा कपूर साहनी, सरथ कुमार और सादिया खातिब जैसे सितारे नजर आएंगे। फिल्म में हंसी, पागलपन और इमोशन्स का पूरा रोलरकोस्टर देखने को मिलेगा।

क्या है फिल्म की कहानी?

ये कहानी है टोनी (कपिल शर्मा) की जिसके लिए दुल्हन ढूंढी जा रही है। टोनी को तीन साल हो गए लेकिन मैचमेकर एक भी अच्छी लड़की नहीं तलाश कर पाया। आखिरकार टोनी के लिए रिश्ता मिल जाता है और सादिया खातीब से उनका रिश्ता पक्का हो जाता है। लेकिन यहीं से कहानी में बड़ा ट्विस्ट आता है. सादिया की मां यानि नीतू कपूर दादी-नानी की उम्र में शादी करने का फैसला लेती है। इस फिल्म से नीतू कपूर और ऋषि कपूर की बेटी रिद्धिमा भी बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

कहानी में तब और भी रोमांच आ जाता है जब टोनी के दादाजी (योगराज सिंह) इस विचार का कड़ा विरोध करते हैं। वो कहते हैं कि अगर दादी इस उम्र में शादी करेंगी तो टोनी को अपनी शादी रद्द करनी होगी। इन सबके बीच, टोनी अपनी दादीजी के जीवन के रहस्यमय व्यक्ति का पता लगाने का बीड़ा उठाता है, जिससे कहानी में एक मजेदार जासूसी मोड़ आ जाता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

दादी की शादी' एक ऐसी फैमिली ड्रामा फिल्म होने वाली है जो रिश्तों और दूसरे मौके का जश्न बेहद मनोरंजक अंदाज में मनाती है। फिल्म दर्शकों के बीच पहले से ही उत्साह पैदा कर चुकी है। 'दादी की शादी' 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आशीष आर. मोहन ने फिल्म का डायरेक्शन किया है।

ऐसा नहीं था कि मेरे पास 5 करोड़ नहीं थे पर...

राजपाल यादव ने चेक बाउंस केस की खुलकर बताई सच्चाई

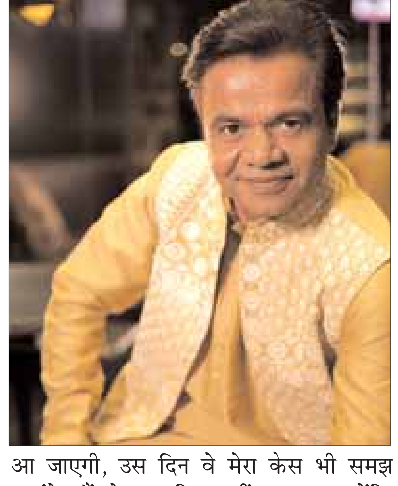

9 करोड़ रुपये के चेक बाउंस मामले में मशहूर अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव ने 5 फरवरी 2026 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में सरेंडर किया था। हालांकि, कुछ दिनों बाद बकाया राशि का कुछ हिस्सा जमा करने की शर्त पर कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दे दी थी। अब अपनी जिंदगी के इस सबसे बड़े विवाद पर राजपाल यादव ने खुलकर बात की है। उन्होंने इंडस्ट्री से मिलने वाले सपोर्ट और लोगों की राय के बारे में तो बताया ही, साथ ही यह भी खुलासा किया कि वह जेल इसलिए नहीं गए थे क्योंकि उनके पास 5 करोड़ रुपये नहीं थे, बल्कि इसकी वजह कुछ और ही थी। आखिर राजपाल यादव ने सरेंडर क्यों किया था? राजपाल यादव ने हाल ही में शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में अपने इस पुराने विवाद पर खुलकर बातचीत की। जब उनसे पूछा गया कि आपने 250 से ज्यादा फिल्में की हैं, ऐसे में लोगों को लगता है कि आपके लिए 5 करोड़ रुपये चुकाना कोई मुश्किल काम नहीं था? इस पर राजपाल यादव ने तुरंत जवाब देते हुए कहा, यही मेरा सवाल है। जिस दिन लोगों को यह बात समझ आ जाएगी, उस दिन वे मेरा केस भी समझ जाएंगे। मैं जेल इसलिए नहीं गया था क्योंकि मेरे पास पैसे नहीं थे। यह उससे भी बड़े मुद्दे और सिद्धांत का मामला था। अभिनेता ने यह भी दावा किया कि इस विवाद की वजह से उन्हें 17 से 22 करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलना पड़ा। उन्होंने कहा, प्रोजेक्ट पर पहले ही 12 करोड़ रुपये लग चुके थे और आगे चलकर यह 22 करोड़ का प्रोजेक्ट बन गया। अगर किसी प्रोजेक्ट में आपका दुश्मन भी शामिल हो, तो भी उसे रिलीज होने देना चाहिए। आप दर्शकों को फैसला करने दें। इंडस्ट्री में 100 फिल्में बनती हैं, जिनमें से 80 फेल होती हैं और सिर्फ 20 ही पास होती हैं। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आपने किसी के साथ फ्रॉड किया है।

क्या मुश्किल वक्त में इंडस्ट्री ने किया सपोर्ट?

जब राजपाल यादव इस मुश्किल घड़ी से गुजर रहे थे, तो क्या बॉलीवुड स्टार्स उनके साथ खड़े थे? इस सवाल का जवाब देते हुए अभिनेता ने कहा, पिछले 25 सालों में... मेरे गांव से लेकर मुंबई तक, ऐसा कोई इंसान नहीं है जो मेरे साथ खड़ा न हुआ हो। ऐसा कोई भी निर्देशक या निर्माता नहीं है, जिसने मुझे काम के लिए दोबारा न बुलाया हो। अगर इंडस्ट्री मेरे साथ नहीं होती, तो मैं इतनी सारी फिल्में कैसे कर पाता?

बेल शरबत एवं सत्तू किया वितरित

नरसिंहपुर

वैशाख माह की भीषण गर्मी एवं तपन के बीच आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से लीनेस वीरांगना क्लब द्वारा लक्ष्मी मंदिर, नगरपालिका चौक पर बेल शरबत एवं सत्तू का वितरण किया गया। नगर के प्रमुख आवागमन स्थल पर आयोजित इस सेवा कार्य से बड़ी संख्या में राहगीरों ने लाभ उठाया और क्लब की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की गई।यह सेवा कार्यक्रम एरिया ऑफिसर ली. रूपकला कटारे एवं अध्यक्ष ली. पूनम जैन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर माइक्रो चेयरपर्सन ली. सविता महोबिया की सक्रियता, समर्पण एवं सेवा भाव विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा।कार्यक्रम में एरिया ऑफिसर ली. रूपकला कटारे, अध्यक्ष पूनम जैन, सचिव रजनी राजोरिया, माइक्रो चेयरपर्सन सविता महोबिया एवं शोभा पाल, सदस्य रजनी सिंघई, नीता राय, रेनू नौरिया, माधुरी यादव एवं अनीता मेहरा सहित सदस्याएं उपस्थित रहीं।

छात्राओं ने बोर्ड परीक्षाओं में फहराया परचम

नरसिंहपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा संचालित वर्ष 2026 की कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने पूरे जिले में अपना परचम फहराया है कक्षा बारहवीं में अधिकांश छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई है कक्षा 12वीं की कॉमर्स संकाय की छात्रा कुमारी स्नेहा शरद साहू ने 94.02त्न अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया साथ ही कला संकाय की छात्रा हेमलता कोरी ने भी 93.02 त्नअंक प्राप्त कर संस्था में द्वितीय स्थान प्राप्त किया एवं जिले की प्रवीण सूची में अपना स्थान बनाया इसी प्रकार कक्षा दसवीं में कुमारी आकांक्षा मेहरा ने 97त्न अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 99.12त्न एवं कक्षा बारहवीं का परीक्षा परिणाम 98.2त्न रहा इस प्रकार दोनों ही कक्षाओं के परीक्षा परिणाम श्रेष्ठतम रहे इस उपलब्धि के लिए संस्था की प्राचार्य श्रीमती आशा नेमा ने संपूर्ण शाला परिवार एवं शिक्षकों को बधाई दी और उनके सहयोग और सामंजस्य और शैक्षणिक कार्यों के लिए किया जा रहे नवाचारों की सराहना की। साथ ही छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए मेधावी छात्राओं का सम्मान किया गया।

वन विभाग की जमीन पर कब्जा करने वालों को सजा

नरसिंहपुर। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नरसिंहपुर श्री राकेश सनोडिया ने वन विभाग की भूमि पर कब्जा करने वाले आरोपियों कल्याण सिंह गौंड उम्र 43 साल, राजेश ठाकुर उम्र 35 साल, भाईलाल ठाकुर उम्र 34 साल, मुकेश ठाकुर उम्र 43 साल सभी निवासी ग्राम सुकरी, थाना गोटेगांव जिला नरसिंहपुर को पृथक पृथक सभी आरोपियों को धारा-33(1)(ग) भा.वन अधि. में 1-1 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10-10 हजार रूपये के अर्थदंड दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार दिनांक 06.11.2022 को वन परिक्षेत्र गोटेगांव के अधीनस्थ कर्मचारी कुण्डा बीट में गश्ती कर रहे थे, तब कक्ष क्रमांक पी-9 में उन्होंने देखा कि वनभूमि के अंदर कुछ व्यक्ति बखर चलाकर अतिक्रमण का प्रयास कर रहे हैं, वन कर्मचारियों द्वारा उन व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उनके द्वारा अपने नाम क्रमशः कल्याण पिता झुम्मक गौंड, भाईलाल पिता श्रीराम गौंड, राजेश पिता नारायण गौंड़, मुकेश पिता अच्छेलाल गांड सभी साकिन सुकरी, थाना गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर (म.प्र.) का होना बताया, जिनसे जमीन के पट्टा आदि दस्तावेज के बारे में पूछताछ की गई, उनके पास कोई वैधानिक दस्तावेज/पट्टा/अभिलेख आदि नहीं होना बताया,तब मौके पर जप्तीनामा एवं पंचनामा तैयार कर विधिवत् कार्यवाही की गई और आरोपीगण के विरूद्ध वन अपराध पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण की जांच कार्यवाही की गई, साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये, आरोपीगण द्वारा भारतीय वन अधिनियम, 1927 की धारा 33(1)(ग) के तहत किये गये वन अपराध में संपूर्ण विवेचना उपरांत सक्षम प्राधिकारी वनपरिक्षेत्र अधिकारी गोटेगांव के द्वारा परिवाद पत्र न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय में शासन की ओर से मामले की पैरवी उप निदेशक अभियोजन श्री रामकुमार पटेल के निर्देशन में सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी, श्री अमित राय द्वारा की गई। अभियोजन के द्वारा साक्षियों का परीक्षण कराया गया तत्पश्चात मौखिक तर्क प्रतुत किये गये जिनसे सहमत होते हुए न्यायालय द्वारा आरोपियों कल्याण सिंह गौंड उम्र 43 साल, राजेश ठाकुर उम्र 35 साल, भाईलाल ठाकुर उम्र 34 साल, मुकेश ठाकुर उम्र 43 साल सभी निवासी ग्राम सुकरी, थाना गोटेगांव जिला नरसिंहपुर को पृथक पृथक सभी आरोपियों को धारा-33(1)(ग) भा.वन अधि. में 1-1 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10-10 हजार रूपये के अर्थदंड दंडित किया है।

कलेक्टर ने सकोरे में भरा पानी

मण्डला(स्वतंत्रमत)

विश्व वसुंधरा दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों की जीवन रक्षा के लिए मिट्टी के पात्र सकोरे में पानी भरकर रखने की पहल की। इस अवसर पर विद्यालयी छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए परिसर के विभिन्न स्थानों पर पानी के पात्र रखे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि जिला अपनी प्राकृतिक सुंदरता और अनुकूल वातावरण के लिए जाना जाता है जो पशु-पक्षियों के लिए एक आदर्श आश्रय स्थल है। कार्यक्रम में एपीसी मुकेश पांडे, प्राचार्य श्रीमती कल्पना नामदेव, तारेंद्र पांडे, राजेश क्षत्री पर्यावरणविद, जिला प्रभारी अखिलेश उपाध्याय, शिक्षकगण तथा विभिन्न विद्यालयों शासकीय हाई स्कूल बिंझिया, सरस्वती शिशु मंदिर, भारत ज्योति विद्यालय और उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राएं एवं अन्य शासकीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

बेनाम जिंदगी, बेआवाज विदाई, घिसरी नदी के नाले में मिली अज्ञात शव की कहानी

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

कभी किसी का अपना रहा एक इंसान, आज गुमनामी में इस दुनिया से विदा हो गया। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगोड़ी और कोहकाडिबर के बीच घिसरी नदी के नाले से बरामद एक अज्ञात व्यक्ति की लाश ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं- वह कौन था, कहाँ से आया था और किन हालातों में उसकी जिंदगी खत्म हो गई।

9 अप्रैल की दोपहर करीब 4 बजे ग्रामीणों की नजर नाले में पड़ी एक निर्वस्त्र लाश पर गई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही हट्टा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद कर जिला अस्पताल बालाघाट के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया।

मृतक की उम्र लगभग 40 से 50 वर्ष के बीच बताई गई है।

पुलिस ने दो दिनों तक पहचान के लिए हरसंभव प्रयास किए। आसपास के गांवों से लेकर जिले के विभिन्न थानों में सूचना भेजी गई, ताकि कोई अपने खोए हुए सदस्य को पहचान सके। लेकिन अफसोस, उस अनजान चेहरे को अपना कहने कोई नहीं आया।

आखिरकार 22 अप्रैल को हट्टा थाना के सहायक उप निरीक्षक दिनेश जायसवाल ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद बालाघाट नगर के जागपुर घाट, वैनगंगा नदी किनारे उस अज्ञात व्यक्ति का अंतिम संस्कार करवा दिया। यह एक ऐसी विदाई थी, जिसमें न कोई अपना था, न कोई आंसू बहाने वाला-सिर्फ खामोशी और अनुत्तरित सवाल।

फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी। हट्टा पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

वित्तीय प्रगति समीक्षा कार्ययोजना पर जोर

मण्डला/निवास(स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत निवास में बैंकर्स की जिला स्तरीय समन्वय समिति (बीएलबीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने की। बैठक में जनपद क्षेत्र के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों एवं विभिन्न ऋण योजनाओं से जुड़े विभागों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई जिसमें जमा वृद्धि, ऋण वितरण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कार्ययोजना तैयार करने पर विशेष बल दिया गया। सभी बैंकों एवं संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए समन्वित प्रयास करने, पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा वित्तीय समावेशन को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए। अध्यक्ष सुजय कुमार ने सभी सहभागी संस्थाओं से अपेक्षा की कि वे आपसी समन्वय और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जिले के समग्र आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित करें।

25 अप्रैल को आएंगे स्वामी इंद्रदेव महाराज, आगमन को लेकर आयोजित बैठक मे बनी रूपरेखा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। आगामी 25 अप्रैल को नगर के नूपुर कान्वेंट स्कूल में अंतराष्ट्रीय कथावाचक महामंडलेश्वर स्वामी इंद्रदेव महाराज का आगमन हो रहा है। इस दौरान इंद्रदेव महाराज भक्तो से संवाद करते हुए आगामी दिनों में होने वाली शिव महापुराण कथा के विषय मे चर्चा करेंगे एवं शिष्यों से भी मुलाक़ात करेंगे। उनके आगमन को लेकर गत दिवस स्थानीय नुपुर स्कूल में एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में सुरेन्द्र नामदेव एवं जितेंद्र नामदेव ने महाराज जी के आगमन एवं उस दौरान होने वाले आयोजन से जुडी जानकारी देते हुए सभी से सहयोग की अपेक्षा जताई एवं आवश्यक सुझाव लिए। इस अवसर पर राजेंद्र नामदेव, राजेंद्र बघेल,दिनेश नामदेव,राजेंद्र तिनगुरिया, ओंकार सेन, प्रकाश बघेल, नर्मदा चरण पटेल, बलराम नामदेव, आशीष भार्गव, सुनील शर्मा, सिद्धार्थ नामदेव, आदि उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद् गाडरवारा में किया गया स्वास्थ्य परिक्षण शिविर का आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका परिषद गाडरवारा ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को दृष्टिगत रखते हुये शासन के द्वारा जारी मार्गदर्शिका में दिये गये दिशा निर्देशा के परिपालन में अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख्य के निर्देशन एवं स्वच्छता नोडल अधिकारी सहायक यंत्री सत्यम जाट के मार्गदर्शन में दिनांक 21.04.2026 दिन मंगलवार को नगर पालिका मंगलभवन में सफाई मित्रों को *स्वास्थ्य परिक्षण शिविर* का आयोजन किया गया। जिसमें नगर पालिका के समस्त सफाई मित्रों, वाहन चालक, हेल्पर एवं निकाय के समस्त अधिकारी/कर्मचारियों ने अपना अपना स्वास्थ्य परिक्षण कराया गया जिसमें स्वास्थ्य विभाग से डॉ. विजय ठगेले, डॉ रिचा वर्मा, मनीश यादव फार्मसिस्ट, पुष्पेन्द्र पटैल लेब टैक्नीशियन, शकील मंसूरी वार्डवाय की संयुक्त टीम के द्वारा जांच परिक्षण एवं आवश्यक दवाएं प्रदाय कर स्वास्थ्य रहने हेतु सलाह दी गई। नगर पालिका से संजय श्रीवास सफाई प्रभारी, पंकज पटैल, करण घारू, कृष्णकांत दुबे, प्रियंका बाल्मीक, मिथलेश गुप्ता, तरूण नौरिया इत्यादि उपस्थित रहे।

पोटर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

नरसिंहपुर। वंसुधरा दिवस के अवसर पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में उत्कृष्ट ईको क्लब ईकाई के अंतर्गत पोटर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हमारी शक्ति,हमारा ग्रह विषय पर किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 09 से 12 तक के 50 छात्र.छात्राओं ने अपनी सहभागिता प्रदान की। प्रतियोगिता में प्रथम अक्षत तिवारी कक्षा 09ए द्वितीय स्थान मानवी मेहरा कक्षा 10 तथा तृतीय स्थान पलक मेहरा कक्षा 09 से प्राप्?त किया। संस्था प्राचार्य श्री जी.एस. पटैल द्वारा समस्त प्रतिभागी छात्र.छात्राओं को प्रदूषण रोकथाम में बच्चों की भूमिका एवं प्लास्टिक का कम उपयोग करने तथा जीव जन्तुओं एवं वनस्पतियों को प्राकृतिक वातारण देने में योगदान सूनिश्चित किया जाने हेतु प्रोत्साहित किया। तत्पश्चाात डॉ.अशोक उदेनिया द्वारा छात्र.छात्राओं को अपने दैनिक जीवन में आस.पास स्वछता तथा पानी बचाने हेतु संकल्पित होने हेतु सुझाव दिया। तत्पश्चात पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के रूप में पक्षियों को जल उपलब्ध कराने हेतु जल पात्र लटकाए गये साथ ही समस्त उपस्थित छात्र.छात्राओं व अभिभावकों से अपने घर एवं परिसर में पक्षियों हेतु जल की यव्स्था करने हेतु अनुरोध किया। इस अवसर पर विद्यालय ईको क्लब प्रभारी श्रीमती सुनीता सोनी, श्री आर.एन.ग्रावत ,श्री नवीन दुबे , श्रीमती रूचि चौबे , सहित समस्त विद्यालय स्टॉफ व उपस्थित अभिभावकों ने इस अभियान को सफल बनाने में योगदान दिया।

आप का गांव अभियान प्रारंभ

मण्डला(स्वतंत्रमत)

आम आदमी पार्टी ने आपके गांव अभियान शुरू किया गया है टीम गांव की समस्याओं को लेकर उस गांव का भ्रमण करती है। इसी क्रम में ब्लॉक मोहगांव के ग्राम सुडगांव भ्रमण किया गया जहां गांव की मुख्य समस्या अधूरी नहर होने के कारण बारिश में पानी का बहाव खेतों की मेढ़ को तोड़कर खेतों में लगी फसल को नुकसान पहुंचा देता था। इस समस्या को लेकर सिंचाई विभाग पहुंचे। जहां अधिकारियों द्वारा नहर की खुदाई कर उसे आगे नाले से जोड़ने का आश्वासन दिया गया। मांग है कि यह कार्य बरसात के पहले कर लिया जाए। ताकि आगामी समय में किसानों को नुकसान न हो। इस दौरान जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, जिला संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी मौजूद रहे।

प्रदेशाध्यक्ष ने ली द्रोपति की जिम्मेदारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला पंचायत उपाध्यक्ष इंजी. कमलेश तेकाम ने जिला पंचायत क्षेत्र भीमडोंगरी करौंदा टोला निवासी वीरवल धुर्वे के निवास पर पहुंचकर उनकी सुपुत्री द्रोपति धुर्वे का सम्मान किया। द्रोपति धुर्वे ने अदम्य साहस दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए दोनों हाथों से दिव्यांग होने के बावजूद पैरों के सहारे 12वीं कक्षा में 65 प्रतिशत अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जिले और मध्य प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया है। इस प्रेरणादायक उपलब्धि पर इंजी. कमलेश तेकाम ने द्रोपति को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने परिवार से चर्चा करते हुए द्रोपति की आगे की पढ़ाई हेतु कॉलेज का सम्पूर्ण खर्च स्वयं वहन करने का आश्वासन दिया। द्रोपति द्वारा आगे पढ़ाई जारी रखने की इच्छा व्यक्त करने पर उसके चेहरे पर आई खुशी ने वहां उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया।

नागरिकों से सहभागिता की अपील

मण्डला(स्वतंत्रमत)। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत स्व-गणना की प्रक्रिया को सरल और डिजिटल बनाने के उद्देश्य से नई व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत नागरिक स्वयं ऑनलाइन माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। यह प्रक्रिया 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित की जा रही है। जनगणना विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार स्व-गणना की प्रक्रिया पांच चरणों में पूरी होगी। पहले चरण में नागरिकों को आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर लॉगिन करना होगा, जहां परिवार के मुखिया का मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाएगा। दूसरे चरण में स्मार्ट जियो-टैग के जरिए अपने मकान की सटीक लोकेशन चिन्हित करनी होगी। इसके बाद तीसरे चरण में घर, सुविधाओं और अन्य आवश्यक जानकारियों का विवरण भरना होगा। चौथे चरण में भरी गई जानकारी की जांच कर उसे सबमिट करना होगा। अंतिम चरण में एसई आईडी का सत्यापन किया जाएगा जो नागरिकों को एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होगी। जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस डिजिटल प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लें, ताकि सटीक और अद्यतन जनसंख्या आंकड़े प्राप्त हो सके।

आद्यगुरू शंकराचार्य जी की जयंती श्रद्धाभाव से मनाई गयी

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। विगत अनेक वर्षों से सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आचार्य शंकर का जन्मोत्सव बड़े श्रद्धा भक्ति से मनाया जाता है इस वर्ष जन्मोत्सव समाज के नवनिर्मित भवन में मनाया गया विधि-विधान से पूजन उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया, आचार्य शंकर का जन्म 788 ई में केरल के कावड़ी नामक गांव में हुआ, आप महान दार्शनिक एवं सनातन धर्म को नवीन दिशा देने बाले संत थे अपने भारतवर्ष की पैदल यात्रा की तथा एकसूत्र में बांधने हेतु चारों दिशाओं में चार मठों की स्थापना करके शंकराचार्यों को सनातन की रक्षा एवं जनकल्याण के लिए आसीन कराया जिनमें पूर्व में गोवर्धन मठ पुरी, पश्चिम में शारदा मठ द्वारका, दक्षिण में श्रृंगेरी मठ कर्नाटक,उत्तर में ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ की स्थापना की , वर्तमान में आद्य शंकराचार्य जी द्वारा स्थापित परम्परा का निर्वहन किया जा रहा है, आचार्य शंकर ने अनेक ग्रंथों की रचना की जिनमें ब्रह्मसूत्र भाष्य, भगवद्गीता भाष्य, उपनिषद भाष्य विवेक चूड़ामणि, सौन्दर्य लहरी आदि प्रमुख हैं, सुप्रसिद्ध जन जन में जन जन में लोकप्रिय नर्मदाष्टक की रचना भी आपने की,आपको 8 वर्ष की आयु में समस्त वेद शास्त्र कंठस्थ थे आपने 12 वर्ष की आयु में संन्यास ले लिया तथा 16 वर्ष की आयु में समस्त भाष्यों की रचना की ,आपका जीवन 32 वर्ष रहा पर हजारों वर्षों का कार्य करके आप इस धरा से विदा हुए, भगवान केदारनाथ के चरणों में आपकी समाधी आज भी सनातनियों के लिए आस्था का केन्द्र है। अन्त में सामूहिक नर्मदाष्टक से कार्यक्रम का समापन हुआ,इस अवसर पर अनेक विप्रजन उपस्थित रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उद्घोषणा

रा.मा.क्र. 213 अ-20(1) सन् 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेख अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्रवाई इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 15/05/2026 को प्रातः 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष या स्वंय या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हों या वैध प्रतिनिधि के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

नजूल शीट क्रमांक	नगरीय क्षे. का नाम	प्लाट नं.	रकबा	विद्यमान अभिलेख में अंकित/धारक/धारकों के नाम/ पिता/माता/ पिता का नाम तथा पूर्ण पता	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/ पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष में प्रकरण विचाराधीन है
1	2	3	4	5	6
16	कंदेली	16/2	330 वर्गफुट	श्रीमति बबीता चौरसिया पति गोपाल चौरसिया निवासी पाठक वार्ड कंदेली	श्रीमति बबीता चौरसिया पति गोपाल चौरसिया निवासी पाठक वार्ड कंदेली

आज दिनांक 2/4/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

नजूल अधिकारी, नरसिंहपुर

बारात में बवाल, दो एसआई लाइन अटैच

हुड़दंग रोकना महंगा पड़ा पुलिस को, पीड़ित पक्ष की शिकायत के बाद एसपी ने की कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)

कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत इंद्रानगर में सोमवार-मंगलवार की रात दो बजे शराब के नशे में बारातियों द्वारा किये जा रहे हुड़दंग को रोकना दो पुलिस अधिकारियों को महंगा पड़ गया। पहले तो बारातियों ने डायल 112 के पुलिस कर्मियों पर पथराव किया और जब पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो बारात में लोगों ने पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई की। बाद में जब खबर मिलने पर अन्य थानों का स्टाफ मौके पर पहुंचा और समझाईश देने का प्रयास किया, तब लोग गाली-गलौज और मारपीट पर उतर आए। पुलिस कर्मियों पर छतों से पत्थर और बर्तन फेंके गए। घटना के दौरान यह पूरा मामला मोबाइल में कैद हो गया और वीडियो में पुलिस अधिकारी लोगों के साथ मारपीट करते नजर आए, जिसके आधार पर एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने शिकायत मिलने पर दो पुलिस उपनिरीक्षकों को लाइन अटैच कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत इंद्रानगर निवासी राहुल चौधरी की बहन का विवाह समारोह आयोजित था, जिसमें मैहर जिले के अमदरा से बारात आई थी। रात करीब 1 बजे बारात पहुंची और देर रात डीजे व बैंडबाजों के साथ बारात निकाली जा रही थी। तेज आवाज में गाने बजाने का स्थानीय लोगों ने विरोध किया तो बारातियों ने उनके साथ मारपीट कर दी। विवाद की शिकायत मिलने पर कुठला पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन इस दौरान कुछ बाराती पुलिस से उलझ गए और अभद्रता करने लगे। एक आरक्षक के साथ धक्का-मुक्की करते हुए मारपीट कर दी गई। पुलिस को भी भीड़ ने खदेड़ दिया। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को शांत कराया और वापस लौट गई, लेकिन कुछ ही देर बाद दोबारा विवाद की सूचना मिलने पर अतिरिक्त बल के साथ कुठला थाने से एसआई सौरभ सोनी और बस स्टेंड चौकी प्रभारी सिद्धार्थ राय स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे, पुलिस को देखते ही बारातियों और घरातियों ने पथराव शुरू कर दिया। इसके जवाब में पुलिस ने खुद को बचाने के लिए लाठियां चलाईं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

दूल्हा-दुल्हन भी पहुंचे थाने

विवाद के बाद पुलिस ने दुल्हन के भाई सहित कुछ लोगों को हिरासत में लेकर कुठला थाने पहुंचाया। इसके बाद दूल्हा-दुल्हन भी थाने पहुंच गए। पुलिस ने इंद्रानगर निवासी साहिल खान की शिकायत पर राहुल चौधरी, आकाश चौधरी सहित 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया, साथ ही शासकीय कार्य में बाधा डालने के आरोप में बारातियों और घरातियों पर भी प्रकरण कायम किया गया है। घटना में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हुए, जिन्हें रात करीब 3 बजे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में भागवती चौधरी 50 वर्ष इंद्रानगर, सुमन बाई चौधरी 40 वर्ष गुन्नौर पन्ना, संजय चौधरी 38 वर्ष शाहनगर पन्ना, अजय चौधरी 23 वर्ष अमदरा मैहर, राजकुमार चौधरी 55 वर्ष, मनोज कुमार चौधरी 25 वर्ष, बड़ेरा बड़वारा, आकाश चौधरी 25 वर्ष निवासी इंद्रानगर शामिल है।

परिजनों ने लगाए आरोप, एसपी ने की कार्रवाई

परिजनों ने मंगलवार दोपहर एसपी कार्यालय पहुंचकर पुलिस पर मारपीट के आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई। अब जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि घटना में किसकी कितनी जिम्मेदारी है। घटना का वीडियो सामने आने और प्रथम दृष्टया अनुचित आचरण पाए जाने पर पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने उप निरीक्षक सौरभ सोनी और सिद्धार्थ राय को तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया है। साथ ही पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं।

इनका कहना है

एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने बताया कि इंद्रानगर में एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान पुलिस पर पथराव किया गया, जिसके जवाब में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। एक पक्ष ने पुलिस पर मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। प्रथम दृष्टया अनुचित आचरण पाए जाने पर दो उप निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया गया है, साथ ही पूरे मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। एएसपी डॉक्टर संतोष डेहरिया ने बताया कि इंदिरा नगर में बारात लगने के दौरान कुछ लोगों के बीच विवाद की सूचना मिलने पर डायल 112 वहां गई थी तो बारातियों द्वारा पथराव किया गया, इसके बाद लोगों को समझाएं दी गई वर-वधु को थाने लाने की बात सही नहीं है।

सलैया पटोरी में आधुनिक साइलो केंद्र शुरू

किसानों का तिलक लगाकर हुआ स्वागत

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में गेहूं उपार्जन व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और किसान हितैषी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए बुधवार को सलैया पटोरी में आधुनिक साइलो केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया गया। कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देशन में शुरू हुए इस केंद्र पर पहुंचे किसानों का सहायक आपूर्ति अधिकारी पियूष शुक्ला द्वारा तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इसी के साथ साइलो केंद्र में गेहूं उपार्जन कार्य भी प्रारंभ हो गया। कलेक्टर की अध्यक्षता में बीते दिनों आयोजित जिला उपार्जन समिति की बैठक में किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए साइलो बैग गोदामों की उपलब्ध रिक्त क्षमता के आधार पर जिले के 22 उपार्जन केन्द्रों को सलैया पटोरी साइलो केंद्र से संबद्ध किया गया है। इस फैसले से किसानों में उत्साह का माहौल है और उपार्जन प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

तहसीलवार उपार्जन केन्द्र- बहोरीबंद तहसील के उपार्जन केन्द्र- बहोरीबंद, हथियागढ़, बचैया, कुआं, कूड़न, किवलारी, बाकल, मसंधा, सिंहुड़ी, बरही (बाकल), इमलिया, कूड़ा, चांदनखेड़ा, देवरी (खरगवां), पथराडी पिपरिया, सलैया कला (पटोरी) और खमतरा। रीठी तहसील के उपार्जन केन्द्र- मोहास, बड़गांव और बकलेहटा। स्लीमनाबाद तहसील के उपार्जन केन्द्र- कौडिया और जुजावल। इन सभी केन्द्रों के किसान अब जेएसडब्ल्यू इंडस्ट्रीज साइलो, सलैया पटोरी में सुविधाजनक ढंग से समर्थन मूल्य पर अपना गेहूं विक्रय कर सकेंगे। साइलो केंद्र में गेहूं खरीदी शुरू हो जाने से उपार्जन केन्द्रों पर भीड़ में कमी आयेगी। फसल का सुरक्षित एवं वैज्ञानिक भंडारण होगा और तौल एवं परिवहन प्रक्रिया में सुगमता तथा किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित होने में मदद मिलेगी। आधुनिक साइलो प्रणाली के माध्यम से यह पहल जिले में पारदर्शी, व्यवस्थित और किसान-केंद्रित उपार्जन व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

भारत विकास परिषद की नई टीम ने की शपथ

कटनी (स्वतंत्रमत)

प्रेरणा एवं मंथन मंच कटनी के तत्वावधान में तिलक कॉलेज के समीप नागपुर से पधारे हास्य कवि रामवृक्ष गुप्ता अहसास के सम्मान एवं मुख्य आतिथ्य तथा वरिष्ठ ख्यातिलब्ध हास्य कवि मनोहर मनोज की अध्यक्षता एवं अजय प्रताप सिंह बघेल के संचालन में काव्य संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कवियित्री पुष्पा प्रांजलि ने अपनी पूर्व प्रकाशित पुस्तकें प्राची का सिंदूरी आँचल एवं कुंडलियां कुंज अतिथि कवि रामवृक्ष गुप्ता अहसास को भेंट कीं। तत्पश्चात पुष्पा प्रांजलि की माँ वीणा पाणी की चरण वंदना के पश्चात गोष्ठी का आगाज़ करते हुए हास्य कवि शरद जायसवाल ने कहा- उनके बगैर घर भायं-भायं, बासी बचे ना कुत्ते खायं। अनिल मिश्र ने कहा- समाधान देता नहीं कहीं कभी भी युद्ध, बाधाएं निर्मूल हों बन पाएं यदि बुद्ध। रामानुज पाण्डे ने कहा- अपने ज़मीर से जो हार गया है यारों, जहां को जीतने चला वो सिकंदर देखो। वरिष्ठ गजलकार सतीश आनंद ने कहा- आती रहीं हैं ध्यान में परछाइयां बहुत लेते रहे हैं ज़ख्म भी अंगड़ाईयां बहुत। चंद्रकिशोर श्रीवास्तव चंदन ने कहा- ना सही आज लिक्खूंगा कल देखना, सिर्फ उनके लिए एक गज़ल देखना। वरिष्ठ गीतकार रामनरेश विधार्थी ने कहा- लोग आते रहे लोग जाते रहे, ग़म सड़क पर खड़े मुस्कुराते रहे। ओज़ के युवा कवि अजय प्रताप सिंह बघेल ने कहा- शहर में दिन भर शोर था आया है सरदार। डॉ प्रद्युम्न मिश्र ने कहा- हिंदू बसे देश में राम के ही वेश में। ख्यातिलब्ध हास्य कवि मनोहर मनोज ने कहा- टूटे-टूटे घर लौटे हैं रात अंधेरे बाबू जी। अतिथि कवि रामवृक्ष गुप्ता अहसास ने कहा- मेरा क़िरदार बिना दर्द के जंचेगा क्या, अगर खुद को खुद से निकाल दूं तो बचेगा क्या। पुष्पा प्रांजलि ने कहा- क्या फुरसत का उपहार मिलेगा, गृहणी को भी रविवार मिलेगा। आभार अनिल मिश्र ने व्यक्त किया।

41 डिग्री तापमान में बुजुर्ग पेंशनरों ने दिया धरना

कटनी (स्वतंत्रमत)। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रान्तीय आवाहन पर कटनी जिले में कलेक्ट्रेट कटनी के सामने बुजुर्ग पेंशनरों ने चिलचिलाती धूप में कलेक्ट्रेट पहुंच कर सांकेतिक धरना दिया। अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। प्रान्तीय उपाध्यक्ष रामाधार गौतम के नेतृत्व में 9 सूत्रीय ज्ञापन उप जिलाधीश प्रदीप मिश्रा को सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन संभागीय संगठन सचिव के एल श्रीवास्तव ने किया। प्रमुख रूप से धारा 49/6 समाप्त करने केंद्र की तिथि से महंगाई भत्ता प्रदान करने, बकाया एरियर्स का

भुगतान करने, पेंशनरों से भेदभाव की नीति को समाप्त करने, एवं कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने जैसी प्रमुख माँग सम्मिलित थीं। इस अवसर पर संगठन के अध्यक्ष पंडित सीताराम दुबे, स्लीमनाबाद तहसील अध्यक्ष एलएस राजपूत, कटनी तहसील अध्यक्ष वाल्मीकि मिश्रा, वरिष्ठ पेंशनर अजय शर्मा, शिवकुमार गौतम, कुँवर लाल सोनी, मोहनलाल हल्दकार विष्णु हल्दकार, अरविंद त्रिपाठी, नगर निगम पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष गणेश बिचपुरिया आदि अनेक स्थानों से आए पेंशनरों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

गायत्री परिवार कटनी द्वारा शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)

अखिल विश्व गायत्री परिवार जिला कटनी के (डिवाइन इंडिया यूथ एसोसिएशन) कटनी चैप्टर के अंतर्गत भीषण गर्मी के इस दौर में आम लोगों को शीतल जल उपलब्ध कराने की मुहिम के तहत वेंकट लाइब्रेरी परिसर में वटवृक्ष के नीचे शीतल जल का प्याऊ प्रारंभ किया गया है। मनोनीत जिला समन्वयक कमल राज अग्रवाल के नेतृत्व में एवं समन्वय समिति सदस्य शरद जायसवाल, डॉ विद्याभूषण खरे, ज्योति श्रीवास्तव, देवेंद्र दुबे, धीरज नामदेव, लव सिंह चौहान, अभिषेक केशरवानी, दीपक शीरवानी, असीम चतुर्वेदी सहित अन्य सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से पूरे गर्मी चलने वाले

शीतल जल केंद्र का शुभारंभ मां गायत्री परम पूज्य गुरुदेव एवं वरुण देवता के आवाहन के साथ प्रारंभ हुआ है। कटनी के अन्य क्षेत्रों में भी ऐसे सेंटर शीघ्र प्रारंभ किए जाएंग। अभी जिस क्षेत्र में यह सेंटर चालू किया है। वहां आस-पास सार्वजनिक जल की उपलब्धता नहीं है। वेंकट लाइब्रेरी में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं, प्लेग्राउंड में खेलने वाले खिलाड़ी और बाजार हाट करने आए ग्रामीण इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं। गायत्री परिवार कटनी की सभी प्रबुद्ध नागरिकों से व संस्थाओं से अपील है कि जो भी इस कार्य में सहयोग कर सकते हैं, वह हमारे माध्यम से या अपने उचित माध्यम के द्वारा इस तरह के सेवा कार्य से लोगों को राहत प्रदान करने का कष्ट करें। मानव सेवा ही माधव सेवा है।

कटनी होकर गुजरने वाली दो दर्जन ट्रेनों का रूट डायवर्ट

कटनी (स्वतंत्रमत)

दानापुर मंडल एवं प्रयागराज स्टेशन पर मेंटेनेंस कार्य के चलते कटनी से भोपाल की ओर जाने वाली 24 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य के चलते इन ट्रेनों को अलग-अलग तारीखों पर डायवर्ट किया गया है। रेलवे की ओर से बताया गया है कि ये ट्रेन 30 अप्रेल तक डायवर्ट रहेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा ये सुझाव भी दिया गया है कि वे ऑनलाइन चेकिंग करने के बाद ही अपने रेल यात्रा शुरू करें। जानकारी

के मुताबिक कटनी होकर गुजरने वाली गाड़ी संख्या 15560 अहमदाबाद-दरभंगा एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 15559 दरभंगा-अहमदाबाद एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 15018 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 15017 लोकमान्य तिलक-गोरखपुर एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 15267 रसौल-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 15268 लोकमान्य तिलक-रसौल एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 11033 पुणे-दरभंगा एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 11034 दरभंगा-पुणे एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 01027 दादर-गोरखपुर स्पेशल, गाड़ी संख्या 01028 गोरखपुरदादर स्पेशल, गाड़ी संख्या 22131 पुणे-बनारस एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 22132 बनारस-पुणे एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 11060 छपरा-लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस, गाड़ी संख्या 18609 रांची-एलटी एक्सप्रेस, एवं गाड़ी संख्या 18610 एलटी-रांची एक्सप्रेस, शामिल है।

श्री गहोई वैश्य वनिता समिति द्वारा नि:शुल्क प्याऊ का शुभारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्री गहोई वैश्य वनिता समिति के तत्वाधान में मनोहर शिशु मंदिर प्राथमिक माध्यमिक शाला, आजाद चौक में नि:शुल्क प्याऊ का शुभारंभ किया गया। गहोई समाज के सरपंच डॉ. हजारी प्रसाद नौगरहिया के कर-कमलों से प्याऊ का शुभारंभ हुआ। वनिता समिति की अध्यक्ष ऊषा नौगरहिया एवं सचिव विभा कंदेले द्वारा विधिवत पूजन एवं माल्यार्पण किया गया। हजारी प्रसाद नौगरहिया ने दीप प्रज्वलित कर जल से भरे मटकों का पूजन किया। इस अवसर पर पंच

परिषद सचिव अशोक सेठिया, ओंकार प्रसाद बहरे, विनय कंदेले, वरिष्ठ संघ के जगदीश बरसैया तथा नवयुवक मंडल के राहुल सुहाने एवं महाकौशल नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अनुराग सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि वैशाख मास में प्याऊ लगवाना अत्यंत पुण्य का कार्य है। साथ ही वनिता समिति द्वारा एक छात्रा को गोद लेकर उसकी पूरे वर्ष की शिक्षा-व्यवस्था का जिम्मा लेना समाज के लिए प्रेरणादायक पहल है। इस नेक कार्य के लिए वनिता समिति की सभी लोगों द्वारा भूरी-भूरी प्रशंसा की गई। कार्यक्रम में शिल्पी सोनी, आशु सुहाने, रश्मि मसुरहा, रजनी बिलैया, साधना सेठिया, आभा नौगरहिया, आरती सेठिया, प्रतिभा सेठिया, गुंजन नौगरहिया, निर्मला रखौल्या, अनिता कनकने, मीना सुहाने, रश्मि बरसैंया, दीपश्री नौगरहिया एवं मुदिता कंदेले सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

गंदगी फैलाने पर संचालकों को चेतावनी आधा दर्जन स्टालों पर अफसरों की दबिश

कटनी (स्वतंत्रमत)

रेल अधिकारियों की टीम ने रेलवे स्टेशन की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए कटनी जंक्शन पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्लेटफॉर्म पर स्थित स्टॉलों की जांच की गई और निर्धारित सीमा से बाहर सामान फैलाकर अतिक्रमण करने वाले संचालकों पर सख्त कार्रवाई की गई। रेलवे की संयुक्त टीम ने स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर लगभग आधा दर्जन स्टॉलों का सघन निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि कई स्टॉल संचालकों ने अपनी तय सीमा से बाहर खाद्य सामग्री और अन्य सामान फैला रखा था, जिससे यात्रियों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही थी। कार्रवाई के दौरान टीम ने सीमा

से बाहर रखी गई भारी मात्रा में खाद्य सामग्री और रेल नीर की बोतलों को जत कर लिया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गंदगी फैलाने और नियमों का उल्लंघन करने वाले संचालकों को भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी भी दी गई है। कार्यवाही में शामिल टीम इस महत्वपूर्ण संयुक्त कार्रवाई में रेलवे के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एच के शुक्ला सीसीआई, घनश्याम धुर्वे एसएमसी, बलवेंद्र प्रताप सिंह सीएचआई, चितरंजन दुबे डिप्टी एसएस एवं शैलेश कुमार गुप्ता आईओडल्यू शामिल रहे। अधिकारियों ने कहा कि स्टेशन पर यात्री सुविधाओं और स्वच्छता को बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है। स्टॉल संचालकों को अपनी आवंटित सीमा के भीतर ही व्यापार करना होगा।

छोटे किसानों को प्राथमिकता से तेज हुई गेहूं खरीदी, बड़े किसान स्लॉट को लेकर परेशान

14 हजार से ज्यादा स्लॉट बुक, 459 किसानों से 1 हजार मीट्रिक टन उपार्जन

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी ने अब रफ्तार पकड़ ली है, लेकिन इसके साथ ही व्यवस्था का दूसरा पहलू भी सामने आने लगा है। प्रशासन द्वारा छोटे किसानों को प्राथमिकता देने के निर्णय से जहां सीमांत किसानों को राहत मिल रही है, वहीं बड़े किसान स्लॉट बुकिंग में दिक्कतों के चलते परेशान नजर आ रहे हैं। अब तक जिले में 459 किसानों से 1 हजार मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। वहीं 14 हजार 205 से ज्यादा किसानों ने स्लॉट बुक करा लिए हैं, जिससे आने वाले दिनों में खरीदी और तेज होने की संभावना है।

खरीदी केंद्रों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो ढीमरखेड़ा की दशरमन समिति सबसे आगे है, जहां 48 किसानों से 143 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। देवरी मंगेला समिति में 37 किसानों से 117 मीट्रिक टन और कचनारी समिति में 50 किसानों से 100 मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि खरीदी प्रक्रिया में पहले छोटे, फिर मध्यम और अंत में बड़े किसानों को मौका दिया जाए, ताकि कम रकबे वाले किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो। इसके लिए एसडीएम और सहायक आयुक्त सहकारिता को खरीदी केंद्रों का लगातार निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। हालांकि, इस व्यवस्था के चलते बड़े किसानों को स्लॉट नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ रही है। कई किसानों का कहना है कि समय पर स्लॉट नहीं मिलने से उनकी फसल खुले में पड़ी है और नुकसान का खतरा बना हुआ है। खरीदी केंद्रों पर प्रशासन ने किसानों के लिए बैठने, छाया, पेयजल, बारदाना, तौल कांटे, सिलाई मशीन, कम्प्यूटर, इंटरनेट और गुणवत्ता जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे किए हैं।

मुंबई-चेन्नई मुकाबले से पहले धोनी का तूफ़ान

मुंबई (वार्ता)

वानखेड़े की रोशन रोशनी में, मुंबई इंडियंस बनाम चेन्नई सुपर किंग्स का मुकाबला एक बार फिर इतिहास, प्रतिद्वंद्विता और भावनाओं के भारी बोझ के साथ आ रहा है। लेकिन इस बार, यह मुकाबला लीग सीज़न का एक आम अध्याय कम, और दो अलग-अलग युगों की टक्कर ज़्यादा लग रहा है, जो बिल्कुल हमारी आँखों के सामने हो रहा है। इन सबके केंद्र में हैं महेंद्र सिंह धोनी। उनके शामिल होने की ज़रा सी भी चर्चा ने ही इस मुकाबले के इर्द-गिर्द की पूरी बातचीत का रुख बदल दिया है। लंबे समय तक बैटिंग प्रैक्टिस और विकेटकीपिंग ड्रिल की खबरों ने इस उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है। चाहे यह सिर्फ़ एक प्रतीकात्मक मौजूदगी हो, कोई रणनीतिक फ़ैसला हो, या सीज़न के आखिर में एक छोटी सी झलक हो, धोनी की मौजूदगी हमेशा एक अलग ही स्तर पर काम करती है - आंकड़ों से परे, टीम में चुने जाने की बहसों से परे, और लगभग समय से भी परे।

एक मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं गायकवाड़ - ऐसे मुकाबलों में, यह अब सिर्फ़ एक खिलाड़ी नहीं रह जाते; वह भावनाओं का वह केंद्र बन जाते हैं, जिसके इर्द-गिर्द सारी उम्मीदें घूमती हैं। लेकिन चेन्नई के लिए, क्रिकेट की असलियत कहीं ज़्यादा मुश्किल है। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ एक मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं; टॉप ऑर्डर में बार-बार नाकाम होने से एक गहरी चिंता सामने आ रही है - टूर्नामेंट के इस अहम पड़ाव पर सीएसके लगातार बैटिंग की लय बनाने में नाकाम साबित हो रही है। मुद्दा सिर्फ़ फ़ॉर्म का नहीं, बल्कि फ्लो (बहाव) का है। एक ऐसी टीम जो पारंपरिक रूप से स्थिरता पर टिकी रही है, अब दबाव में आकर अच्छी साझेदारियों, गति और स्पष्टता की तलाश में भटक रही है। चोटों और टीम में चुने जाने को लेकर बनी अनिश्चितता ने इस उथल-पुथल को और भी बढ़ा दिया है, जिसकी वजह से टीम में लगातार फेरबदल और नए-नए प्रयोग करने पड़ रहे हैं।

तिलक वर्मा ने एक यादगार पारी खेली- दूसरी तरफ़, मुंबई इंडियंस इस सीज़न के एक अहम पड़ाव पर आकर अपनी पुरानी प्रतिस्पर्धी पहचान को फिर से हासिल करने लगी है। गुजरात टाइटंस के ख़िलाफ़ उनका पिछला मुकाबला सिर्फ़ एक जीत ही नहीं था - बल्कि यह उनके इरादों का एक ज़ोरदार ऐलान था। तिलक वर्मा ने एक यादगार पारी खेली शुरुआत में लय पाने के लिए संघर्ष करने के बावजूद, उन्होंने ज़बरदस्त नियंत्रण और इरादे के साथ खेलते हुए एक शानदार शतक जड़ा। उनकी इस पारी ने मैच का रुख पूरी तरह से बदल दिया; एमआई की धीमी और संभली हुई शुरुआत को एक ऐसे विशाल स्कोर में बदल दिया, जिससे विरोधी टीम फिर कभी उबर नहीं पाई।

गेंदबाज़ी में अश्विनी ने एक शानदार परफ़ॉर्मेंस दी- गेंदबाज़ी में, अश्विनी कुमार ने एक ऐसी शानदार परफ़ॉर्मेंस दी, जिसने मुकाबले को पूरी तरह से एमआई के पक्ष में झुका दिया। उनके चार विकेटों के झटके ने गुजरात के बैटिंग ऑर्डर की कमर तोड़ दी उन्होंने मैच के अहम पड़ावों पर साझेदारियों को तोड़ा और एमआई की एक बड़ी जीत पक्की कर दी। यह शानदार तालमेल - एक अनुभवी बल्लेबाज़ का आगे बढ़कर ज़िम्मेदारी उठाना और एक युवा गेंदबाज़ का दबाव में भी बेहतरीन प्रदर्शन करना - मुंबई की टीम में एक नई उम्मीद और आत्मविश्वास भर गया है। जसप्रीत बुमराह ने भी अपना दबदबा फिर से बनाना शुरू कर दिया है; उन्होंने उस बॉलिंग यूनिट में फिर से कंट्रोल और अनुशासन ला दिया है, जो तब सबसे अच्छा प्रदर्शन करती है जब लय और सटीकता का मेल होता है।

सबके ऊपर बना हुआ धोनी का साया- तो, जो मुकाबला सामने आता है, वह कई परतों वाला है सीएसके एक बदलाव के दौर में स्थिरता और अपनी पहचान की तलाश में है, वहीं एमआई एक ऐसी शानदार जीत की लय पर सवार है, जो खिलाड़ियों के व्यक्तिगत कमाल और टीम के एकजुट प्रदर्शन पर आधारित है। और इन सबके ऊपर धोनी का साया बना हुआ है - एक ऐसी मौजूदगी, जो न सिर्फ सीएसके के भावनात्मक केंद्र को परिभाषित करती है, बल्कि पूरे आईपीएल के मंच को भी एक नई पहचान देती है।

प्रीति पवार और अरुंधति चौधरी टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

नयी दिल्ली (वार्ता)। चार भारतीय मुक्केबाजों प्रीति पवार, प्रिया, अरुंधति चौधरी और सचिन को 2026 एशियाई मुक्केबाजी एलीट चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) के कोर ग्रुप में प्रमोट किया गया है, जबकि तीन अन्य को डेवलपमेंट ग्रुप में शामिल किया गया है। 172वीं मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की बुधवार को हुई बैठक में यह फैसला किया गया। प्रीति (54किग्रा), प्रिया (60किग्रा) और अरुंधति (70किग्रा) ने इस महीने की शुरुआत में मंगोलिया के उलानबटार में हुई कॉन्टिनेंटल मीट में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि सचिन (60किग्रा) ने रजत पदक हासिल किया। मिशन ओलंपिक सेल ने हाल के नतीजों, विश्व रैंकिंग और प्रदर्शन में हुई प्रगति के विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर यह फैसला लिया।

आतिशी शतक लगाकर अभिषेक ने किया ऑरेंज कैप पर कब्जा

हैदराबाद (वार्ता)

अभिषेक शर्मा ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास का पांचवां सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर करते हुए 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाकर ऑरेंज कैप तालिका में शीर्ष पर पहुंच गये है। यह उनका नौवां टी-20 शतक, उन्हें इस सीजन सात पारियों में 323 रन बना लिये। अभिषेक से तीन रन पीछे हाइनरिक क्लासन ऑरेंज कैप टेबल में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने इस मैच में 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए और तीसरे विकेट के लिए अभिषेक के साथ 32 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की। तीसरे स्थान पर गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल हैं, जिनके पांच पारियों में 265 रन हैं। उनके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विराट कोहली और राजस्थान

रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी हैं। इस मामले में शीर्ष दस में इशान किशन (एसआरएच), रजत पाटीदार (आरसीबी), कूपर कॉनोली, यशस्वी जायसवाल और प्रियांश आर्या शामिल हैं। पर्पल कैप की बात की जाये तो इस पर अभी चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज का कब्जा है। वहीं इशान मलिंगा ने टी-20 क्रिकेट में अपना तीसरा 4-विकेट हॉल लिया और इससे वह इस आईपीएल सीजन में सबसे अधिक विकेट लेने वालों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। उनके अब 12 विकेट हैं, जबकि जीटी के प्रसिद्ध कृष्णा के भी 12 विकेट हैं। पर्पल कैप अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कम्बोज के पास है, जिनके नाम 13 विकेट हैं। प्रिंस यादव (एलएसजी), भुवनेश्वर कुमार (आरसीबी), कगिसो रबाडा (जीटी) और रवि बिश्नोई (आरआर) के नाम 10-10 विकेट हैं।

वीनस विलियम्स को लगातार 10वीं हार का सामना करना पड़ा

मैड्रिड (वार्ता)। पूर्व विश्व नंबर एक वीनस विलियम्स को मैड्रिड ओपन में कैटलिन क्रेवेडो के हाथों 6-2, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ ही उन्होंने अपना लगातार 10वां सिंगल्स मैच गंवा दिया। 45 वर्षीय विलियम्स 1975 में रैंकिंग शुरू होने के बाद से लगातार 10 मैच हारने वाली पहली पूर्व नंबर एक खिलाड़ी बन गई हैं। इस अनुभवी खिलाड़ी ने आखिरी बार पिछले साल जुलाई में वाशिंगटन ओपन में अपनी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी पेटन स्टर्न्स को हराकर कोई मैच जीता था। विलियम्स ने 2000 और 2008 के बीच पांच बार विंबलडन जीता और दो बार यूएस ओपन भी अपने नाम किया। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, ग्रैंड स्लैम में सबसे ज़्यादा बार हिस्सा लेने का रिकॉर्ड

उन्हीं के नाम है; इस साल का ऑस्ट्रेलियन ओपन उनका 95वां टूर्नामेंट था। उनकी छोटी बहन सेरेना (44 वर्ष) ने 2022 यूएस ओपन के बाद से कोई मैच नहीं खेला है, लेकिन उन्होंने अभी तक आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। 23 बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन होने के नाते, वह आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन ड्रग टेस्टिंग पूल में फिर से शामिल होने के बाद दोबारा खेलने की पात्र हैं, लेकिन उन्होंने अभी तक अपनी आधिकारिक वापसी की घोषणा नहीं की है। इसके विपरीत, स्पेन की 20 वर्षीय क्रेवेडो विश्व रैंकिंग में 140वें स्थान पर हैं और यह उनका पहला डब्ल्यूटीए 1000 मैच था। इस वाइल्डकार्ड खिलाड़ी ने दूसरे सेट में 3-0 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 2010 की फाइनलिस्ट विलियम्स को हराया। गौरतलब है कि विलियम्स ने अपने आठ में से छह ग्रैंड स्लैम खिताब तब ही जीत लिए थे, जब उनकी यह प्रतिद्वंद्वी पैदा भी नहीं हुई थी।

मेजबान भारत, बंगलादेश और मालदीव के साथ एक ही ग्रुप में

नयी दिल्ली (वार्ता)। बंगलादेश के ढाका में सैफ सचिवालय में हुए ड्रॉ के बाद, भारतीय महिला राष्ट्रीय टीम को सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के ग्रुप बी में बंगलादेश और मालदीव के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट 25 मई से 6 जून, 2026 तक गोवा के मडगांव में आयोजित किया जाएगा। ग्रुप ए में नेपाल, श्रीलंका और भूटान शामिल हैं। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमी-फ़ाइनल में जगह बनाएंगी। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के सभी मैचों का आयोजन पंडित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। यह दूसरी बार होगा जब भारत सैफ महिला चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा; इससे पहले 2016 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में आयोजित संस्करण में ब्लू टाइग्रेस ने अपना चौथा खिताब जीता था। यह दूसरी बार होगा जब गोवा किसी सैफ टूर्नामेंट की मेज़बानी करेगा। 1999 की पुरुष चैंपियनशिप भी पीजेएन स्टेडियम में ही आयोजित की गई थी, जहाँ भारत ने फ़ाइनल में बंगलादेश को हराकर खिताब जीता था। सैफ महिला चैंपियनशिप 2026 के ड्रॉ के लिए सीडिंग 21 अप्रैल को जारी की गई ताज़ा फ़ीफ़ा महिला विश्व रैंकिंग के अनुसार की गई थी। भारत (69वें स्थान पर) और नेपाल (87वें स्थान पर) को पॉट 1 में रखा गया। बंगलादेश (112वें स्थान पर) और श्रीलंका (162वें स्थान पर) को पॉट 2 में रखा गया। भूटान (164वें स्थान पर) और मालदीव (167वें स्थान पर) को पॉट 3 में रखा गया। भारत सैफ महिला चैंपियनशिप का रिकॉर्ड पाँच बार का चैंपियन है, जिसने 2010, 2012, 2014, 2016 और 2019 में खिताब जीते हैं।

आसूस ने लॉन्च किया एआई-संचालित एक्सपर्टबुक अल्ट्रा

नयी दिल्ली (वार्ता)। आसूस ने बुधवार को भारत में अपने नये एआई-संचालित फ्लैगशिप लैपटॉप एक्सपर्टबुक अल्ट्रा को लॉन्च करने के साथ ही एक्सपर्टबुक पी-सीरीज पोर्टफोलियो का विस्तार किया। कंपनी ने बताया कि एक्सपर्टबुक अल्ट्रा एक कोपायलट लैपटॉप है, जिसे विशेष रूप से वरिष्ठ कॉर्पोरेट अधिकारियों और व्यवसाय से जुड़े पेशेवरों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह लैपटॉप अल्ट्रा-लाइट डिजाइन, उन्नत एआई-आधारित परफॉर्मेंस, उच्च गुणवत्ता वाले डिस्प्ले, बेहतर ऑडियो, लंबी बैटरी लाइफ और एंटरप्राइज़-ग्रेड सुरक्षा जैसे फीचर्स से लैस है। एक्सपर्टबुक अल्ट्रा का वजन लगभग 0.99 किलोग्राम से शुरू होता है और इसे एज़ी31बी मैग्नीशियम-एल्यूमिनियम मिश्र धातु से बनाया गया है, जो आमतौर पर एयरोस्पेस और फॉर्मूला-1 अनुप्रयोगों में इस्तेमाल होती है। इसमें नैनो-सिरेमिक कोटिंग दी गयी है, जिसकी कठोरता 9 एच बतायी गयी है। कंपनी के अनुसार, यह डिवाइस इंटेल कोर अल्ट्रा सीरीज़-3 प्रोसेसर पर आधारित है, जिसमें शक्तिशाली जीपीयू और उन्नत एनपीयू का संयोजन किया गया है। इससे एआई-आधारित काम तेजी से किये जा सकते हैं। इसके साथ ही कंपनी ने एक्सपर्टबुक पी सीरीज़ में एक्सपर्टबुक पी3 और एक्सपर्टबुक पी5 मॉडल पेश किये है।

देश से 2025-26 में कपड़ा निर्यात 2.1 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली (वार्ता)

देश के वस्त्र उद्योग ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वैश्विक बाजारों में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा और हस्तशिल्प सहित कुल वस्त्र निर्यात 3,16,334.9 करोड़ रुपये हो गया जो की सालाना वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात 3,09,859.3 करोड़ रुपये था। कपड़ा मंत्रालय ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कहा यह प्रदर्शन भारतीय वस्त्र उत्पादों की स्थिर वैश्विक मांग और प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में इस क्षेत्र की निरंतर प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। वर्ष के दौरान कपड़ा निर्यात में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) का सबसे बड़ा योगदान रहा । वर्ष के दौरान इसका आंकड़ा एक साल पहले के 1,35,427.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,39,349.6 करोड़ रुपये हो गया जो वार्षिक आधार पर 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी दौरान सूती धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र और हथकरघा उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 1,02,399.7 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 1,02,002.8 करोड़ रुपये। इस खंड में 0.4 प्रतिशत की हल्की वृद्धि देखी गई। मानव निर्मित धागे, कपड़े और निर्मित वस्त्रों में 3.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जिनका निर्यात एक साल पहले के 41,196.0 करोड़ रुपये से बढ़कर 42,687.8 करोड़ रुपये हो गया। मूल्यवर्धित खंडों में, हस्तनिर्मित कालीनों को छोड़कर हस्तशिल्प ने प्रमुख श्रेणियों में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की, जो 6.1 प्रतिशत की वृद्धि

के साथ 14,945.5 करोड़ रुपये से बढ़कर 15,855.1 करोड़ रुपये हो गई। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 120 से अधिक गंतव्यों में निर्यात वृद्धि दर्ज की गई, जो देश के वस्त्र निर्यात बास्केट में व्यापक भौगोलिक विस्तार को दर्शाती है। यूएई (22.3 प्रतिशत), ब्रिटेन (7.8 प्रतिशत), जर्मनी (9.9 प्रतिशत), स्पेन (15.5 प्रतिशत), जापान (20.6 प्रतिशत), मिस्र (38.3 प्रतिशत), नाइजीरिया (21.4 प्रतिशत), सेनेगल (54.4 प्रतिशत) और सूडान (205.6 प्रतिशत) जैसे प्रमुख बाजारों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सरकार ने निर्यात को सुगम बनाने और करों में छूट देने के प्रमुख उपायों के माध्यम से इस क्षेत्र को समर्थन देना जारी रखा है, जिसमें राज्य और केंद्रीय करों और शुल्कों पर छूट (आरओएससीटीएल) योजना और आरओडीटीईपी योजना को 31 मार्च 2026 के बाद भी जारी रखना शामिल है। विज्ञप्ति में कहा गया है भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) एजेंडा में भी वर्ष 2025-26 के दौरान महत्वपूर्ण प्रगति देखी गई, जिसका वस्त्र और परिधान क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा। भारत-ईएफटीए (टीईपीए) समझौता एक अक्टूबर 2025 को लागू हुआ, भारत-ब्रिटेन (सीईटीए) पर जुलाई 2025 में हस्ताक्षर किए गए, भारत-ओमान (सीईपीए) पर दिसंबर 2025 में हस्ताक्षर किए गए। भारत-न्यूजीलैंड (एफटीए) की घोषणा 22 दिसंबर 2025 को की गई। प्रमुख बाजार पहुंच में सुधार, शुल्क संबंधी नुकसानों में कमी, आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को समर्थन और वस्त्र, परिधान, हस्तशिल्प और तकनीकी वस्त्रों से बाजार विविधीकरण, निर्यात वृद्धि, निवेश, प्रौद्योगिकी साझेदारी और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत के गहन एकीकरण में सहायता मिलेगी।

चावल, चीनी, तेलों में तेजी, गेहूं नरम

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। चावल के साथ चीनी और खाद्य तेलों में भी तेजी देखी गयी। गेहूं में नरमी का रुख रहा जबकि दालों के दामों में घट-बढ़ रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 10 रुपये बढ़कर 3,843 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं नौ रुपये सस्ता हुआ और 2,774 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रही। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव देखा गया। तुअर दाल तीन रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। मूंग दाल की कीमत 22 रुपये और उड़द दाल की 17 रुपये बढ़ गयी। चना दाल 13 रुपये और मसूर दाल छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई के पाम ऑयल वायदा 67 रिंगिट चढ़कर 4,626 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ 72.09 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सोया तेल की औसत कीमत 70 रुपये और वनस्पति की 58 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंगफली तेल में 55 रुपये और पाम ऑयल में 52 रुपये की तेजी रही। सूरजमुखी तेल का भाव 29 रुपये और सरसों तेल का 19 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ा। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 23 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। चीनी भी पांच रुपये महंगी हुई दाल चना 7687.13 रुपये, मसूर काली 8086.17 रुपये, मूंग दाल 10182.40 रुपये, उड़द दाल 10810.95 रुपये, तुअर दाल 11247.35 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2773.83 रुपये और चावल 3842.85 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3263.25 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4307.40 रुपये और गुड़ 5015.15 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 17884.42 रुपये, मूंगफली तेल 18852.14 रुपये, सूरजमुखी तेल 17485.66 रुपये, सोया तेल 14902.14 रुपये, पाम ऑयल 13451.76 रुपये और वनस्पति 14920.50 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

बिकवाली से सेंसेक्स एक फीसदी लुढ़का

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को आईटी कंपनियों में बड़ी बिकवाली देखी गयी जिससे बीएसई का सेंसेक्स करीब एक फीसदी टूट गया। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 900 करोड़ रुपये के नुकसान की खबर आने के बाद आज एचसीएल टेक्नोलॉजीज में करीब 11 प्रतिशत की गिरावट रही। कंपनी ने मंगलवार को जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि तिमाही के दौरान विदेश में एक पुराने कर मामले में उसने 5,733 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। इसी मामले में वह पहली तीन तिमाहियों में 703 करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के साथ दूसरी आईटी कंपनियों और बैंकों में बिकवाली से सेंसेक्स 756.84 अंक (0.95 प्रतिशत) गिरकर 78,516.49 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का (एनएसई) निफ्टी-50 सूचकांक

भी 198.50 अंक यानी 0.81 प्रतिशत टूटकर 24,378.10 अंक पर आ गया।

दिग्गज कंपनियों के विपरीत वृहत बाजार में लिवाली का जोर रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक में 0.02 प्रतिशत की मामूली गिरावट रही जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.13 फीसदी ऊपर बंद हुआ। आईटी सेक्टर का सूचकांक चार प्रतिशत के करीब लुढ़क गया। बैंकिंग, ऑटो, वित्त और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक भी टूट गये। एफएमसीजी, मीडिया, धातु, रियलटी, तेल एवं गैस और रसायन समूहों में तेजी रही। एनएसई में आज 3,396 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,923 के शेयर ऊपर और 1,355 के गिरावट में बंद हुए। अन्य 118 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियों के शेयर नीचे रहे। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में सबसे अधिक 10.85 प्रतिशत की गिरावट देखी गयी। इंफोसिस का शेयर 3.40 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा का 2.99, टीसीएस का 2.80 और टेक महिंद्रा का 2.50 प्रतिशत टूट गया। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 1.50 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक का 1.45, भारती एयरटेल का 1.35, एलएंडटी का 1.34, आईटीसी का 1.20, इंडिगो का 1.15 और कोटक महिंद्रा बैंक का 1.10 प्रतिशत फिसल गया। मारुति सुजुकी, भारतीय स्टेट बैंक, बीईएल, टाइटन, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और अडानी पोर्ट्स के शेयर भी लाल निशान में रहे। हिंदुस्तान यूनीलिवर में सबसे अधिक 2.75 प्रतिशत की तेजी रही। एनटीपीसी का शेयर 2.39 प्रतिशत, इटरनल का 1.39 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट का 1.35 प्रतिशत मजबूत हुआ। ट्रेंट, एशियन पेंट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील के शेयर भी बढ़त में बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में चीन का शंघाई कंपोजिट 0.52 प्रतिशत और जापान का निक्केई 0.40 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। हांगकांग का हैंग सेंग 1.22 प्रतिशत टूट गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.16 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.09 प्रतिशत नीचे था।

भारत बना हीरे का दूसरा सबसे बड़ा बाजार

नयी दिल्ली (वार्ता)

हीरे के कारोबार में दुनिया की प्रमुख कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार जेन-ज़ेड (18-28 की युवा पीढ़ी) और स्वयं खरीदारी में प्रवृत्त महिलाओं ने भारत के हीरा बाजार में एक क्रांति ला दी है जिससे चीन तथा जापान को छोड़ कर देश प्राकृतिक हीरे के आभूषणों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन गया है। हीरा बाजार पर डी बीयर्स इंडिया की डायमंड एक्विज़िशन स्टडी (डीएएस) के अनुसार, भारतीय हीरा आभूषण बाज़ार एक परिवर्तनकारी दौर में प्रवेश कर चुका है और आधिकारिक रूप से चीन और जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाज़ार बन गया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक मांग में 12 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ, भारत का प्राकृतिक हीरे का आभूषण बाज़ार इस समय सालाना 497 अरब रुपये का है और 2030 तक 1,500 करोड़ रुपये तक पहुँच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, इस वृद्धि के पीछे उपभोक्ता व्यवहार में एक बड़ा बदलाव है, जिसे नई पीढ़ी के खरीदार आगे गति दे रहे हैं, जो हीरों को निष्क्रिय संपत्ति नहीं बल्कि अपनी दैनिक पहचान का अहम हिस्सा मानने लगा हैं। देश में प्राकृतिक हीरे के आभूषणों की खरीदारी में 51 प्रतिशत हिस्सा

18-28 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं का है। खरीद में उनकी हिस्सेदारी 2022 की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक हो गयी है। महंगी खरीदारी का शौकीन यह वर्ग प्रति आभूषण औसतन 1,98,000 रुपये खर्च कर रहा है, जो उच्च खरीद दर और असली लक्ज़री की चाह से प्रेरित है। मिलेनियल्स (30-35 के आयुवर्ग) के साथ मिलकर ये दोनों पीढ़ियां भारतीय हीरा आभूषण बाज़ार में 86 प्रतिशत खरीद कर रही है जो इसके दीर्घकालिक विस्तार का संकेत है। इस रिपोर्ट के अनुसार 2014 में, 56 प्रतिशत हीरे के आभूषण केवल विशेष अवसरों के लिए रखे जाते थे और केवल 27 प्रतिशत रोज़ाना पहने जाते थे। आज 52 प्रतिशत आभूषण रोज़ाना पहने जा रहे हैं। शादी से इतर 64 प्रतिशत प्राकृतिक हीरे के आभूषण महिलाएं अपने लिए खरीदती हैं। शादी की खरीद का हिस्सा 29 प्रतिशत है और उसमें भी 79 प्रतिशत निर्णय दुल्हनों द्वारा स्वयं की गई खरीद का है। डी बीयर्स ग्रुप की ग्लोबल वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्वेता हरित ने कहा भारत का दुनिया के दूसरे सबसे बड़े हीरा बाज़ार के रूप में उभरना, भारतीय उपभोक्ताओं के प्राकृतिक हीरे के साथ गहरे भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रमाण है। वैश्विक बाज़ारों के बदलते दौर में भारत वृद्धि का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है, जिसे एक ऐसी पीढ़ी आगे बढ़ा रही है जो प्रामाणिकता और दुर्लभता को महत्व देती है। भारत अब वैश्विक मांग का प्रमुख चालक बन चुका है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के हीरा उद्योग का भविष्य और भी मजबूत दिखाई देता है। 2030 तक उच्च-आय वाले परिवारों में 16 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जिससे प्राकृतिक हीरा आभूषण की मांग जीवनशैली के प्रतीक और निवेश के रूप में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। डी बीयर्स समूह 1888 से बाजार में है और दुनिया की अग्रणी हीरा कंपनी है। बोत्सवाना, कनाडा, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका में इसकी हीरे की खानें हैं।

कौशल और सामाजिक उद्यमिता से होगा भारत विकसित : पटेल

राज्यपाल ने पांचवें समर्थ भारत कॉन्क्लेव का किया शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि कौशल आधारित सामाजिक उद्यमिता विकसित भारत का पथ है। इस दिशा में वैचारिक स्तर पर चिंतन की पहल समसामयिक और सराहनीय है। कॉन्क्लेव, शिक्षा और रोजगार के बीच की दूरी की समाप्ति के लिए समाधान का वैचारिक मंच बने। उन्होंने कहा कि कौशल और सामाजिक उद्यमिता से विकसित भारत निर्माण के चिंतन में सामाजिक एवं पर्यावरणीय चुनौतियों जैसे स्वच्छता, शिक्षा, जल संरक्षण, लैंगिक समानता, प्राथमिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के समाधान खोजने का प्रयास किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में पांचवें समर्थ भारत कॉन्क्लेव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कॉन्क्लेव का आयोजन विकसित भारत के निर्माण में कौशल विकास और सामाजिक उद्यमिता विषय पर किया गया है। राज्यपाल श्री पटेल ने कॉन्क्लेव से पहले कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि कॉन्क्लेव में कौशल विकास की प्रासंगिकता, शिक्षा-उद्योग-समन्वय, सामाजिक उद्यमिता विस्तार, ग्रामीण युवाओं के सशक्तिकरण, स्टार्ट-अप इको सिस्टम की मजबूती, महिला और वंचित वर्गों की सहभागिता का पथ प्रदर्शन पर बल दिया जाए। डिजिटल एवं तकनीकी कौशल, नीतिगत सहयोग और सतत विकास के संतुलित मॉडल पर विचार जरूरी है, ताकि आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता के ठोस उपाय खोजें जाए। उन्होंने कहा समय की आवश्यकता है कि सरकारी, कॉर्पोरेट क्षेत्र एवं गैर-लाभकारी संगठन के समन्वित और एकजुट प्रयासों को नवाचारी सोच और सतत विकास के लिए, उद्यमिता को बढ़ावा दिया जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रतिभागियों से कौशल आधारित सामाजिक उद्यमिता के द्वारा समाज की समस्याओं के समाधान के लिए संवेदनशील और व्यवहारिक नवाचारों पर चिंतन का आव्हान किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर, समृद्ध, सशक्त और विकसित भारत की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। स्किल इंडिया मिशन, स्टार्ट-अप इंडिया, स्टैंड-अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया आदि योजनाओं से देश में सशक्त स्टार्ट-अप इको सिस्टम बना है। उन्होंने कहा कि जरूरी है कि हम समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने नए और उपयोगी तरीके विकसित करें, ताकि गरीब और वंचित लोगों के जीवन में वास्तविक सुधार एवं खुशहाली आए।

युवाओं को समावेशी विकास का सहभागी बनाएं

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारी लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। युवाओं को जमीनी स्तर से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्हें पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर, नई और रचनात्मक पहल के द्वारा आर्थिक परिवर्तन का माध्यम तथा समावेशी विकास का सहभागी बनाना होगा। डिजिटल एवं तकनीकी कौशल, नीतिगत सहयोग और सतत विकास के संतुलित मॉडल और आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता के ठोस उपायों से परिचय करना होगा। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्था के लिए कौशलयुक्त मानव संसाधन और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली सोच समय की मांग है। शिक्षण संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि शिक्षा व्यवस्था तकनीकी, प्रबंधकीय और उद्यमशील क्षमतावान ऐसे युवा तैयार करें, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सफल हो सकें।

वोकेशनल ट्रेनर्स को सम्मानित किया

राज्यपाल पटेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर 2 दिवसीय आयोजन का शुभारंभ किया। वोकेशनल ट्रेनर्स को सम्मानित किया। उनका आईसेक्ट के चान्सलर श्री संतोष चौबे ने पुष्प-गुच्छ और अंगवस्त्रम् भेंट कर स्वागत किया। स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया। स्वागत उद्बोधन, स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी के चान्सलर डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने दिया। आईसेक्ट के चान्सलर संतोष चौबे ने संस्थान की स्थापना से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किए गए कौशल और सामाजिक उद्यमिता प्रयासों की विस्तार से चर्चा की। आभार स्कोप ग्लोबल स्किल यूनिवर्सिटी के कुलगुरू डॉ. विजय सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर रविन्द्र नाथ टैगोर यूनिवर्सिटी के वी.सी. डॉ. आर.पी. दुबे, वाधवानी फाउंडेशन के कर्नल संतोष, प्रो. चान्सलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी और विषय-विशेषज्ञ उपस्थित थे।

वर्षा जल संरक्षण में डिंडोरी जिला देश में प्रथम

जिलों की सूची में खंडवा देश में दूसरे स्थान पर

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश ने केंद्र सरकार के जल संचय जन भागीदारी अभियान में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा 22 अप्रैल को जारी रैंकिंग में प्रदेश का डिंडोरी जिला देश में पहले और खंडवा जिला दूसरे स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्षा जल संरक्षण के आह्वान के अनुरूप प्रदेश सरकार मिशन मोड में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य वर्षा जल का अधिकतम संचयन करना और पारंपरिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करना है। अभियान के तहत प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। खेत तालाब, कूप रिचार्ज पिट, अमृत सरोवर, बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट और रूफटॉप वर्षा जल संचयन जैसी संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ ही जलाशयों और गड्ढों का पुनरुद्धार भी किया जा रहा है।

डिंडोरी में 1.23 लाख से अधिक जल संरचनाएं- जल संचय जनभागीदारी अभियान के राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी एवं आयुक्त श्री अवि प्रसाद ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा डैशबोर्ड के माध्यम से प्रदेश में किए जा रहे कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है। 22 अप्रैल की रैंकिंग में डिंडोरी जिले में देश में सर्वाधिक 1 लाख 23 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया गया है। खंडवा जिले में 87 हजार से अधिक संरचनाएं निर्मित की गई हैं।

प्रदेश में 3.97 लाख से अधिक जल संरचनाएं निर्मित

प्रदेश में अब तक 3 लाख 97 हजार से अधिक जल संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। वर्षा जल संरक्षण के इस कार्य में मध्यप्रदेश का उल्लेखनीय योगदान है। जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा जल संचय, जनभागीदारी अभियानसंचालित किया जा रहा है। यह पहल जल शक्ति अभियान कैच द रेन के अंतर्गत 6 सितंबर 2024 से प्रारंभ की गई है। यह अभियान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जल प्रबंधन के समग्र दृष्टिकोण पर आधारित है।

जनभागीदारी से सुदृढ़ हो रहा जल संरक्षण

अभियान का प्रमुख उद्देश्य वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना, भूजल पुनर्भरण को सुदृढ़ करना और जल संरक्षण में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इसके लिए कम लागत वाली वैज्ञानिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत बोरवेल रिचार्ज सिस्टम, रिचार्ज शाफ्ट, रूफटॉप वर्षा जल संचयन, जलाशयों एवं गड्ढों का पुनर्निर्माण और पुनरुद्धार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से इन कार्यों को गति दी जा रही है। इस पहल के तहत विभिन्न संस्थाओं, संगठनों और नागरिकों को जल संरक्षण कार्यों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही जन-जागरूकता और शिक्षा के माध्यम से जल संरक्षण तथा उसके कुशल उपयोग के प्रति व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर दिवंगतों को दी श्रद्धांजलि

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बीते साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की बरसी पर दिवंगत सभी निर्दोष नागरिकों को विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने इस आतंकी हमले से प्रभावित परिवारों के प्रति भी अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त की हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा ने कहा कि भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ सदैव अपनी नो टॉलरेंस की स्पष्ट नीति रखी है। हमारी सेनाओं ने सीमापार से संचालित हो रहीं आतंकी वारदातों का सही वक्त पर हमेशा प्रत्युत्तर दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा सर्वोपरि है। हम सभी को इसी भाव से आतंकवाद के विरुद्ध निरंतर सजगता और एकजुटता के साथ खड़े रहने की आवश्यकता है।

युवा संगम रोजगार-स्वारोजगार एवं अप्रेन्टिस मेला 28 को

दमोह (स्वतंत्र मत)। तकनीकी शिक्षा कौशल विकास एवं रोजगार विभाग भोपाल एवं जिला प्रशासन दमोह के निर्देशानुसार 28 अप्रैल को शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय जबलपुर रोड दमोह में नि:शुल्क निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों द्वारा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु स्वारोजगार योजनाओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से प्रात: 11 बजे से रोजगार स्वारोजगार एवं अप्रेन्टिस मेला का आयोजन किया है।

मध्यप्रदेश को सामाजिक न्याय के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिये करें समन्वित प्रयास : कुशवाह

समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना हम सब का दायित्व

भोपाल (स्वतंत्र मत)। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायन सिंह कुशवाह ने कहा है कि मध्यप्रदेश को सामाजिक न्याय के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए सभी अधिकारी-कर्मचारी समन्वय और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। विभाग के मैदानी अमले की योजनाओं और कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर उतारने में भागीदारी कैसे सुनिश्चित की जाए, योजनाओं को लागू करने के साथ नीति निर्माण में उनके सुझाव को कैसे शामिल किया जा सकता है इस विषय पर विस्तृत विचार विमर्श के लिये सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विभागीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग मानवीय संवेदनाओ से जुड़ा विभाग है। इसके माध्यम से हम कमजोर और असहाय लोगों की सहायता कर सकते है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन की सेवा ईश्वर सेवा से कम नहीं है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से पहुँचे। उन्होंने कहा कि योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि विभागीय योजनाओं के प्रति व्यापक जनजागरूकता बढ़ाई जाए, जिससे अधिक से अधिक पात्र हितग्राही लाभान्वित हो सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। चिंतन शिविर में विभागीय कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने निर्देश दिए कि जिलों में लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही, हितग्राहियों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए प्रक्रियाओं को सरल एवं सुगम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों, दिव्यांगजन एवं वंचित समुदायों के सशक्तिकरण के लिए विभाग सतत प्रयासरत है। अधिकारियों को सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए जनसमस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। चिंतन शिविर में प्रमुख सचिव सोनाली वायंगणकर ने विभाग की आगामी एक वर्ष की कार्ययोजना के महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि शासकीय और अशासकीय योजनाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए क्वालिटी ऑडिट ऐप के माध्यम से नियमित जांच की जाएगी, अटल अभ्युदय योजना के अंतर्गत वृद्धजनों के लिए वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। साथ ही, प्रत्येक जिले में ट्रांसजेंडर जिला बोर्ड तथा भिक्षावृत्ति की निगरानी के लिये जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। नए जिलों में डीडीआरसी (जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र), नशामुक्ति केंद्र एवं वृद्धाश्रम स्थापित करने की कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 2027 तक नशामुक्त भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रदेशभर में विशेष नशामुक्ति अभियान चलाया जाएगा तथा नेशनल एक्शन प्लान फॉर ड्रग्स डिमांड के अंतर्गत प्रत्येक जिले में विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाएगी। साथ ही जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्रों को वन स्टॉप सेंटर के रूप में विकसित करने का भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आम आदमी पार्टी ने जल संकट के चलते दिया ज्ञापन

दमोह (स्वतंत्र मत)। आम आदमी पार्टी द्वारा बुधवार को सिविल वार्ड नं. 1 में व्याप्त जल संकट के चलते मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें उन्होंने आश्वासन दिया है कि 15 दिनों के अंदर पाइप लेने डलवा देंगे जिसमें समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। आम आदमी पार्टी दमोह द्वारा जिसमें पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित जिला अध्यक्ष प्रकाश लारिया रहे।

In The Court Of XXXII Civil Judge Class-I District Court, Jabalpur Presiding Office, (स्वास्तिक सावंत)

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000057/2026)

साबिर खान..........आवेदक

Vs

आम जनता......अनावेदक

Process ID-2026

पेशी दिनांक :- 23/06/2026

प्रेषिति-

(1) आम जनता पता-जिला जबलपुर मप्र।

(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक साबिर खान पता नि. 2433 न्यू आनंद नगर शास्त्री वार्ड जिला जबलपुर मृतक स्व. सलीम खान निवासी आनंद नगर शास्त्री वार्ड जबलपुर म.प्र. की भारतीय स्टेट बैंक द्वारा शाखा प्रबंधक शाखा तुलाराम चौक जबलपुर एवं भारतीय स्टेट बैंक शाखा आधारताल, वर्तमान-डी.एन.जैन कालेज के सामने गोल बाजार जबलपुर में जमा राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 23 जून 2026 को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 23 जून 2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता को माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख 17 अप्रैल 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश

(स्वास्तिक सावंत)

32वें सिविल न्यायाधीश विरष्ठ खण्ड

जबलपुर (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें :- यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

सांदीपनी विद्यालय के एनसीसी ऑफीसर खेमरिया बने चीफ ऑफीसर

दमोह (स्वतंत्र मत)

केंद्रीय सरकार राष्ट्रीय कैडेट कोर रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशों के अनुसार आज 11 एमपी बटालियन द्वारा एनसीसी आफिसर्स के प्रमोशन पत्र के आधार पर प्रमोशन सेरेमनी का आयोजन किया गया, जिसमे 8 एवं 15 वर्ष की सेवा पूर्ण कर चुके आफिसर्स को बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल दुष्यंत शर्मा, 33 एमपी बटालियन के बमव सूबेदार मेजर राज कुमार द्वारा रैंक लगाकर प्रमोटेड किया गया। प्रमोशन प्राप्त करने बाले अधिकारियों में सांदीपनी विद्यालय के फर्स्ट ऑफीसर पीएन खेमरिया को जूनियर डिवीजन की सर्वोच्च रैंक चीफ ऑफिसर मेजर अशोक चक्र लगा कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में आर्मी स्कूल से धर्मेश भाई एवं बंडा से राजेश राजपूत को चीफ ऑफिसर की रेंक से सम्मानित किया गया। रहली से मुकेश पचोरी, राहतगण से कीर्तिमान शुक्ला, खुरई से लखन पटेल, इमानुयल सागर से आशीष नेमा, डीएमए सागर हरिकांत तिवारी, केंद्रीय विद्यालय सागर से केके पाण्डेय, सेंट जोसफ स्कूल से संदीप सर केंद्रीय विद्यालय ढाना रोहित सिंह, वंदना एक्का नवोदय विद्यालय खुरई से अरविन्द रजक को अगली रैंक से प्रमोटेड किया गया। इस अवसर पर समस्त बटालियन परिवार, केडेट्स, सूबेदार देवेंद्र सिंहए सुरजीत सिंह लेफ्टिनेट जय नारायण यादव सहित अधिकारियों की और से चीफ ऑफीसर एसएस राजपूत ने आर्मी अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

पथरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन

पथरिया (स्वतंत्र मत)। पथरिया सामुदाय स्वास्थ्य केंद्र में 22 अप्रैल को रक्तदान महादान शिविर का आयोजन हुआ जिसमें लगभग 25 लोगों ने रक्तदान किया। जिसमें पथरिया थाना प्रभारी सहित कई अन्य लोग शामिल हुए। साथ ही ग्राम बोतराई की एक गर्भवती महिला जिसे ब्लड की कमी के कारण कमजोरी थी उसे भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पथरिया द्वारा एबी पॉजिटिव ब्लड की पूर्ति कराई गई। इसी कड़ी में गणेश प्रसाद सीताराम ताम्रकार द्वारा 2 एकड़ भूमि दान में दी गई। जिसके फलस्वरूप आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगर के बीचों बीच स्थित है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं नूर मोहम्मद खान Noor Mohammad Khan पिता करीमुल्ला खान Karimulla Khan निवासी 100 कटंगी नेहरू वार्ड ग्राम पोंडी पोस्ट आफिस कटंगी तहसील पाटन, जिला जबलपुर के आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय दस्तावेजों में उपरोक्त स्पेलिंग लेख है जो कि सही है। मेरे पासपोर्ट में Noor Mohammed तथा पिता के नाम की स्पेलिंग Karimullah Khan गलत टंकित है जबकि मोहम्मद की स्पेलिंग तथा मेरे पिता का नाम आधार कार्ड में सही अंकित है। मेरे आधार कार्ड में लिखे नाम Noor Mohammad Khan पिता करीमुल्ला खान Karimulla Khan समस्त शासकीय कार्य हेतु पढ़ा एवं समझा जाये।

जबलपुर, दिनांक : 22.04.2026

भवदीय

मो. जावेद अंसारी

385, बेनी सिंह की तलैया

गोहलपुर जबलपुर

मो. नं. 9300878051

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण/नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर में भवन क्रमांक LIG-01 श्रीमती शमिता पाल पति श्री कृष्ण गोपाल पाल एवं श्री सुबीर पाल पिता श्री कृष्ण गोपाल पाल के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 10.01.2003 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमती शमिता पाल पति श्री कृष्ण गोपाल पाल एवं श्री सुबीर पाल पिता श्री कृष्ण गोपाल पाल ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.04.2026 के माध्यम से श्रीमती निधि बर्मन पति श्री धर्मेन्द्र बर्मन को विक्रय किया है। अतः श्रीमती निधि बर्मन पति श्री धर्मेन्द्र बर्मन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोका लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अदर लिखित मे वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तातरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन नामांतरण/हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि धनवंतरी नगर जबलपुर में स्थित भवन क्रमाक LIG-123 श्री संजय चौबे पिता श्री संतोष चौबे के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 27.03.2010 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री संजय चौबे पिता श्री संतोष चौबे ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 12.07.2012 के माध्यम से श्री शेखर पाली (यादव) पिता श्री के.एल. पाली को विक्रय किया है। अतः श्री शेखर पाली (यादव) पिता श्री के.एल. पाली द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन/भूखण्ड) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कालोनी जबलपुर में भवन क्र. एलआईजी-427 श्री दसरथ प्रसाद पाण्डेय पिता श्री कमला प्रसाद पाण्डेय के नाम आवंटित है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 9/12/2015 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका हो चुका है। उक्त भवन श्री दसरथ प्रसाद पाण्डेय पिता श्री कमला प्रसाद पाण्डेय ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 14.09.2023 के माध्यम से श्रीमति गुड्डी जैन पति श्री अनिल जैन को विक्रय किया है। अतः श्रीमति गुड्डी जैन पति श्री अनिल जैन द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण/(भवन/भूखण्ड) बावत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27

दिनांक 22/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति बबली पाठक पत्नी संजीव पाठक ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 38 ख.नं. 144/8 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 100426061 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1250 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राहुल होलानी पिता बलेदव प्रसाद होलानी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी

संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27

दिनांक 22/4/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) श्री रामकृष्ण सोनी पिता नारायण दास सोनी (2) सावित्री सोनी पत्नी रामकृष्ण सोनी ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 148/1 का भाग सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004713382 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 675 व.फु. जिस पर निर्मित निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राजेन्द्र पद्म, रिषभ पद्म पिता श्री राजेन्द्र पद्म का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी

संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर

लोककर्म विभाग

निविदा आमंत्रण सूचना

N.I.T. No. : / PWD/2025-26/04/E-tendering/PRO 91 — Date 21/04/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणली में पंजीकृत ठेकेदार/मान्यता प्राप्त फर्म से निम्नलिखित कार्य में लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_501401_1	संभाग क्रमांक 04 नरसिंह वार्ड अंतर्गत राजेन्द्र नेमा जी के घर से रमेश गुर्जर जी के घर तक रोड निर्माण कार्य। (पार्षद अनुशंसा)	04 माह	2,000/-	
	22/04/2026		रू. 7.55	7560/-	08/05/2026
2.	2026_UAD_501401_2	संभाग क्रमांक 04 नरसिंह वार्ड अंतर्गत दास बिल्डिंग (ट्रांसफार्मर) के पास नाली निर्माण एवं सीमेंटीकरण कार्य (पार्षद अनुशंसा)	03 माह	2,000/-	
	22/04/2026		रू. 3.97	3975/-	08/05/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की बेवासईट www.mptenders.gov.in में पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

संभाग क्रमांक 04 नगर निगम, जबलपुर

स्वास्थ्य सेवाओं और टीकाकरण में गति लाने दिए निर्देश

कलेक्टर ने किया पाटन सिविल अस्पताल का निरीक्षण

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने बुधवार को पाटन स्थित सिविल अस्पताल का सघन निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने इमरजेंसी सेक्शनए कैजुअल्टी, नर्सिंग स्टेशन, एनआरसी और पीएनसी वार्ड सहित दंत चिकित्सा ओपीडी का भ्रमण किया।

अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्यवाही

3 हाइवा जब्त कर नावों को किया नष्ट

जबलपुर। खनिज विभाग की टीम ने पावला और जुगपुरा ग्रामों के नदी किनारे घाटों का औचक निरीक्षण किया कर रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन में लगे 3 बड़े हाइवा वाहनों को पकड़ कर बेलखेड़ा थाने की अभिरक्षा में खड़ा करवा दिया। अवैध खनन पर लगाम लगाने नदी के किनारों पर रखी उन नावों को भी मौके पर ही नष्ट कर दिया।

चलती ट्रेन से उड़ाया यात्री का मोबाइल

आरपीएफ ने पकड़ा शातिर अपराधी

जबलपुर। जबलपुर रेलवे स्टेशन पर चैकिंग के दौरान आरपीएफ टीम ने 22 वर्षीय सोहेल पिता मोहम्मद अलीम निवासी हनुमानताल को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी ट्रेन के यात्रा कर रहे एक यात्री का मोबाइल चोरी करते हुए पकड़ा गया है।

आमजन से जुड़ने का सशक्त माध्यम है थिएटर

थिएटर एक ऐसा माध्यम है जिससे आमजनों तक जीवंत रूप से पहुंचा जा सकता है। हालांकि वर्तमान दौर में थिएटर का माहौल बेचैनी भरा है फिर भी आशा नहीं छोड़ना चाहिए, अपना संघर्ष जारी रखना चाहिए और थिएटर के माध्यम से अपनी जिंदगी हक से जीना चाहिए। यह कहना है पश्चिम बंगाल की नवोदित अभिनेत्री पालोमी घोष का।

पालोमी घोष बिहार, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के कई जिलों में अपनी अभिनय कला का प्रदर्शन कर चुकी हैं

नवोदित अभिनेत्री पालोमी घोष से स्वतंत्र मत की चर्चा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर प्रवास के दौरान स्वतंत्र मत से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पापा प्रशांत कुमार घोष थिएटर से जुड़े हैं, मां भी अभिनय करती हैं लिहाजा उन्हें बचपन से ही थिएटर में अभिनय करने की प्रेरणा मिली। पालोमी घोष ने पश्चिम बंगाल में हायर सेकेण्ड्री तक शिक्षा प्राप्त करने के बाद थिएटर आर्ट से स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। उन्होंने बचपन से ही थिएटर को अपना लक्ष्य बना रखा था और ग्रुप थिएटर से उन्हें पहली शिक्षा हासिल हुई। वह मुख्य रूप से हेलेन केलर पर केंद्रित एकल अभिनय करती हैं। इस संबंध में उन्होंने बताया कि हेलेन केलर अल्प आयु से ही कठिन संघर्ष के दौर से गुजरी और उनकी यह दास्तान आज सिर्फ किताबों तक ही सीमित हैं। उन्होंने कहा कि हेलेन केलर के संघर्ष को समाज के सामने प्रस्तुत करते हुए उन्हें आत्मिक संतुष्टि की अनुभूति होती है। पालोमी घोष ने बिहार, महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के कई जिलों में अपनी अभिनय कला का प्रदर्शन कर चुकी हैं और अब वह उत्तराखंड के लिए रवाना होंगी।

जिनसार सभागार में एकल नाटक का मंचन

जबलपुर इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एवं रिसर्च सभागार में अर्न्तराष्ट्रीय रंगमच कलाकार पालोमी घोष द्वारा हेलन केलर की आत्मकथा जर्नी फराम डार्कनेश टू दा लाइट विषय पर विवेचना रंगमण्डल के सहयोग से एकल अभिनय की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथी के रूप में हितकारिणी सभा की सभापति सुनयना पटेरिया उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपसभाप्रति हितकारिणी सभा अशोक गुप्ता ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में हितकारिणी सभा विद्या परिषद के सचिव जयेश राठौर उपस्थित रहे। प्राचार्या डॉ प्रिन्सी साजी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त छा-छात्रायें तथा कर्मचारी तथा अध्यापक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत प्राचार्या डॉ प्रिन्सी साजी, डॉ अनूप तिवारी एवं डॉ सुरभि केहरी द्वारा किया गया। पालोमी घोष द्वारा अपने एकल अभिनय के माध्यम से हेलन केलर के प्रेरणादायी व्यक्तित्व उनके संघर्षों को अपने अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। दर्शकों द्वारा पालोमी घोष के अभिनय की भूरी भूरी प्रशंसा की तथा उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियो को व्यक्तित्व विकास के सम्बन्ध में अनेक ज्ञानवर्धक टिप्स भी दिये। सभी ने पालोमी घोष के जीवन्त अभिनय की सराहना की। उल्लेखनीय है कि हितकारिणी सभा द्वारा अपने स्कूल तथा कालेज के विद्यार्थियो के व्यक्तित्व विकास के लिए सतत कार्यक्रमो का आयोजन विद्या परिषद के माध्यम से किया जा रहा है। जिसका छात्रों को लाभ हो रहा है। कार्यक्रम में सभा के प्रभारी अधिकारी सुबोध दुबेउपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कु. रिषिका कोठारी तथा आभार प्रर्दशन विद्या परिषद के समन्वयक राजीव श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

आने वाली पीढ़ी है प्यारी तो धरती को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी

विश्व पृथ्वी दिवस पर हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में हुए विविध आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए बुधवार को इको क्लब का गठन किया गया। यह गठन लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से संपन्न हुआ, जिसमें द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चतुर्थ सेमेस्टर की खुशबू यादव को अध्यक्ष, प्रथम सेमेस्टर की कु. इशिता सेन को उपाध्यक्ष, चतुर्थ सेमेस्टर की कु. इप्सा के.सी. एवं कु. कुसुम ढीमर को सचिव तथा कु. माया धानक, कु. दीपांशी सिंह, कु. दर्शिका चौधरी एवं द्वितीय सेमेस्टर की कु. सरला भलावी को सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर अर्थ डे बड़े उत्साह एवं जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, वृक्षों के महत्व एवं सतत जीवनशैली के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विचार-विमर्श, जागरूकता संदेश एवं सहभागिता-आधारित गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित की गई। कार्यक्रम का समापन पौधारोपण के साथ हुआ, जिसमें छात्राओं एवं महाविद्यालय परिवार ने मिलकर पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

पर्यावरणीय चेतना को नई दिशा देगा इको क्लब

इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने निर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यों को उनके कर्तव्यों से परिचित कराते हुए कहा कि इको क्लब केवल एक औपचारिक क्लब नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान देने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें तथा समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभाएं। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे-छोटे प्रयास-जैसे जल संरक्षण, स्वच्छता, पौधारोपण एवं प्लास्टिक के उपयोग में कमी-मिलकर एक बड़े सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनते हैं। अंत में उन्होंने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि इको क्लब महाविद्यालय में पर्यावरणीय चेतना को नई दिशा प्रदान करेगा।

कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मि शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्य डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. निधि माथुर, ऋषभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, विजय दहायत एवं प्रीती नामदेव का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मप्र के 5 लाख संविदा-आउटसोर्स कर्मचारियों को मिली बड़ी राहत

हाईकोर्ट ने वर्गीकरण कर वेतन और सेवा संबंधी लाभ देने दिए निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र में करीब साढ़े 4 से 5 लाख संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिए हैं कि इन कर्मचारियों का वर्गीकरण कर उन्हें वेतन और सेवा संबंधी लाभ दिए जाएं। जस्टिस विशाल धगट की बेंच ने सुनाए फैसले में कहा कि 10 साल से अधिक समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को 7 अक्टूबर 2016 की नीति का लाभ मिलना चाहिए, चाहे वे संविदा पर हों या आउटसोर्स व्यवस्था के तहत काम कर रहे हों। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि लंबे समय तक काम लेने के बाद कर्मचारियों को लाभ से वंचित रखना तर्कहीन है और उन्हें आर्थिक न्याय से दूर नहीं रखा जा सकता। इस दौरान हाईकोर्ट ने यह भी माना कि 2016 की नीति संविधान के अनुच्छेद 38, 39 और 43 में बताए गए सामाजिक और आर्थिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप है। अब तक इस नीति का लाभ केवल दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को दिया जा रहा था।

इसमें उन्हें कुशल, अर्धकुशल और अकुशल श्रेणियों के आधार पर वेतन मिलता है, लेकिन हाईकोर्ट ने कहा कि इसी आधार पर संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को भी शामिल किया जाए।

वर्षों से सेवाएं दे रहे हैं संविदा कर्मचारी- दरअसल यह मामला 2009 में संविदा पर नियुक्त उन कर्मचारियों से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से लगातार सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसे लाभ नहीं मिले। संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा था कि वे स्थायी कर्मचारियों के बराबर काम करते हैं, फिर भी उन्हें कम वेतन दिया जाता है। यह संविधान से मिले समानता के अधिकार और सम्मान से जीवन जीने के अधिकार का उल्लंघन है।सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने तर्क दिया कि 2016 की नीति संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों पर लागू नहीं होती, लेकिन कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया और सरकार को निर्देश दिए कि कर्मचारियों का वर्गीकरण कर उन्हें वेतनमान और सेवा संबंधी लाभ सुनिश्चित किए जाएं।

उपार्जन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने नोडल अधिकारी नियुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन की पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले में स्थाथपित किये गये खरीदी केन्द्रों की निगरानी के लिये नोडल अधिकारियों को नियुक्त किया, जिले में गेहूं उपार्जन के लिए अभी तक 60 खरीदी केन्द्र स्थापित किये गये जिनमे नोडल अधिकारी को नियुक्त किया गया। कलेक्टर ने नियुक्ति के साथ दिशा निर्देश भी जारी किये, निर्देशों में नोडल अधिकारियों को उपार्जन नीति के अनुरूप गेहूं का उपार्जन सुनिश्चित करने, उपार्जन केन्द्र पर स्लॉट बुक करने के बाद ही पंजीकृत कृषकों से एफएक्यू गुणवत्ता का गेहूँ की खरीदी की जाये तथा स्लॉट बुकिंग में उल्लेखित दिन के पूर्व किसी भी किसान का गेहूँ खरीदी केंद्र पर भंडारित न होने के निर्देश दिए ।

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे के द्वारा **रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन** को दिनांक 23.04.2026 से रेगुलर गाड़ी में परिवर्तित कर चलाया जाएगा, जिसका विवरण निम्न है:–

गाड़ी संख्या 20154/20153 रीवा–सीएसएमटी साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस

परिचालन का दिन एवं दिनांक: गाड़ी सं. 20154 रीवा से **(प्रत्येक गुरूवार)**–दिनांक 23.04.2026 से एवं वापसी में गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस से **(प्रत्येक शुक्रवार)** दिनांक 24.04.2026 से:–

ठहराव: सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, हरदा, खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, नासिक रोड, कल्याण, दादर

गाड़ी सं. 20154 रीवा–छत्रपति शिवाजी टर्मिनस		गाड़ी सं. 20153 छत्रपति शिवाजी टर्मिनस–रीवा
आगमन–प्रस्थान	स्टेशन	आगमन–प्रस्थान
D.15.50 (Thu)	रीवा	A.09.45(Sat)
16.55-17.00	सतना	07.40-07.45
17.25-17.27	मैहर	07.03-07.05
18.05-18.10	कटनी	06.10-06.15
19.40-19.50	जबलपुर	04.55-05.05
20.48-20.50	नरसिंहपुर	03.23-03.25
21.18-21.20	गाडरवारा	02.48-02.50
21.53-21.55	पिपरिया	02.13-02.15
23.20-23.30	इटारसी	01.15-01.25
00.22-00.24	हरदा	00.03-00.05
02.02-02.05	खंडवा	22.43-22.45
04.05-04.10	भुसावल	20.15-20.20
04.35-04.37	जलगांव	19.38-19.40
06.38-06.40	मनमाड	17.53-17.55
07.42-07.45	नासिक रोड	16.58-17.00
10.57-11.00	कल्याण	14.22-14.25
11.52-11.55	दादर	13.42-13.45
A.12.20(Fri)	सीएसएमटी	D.13.30(Fri)

कोच संरचना

वातानुकूलित प्रथम श्रेणी–01, वातानुकुलित द्वितीय श्रेणी–01 वातानुकुलित तृतीय श्रेणी–04, द्वितीय श्रेणी शयनयान–12 सामान्य कोच–04, एसएलआर–02

पश्चिम मध्य रेल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

FOLLOW US @wc_railway West Central Railway West Central Railway Official

जिनसार में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

जागरूकता कार्यक्रम के साथ पौधारोपण पर आयोजित हुई प्रदर्शनी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिनसार में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर हमारी शक्ति, हमारा ग्रह विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम एवं पौधारोपण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ तथा इसका समन्वय अर्निका जोसेफ एवं मार्टिना पॉल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को छह समूहों में विभाजित कर औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें उन्होंने विभिन्न पौधों के उपयोग एवं उनके स्वास्थ्य लाभों की जानकारी प्रस्तुत की। अंत में मार्टिना पॉल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा राष्ट्रीय गान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा।

South Avenue Mall | moviemagic | ruby moviemagic

EXPERIENCE RUBY WHERE CINEMATIC LUXURY AWAITS

BHOOTH BANGLA (HINDI)	8:55 AM, 9:40 AM, 12:00 PM, 1:20 PM, 3:10 PM, 4:35 PM, 6:20 PM, 9:30 PM & 10:30 PM; RUBY 10:10 AM, 1:00 PM, 4:00 PM &; RUBY 9:50 PM
LEE CRONIN'S THE MUMMY (HINDI)	10:10 AM & 7:40 PM; RUBY 7:00 PM
DHURANDHAR THE REVENGE (HINDI)	12:45 PM, 5:00 PM & 9:15 PM; RUBY 9:50 AM, 1:50 PM, 5:50 PM; RUBY 9:30 PM

@moviemagic_jbp MOVIE MAGIC NOW WITH 5 BIG SCREENS

Book tickets & F&B on Movie Magic App at ZERO PLATFORM FEE

Bulk Booking / Advertising 9425807507 | Movie Magic, South Avenue Mall, Narmada Road 9425807508

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**